जबलपुर, नई दिल्ली एवं पटना से एक साथ प्रकाशित

www.pratahkiranlive.com

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

■ वर्ष -01 ■ अंक - 200 ■ जबलपुर, बुधवार, 18 फरवरी 2026 ■ विक्रम संवत् 2082 ■ पेज - 12 ■ मूल्य रू 04.00

सुविचार

अपनी काबिलियत पर पूरा भरोसा रखें।

संक्षिप्त समाचार

अनजान पर भरोसा पड़ा भारी, दिल्ली में हॉस्पिटल से नवजात बच्चा चोरी, मच गया हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में नवजात शिशु के अपहरण की एक हैरान कर देने वाली वारदात सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, रोहिणी सेक्टर 6 स्थित बाबा साहब अम्बेडकर हॉस्पिटल से बच्चे के अपहरण की हैरान कर देने वाली वारदात सामने आई है। पीड़ित परिवार ने मंगलवार को सुबह 9 बजे पुलिस को इस घटना के बारे में सूचना दी है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है और बच्चे को बरामद करने की कोशिश में जुटी हुई है। दरअसल, मंगलवार 17.02.2026 को सुबह लगभग 9 बजे थाना नॉर्थ रोहिणी में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई, जिसमें डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल (सेक्टर-6, रोहिणी, दिल्ली) के लेबर रूम से नवजात शिशु के अपहरण की सूचना दी गई। शिकायतकर्ता शाहीन (पत्नी जाकिर अली, निवासी नरेला, दिल्ली) ने बताया कि उन्हें 12.02.2026 को अस्पताल में भर्ती कराया गया था तथा 14.02.2026 को उन्होंने एक पुत्र को जन्म दिया।

छिंदवाड़ा के दमुआ में पति-पत्नी की संदिग्ध मौत, हत्या या आत्महत्या?, पुलिस जांच में जुटी

छिंदवाड़ा, प्रातःकिरण। दमुआ नगर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब दो अलग-अलग स्थानों पर पति-पत्नी के शव बरामद हुए। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रमोद सिरसाम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचे। प्राथमिक दृष्टि में मामला हत्या के बाद आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।प्रातः काल नगर के दो क्षेत्रों में शव मिलने से सनसनी फैल गई। अप्पू हॉल के पीछे नदी के पास महिला का शव पड़ा हुआ मिला। महिला के शव से महज पौन किलोमीटर दूर, हनुमान दफाई स्थित बंद अग्रवाल क्रेशर के पास एक सागौन के पेड़ पर पति की लाश पेड़ से लटकी मिली। मृतक महिला और पेड़ पर झूलता व्यक्ति आपस में पति-पत्नी थे। बताया जा रहा है कि दोनों ने प्रेम प्रसंग के चलते प्रेम विवाह किया था। आशंका जताई जा रही है कि पति ने पहले अपनी पत्नी को मौत के घाट उतारा और फिर खुद फांसी के पेड़ पर झूल गया। चर्चा है कि उनकी कोई संतान नहीं थी, लेकिन महिला गर्भवती थी या नहीं, इसका खुलासा मेडिकल रिपोर्ट के बाद ही होगा।

कार्टून कोना

अजित पवार विमान हादसे को लेकर बड़ा खुलासा

आग में जलकर खाक हो गए थे फ्लाइट के दोनों वॉयस रिकॉर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी।

विमान दुर्घटना में 28 जनवरी को अजित पवार की मौत हो गई थी। इससे जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। विमान की जांच कर रही एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, विमान में लगे दोनों फ्लाइट रिकॉर्डर आग की वजह से क्षतिग्रस्त हो गए थे। विमान हादसे में अजित पवार की मौत हो गई थी। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम रहे अजित पवार के विमान दुर्घटना से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। 28 जनवरी को बारामती में दुर्घटनाग्रस्त हुए Learjet 45 (वीटी-एसएसके) विमान की जांच कर रहे एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने अपनी शुरुआती रिपोर्ट में एक बड़ा खुलासा किया है।

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार जांच

एएआईबी के अनुसार, विमान में लगे दोनों वॉइस रिकॉर्डर दुर्घटना के बाद लगी आग की चपेट में आने से जलकर खाक हो गए हैं। एएआईबी ने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी तरह से निर्धारित नियमों और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार संचालित की जा रही है। विमान में लगे दोनों फ्लाइट रिकॉर्डर आग की वजह से क्षतिग्रस्त हो गए थे। एजेंसी ने कहा है कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष होगी और सबूतों पर आधारित होगी। सभी से अपील की गई है कि अटकलें न लगाएं और आधिकारिक जानकारी का इंतजार करें।

बारामती में हुआ विमान हादसा

बता दें कि अजित पवार की मृत्यु 28 जनवरी 2026 को पुणे जिले के बारामती में एक विमान दुर्घटना के दौरान हुई थी। वह बारामती में जनसभाओं को संबोधित करने के लिए मुंबई से चार्टर्ड विमान Learjet 45 (वीटी-एसएसके) से रवाना हुए थे। सुबह लगभग 8:46 बजे बारामती एयरपोर्ट के रनवे-11 पर लैंडिंग के दूसरे प्रयास के दौरान विमान अचानक बेकाबू हो गया और खुले मैदान में ैश होकर भीषण आग की लपटों में घिर गया। जमीन से टकराते ही इसमें एक के बाद एक कई धमाके हुए, जिससे विमान में सवार किसी भी व्यक्ति को बचाने का मौका नहीं मिला।

अजित पवार समेत 5 लोगों की मौत

इस भीषण हादसे में अजित पवार के अलावा उनके निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ), एक सहायक और चालक दल के 2 सदस्यों (पायलट सुमित कपूर और को-पायलट शांभवी पाठक) सहित कुल 5 लोगों की जान चली गई थी। शुरुआती रिपोर्ट्स में दुर्घटना की संभावित वजह लो विजिबिलिटी और घना कोहरा बताया गया था। अजित पवार के निधन पर महाराष्ट्र सरकार ने तीन दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की थी और बारामती में पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया था।

इंडियन एआई इंपैक्ट समिट में पीएम मोदी ने बताया 2047 का विजन

भारत दुनिया के टॉप तीन एआई सुपरपावर में होगा शामिल : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली एजेंसी।

इंडियन एआई इंपैक्ट समिट में पीएम मोदी ने भारत को दुनिया के तीन ग्लोबल एआई सुपरपावर में शामिल बताया है और 2047 के विजन की बात की है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे एआई इम्पैक्ट समिट में दुनियाभर के टेक लीडर्स शामिल हो रहे हैं। पीएम मोदी ने 16 फरवरी 2026 को इस समिट का उद्घाटन किया है। यह समिट 20 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें एआई के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव को लेकर चर्चा की जाएगी। साथ ही, इसमें कई स्टार्ट अप ने अपने एआई प्रोडक्ट्स की प्रदर्शनी भी लगाई है। एक इंटरव्यू में पीएम मोदी नेएआई को लेकर खुलकर बात की है।

सिविलाइजेशनल बदलाव के पॉइंट परएआई

पीएम मोदी ने कहा कि आज,एआई एक सिविलाइजेशनल बदलाव के पॉइंट पर है। यह इंसानी काबिलियत को ऐसे तरीकों से बढ़ा सकता है जो पहले कभी नहीं हुए, लेकिन अगर इसे बिना गाइडेंस के छोड़ दिया जाए तो यह मौजूदा सोशल बुनियाद को भी टेस्ट कर सकता है। पीएम ने कहा कि हमने इसलिए इस समिट का आयोजन किया है ताकि इसके अर्थपूर्ण और सकारात्मक पहलुओं पर बात की जाए।

भारत के सिविलाइजेशन से हमें सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की प्रेरणा मिलती है। टेक्नोलॉजी का मुख्य उद्देश्य सभी के लिए कल्याण, सभी की खुशी होनी चाहिए। तकनीक इंसानियत की सेवा के लिए होनी चाहिए, न कि इसे बदलने के लिए। उन्होंने कहा कि यह ग्लोबल साउथ में होने वाला पहला एआई समिट है।

विकसित भारत 2047 मेंएआई का अहम रोल

पीएम मोदी ने कहा कि एआई , विकसित भारत 2047 की ओर भारत की यात्रा में एक बदलाव लाने वाला मौका है। इसकी मदद से नई इकोनॉमिक ऑपर्च्युनिटी, इन्क्लुसिव ग्रोथ के अवसर तलाशे जा सकेंगे। हेल्थकेयर में एआई पहले से ही प्रभाव डाल रहा है। हमने देखा है कि एआई बेस्ड सॉल्यूशन पहले ही ज.**दैनिक भास्कर**, डायबिटीज जैसी बीमारियों को शुरुआती समय में पहचान कर सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी एआई पावर्ड पर्सनलाइज्ड लर्निंग प्रोग्राम भारतीय भाषाओं में छात्रों की मदद कर रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में मौजूद सरकारी स्कूलों में एआई की मदद से कस्टमाइज्ड अकेडिमक सपोर्ट मिल रहा है।

पब्लिक गुड्स में एआई निभाएगा महत्वपूर्ण रोल

पीएम मोदी ने एक इंटरव्यू में कहा कि भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर यात्रा ग्लोबल साउथ के लिए महत्वपूर्ण है। इंक्लूसिव डेवलपमेंट के लिए डीपीआई और एआई का महत्वपूर्ण रोल रहने वाला है।

भाजपा के दिग्गज नेता की बेटी कांग्रेस में हुई शामिल

पीसीसी चीफ पटवारी से की मुलाकात

भोपाल, प्रातःकिरण। मध्य प्रदेश भाजपा के दिग्गज नेता और प्रख्यात कवि सत्यनारायण सत्तन की बेटी कनु प्रिया कांग्रेस में शामिल हो गई हैं। मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक और महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष अर्चना जायसवाल ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। कांग्रेस का दामन थामने के बाद उन्होंने पीसीसी चीफजीतू पटवारी से मुलाकात की।

एक्स पर दी जानकारी

मध्य प्रदेश कांग्रेस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पर कनु प्रिया के कांग्रेस में शामिल होने की जानकारी दी। एमपी कांग्रेस ने एक्स पर लिखा, 'प्रख्यात कवि एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेता रहे सत्यनारायण सत्तन जी की पुत्री कनु प्रिया जी ने आज मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक एवं महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष अर्चना जायसवाल की गरिमामयी उपस्थिति में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। तत्पश्चात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जी ने इस अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कनु प्रिया जी का कांग्रेस परिवार में अभिनंदन किया।'

जब जज भी हो गए कंफ्यूज! कानून की हर किताब खंगाली, फिर भी नहीं मिला जवाब

कोर्ट ने सरकार से कहा- बताए रास्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। पटियाला हाउस कोर्ट की मोटर व्हीकल क्लेम ट्रिब्यूनल में एक ऐसा मामला सामने आया, जिसने मौजूदा कानून और मुआवजा स्कीम्स की सीमाओं को उजागर कर दिया. ट्रिब्यूनल ने साफ शब्दों में माना कि मौजूदा किसी भी सरकारी योजना में ऐसे मामलों के लिए स्पष्ट प्रावधान नहीं है, जहां सड़क दुर्घटना में पीड़ित और बिना बीमा वाला ड्राइवर कम मालिक दोनों की मौत हो जाए. मामला एक दर्दनाक सड़क हादसे से जुड़ा है, जिसमें साइकिल सवार सुरेंद्र कुमार अहिरवार की मौत हो गई. चार्जशीट के मुताबिक, उन्हें विष्णु द्वारा चलाई जा रही कार (डीएलवीके 8530) ने टक्कर मारी थी. टक्कर के बाद ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और कार एक खंभे से टकरा गई,

जिसमें कार ड्राइवर और मालिक विष्णु की भी मौत हो गई. दुर्घटना के वक्त कार का इंश्योरेंस नहीं था.

साइकिल सवार के पीछे कौन रह गया?

अहिरवार अपने पीछे पत्नी और दो नाबालिग बच्चों को छोड़ गए हैं, जिन्होंने एमएसीटी के सामने मुआवजे की मांग की लेकिन यहीं से मामला उलझता चला गया. कार का इंश्योरेंस नहीं था, इसलिए इंश्योरेंस कंपनी से किसी तरह की रिकवरी संभव नहीं थी. ट्रिब्यूनल ने यह भी नोट किया कि गाड़ी 2014 मॉडल की है और उसकी नीलामी से मिलने वाली रकम परिवार को 'उचित मुआवजा' देने के लिए नाकाफी होगा.

WhatsApp पर लीक हो गया 10वीं का बोर्ड पेपर

बुरहानपुर, प्रातःकिरण। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में 10वीं बोर्ड का पेपर लीक होने से हड़कंप मच गया। लेडी टीचर ने एग्जाम से पहले प्रश्न पत्र अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर लगा दिया। कलेक्टर हर्ष सिंह ने शिक्षिका को सस्पेंड कर जांच के आदेश दिए हैं। दरअसल, मंगलवार को 10वीं कक्षा के छात्रों की अंग्रेजी की परीक्षा थी। सुबह 9:35 पर सूचना मिली कि तुकईथड प्राथमिक शिक्षिका राजकुमारी सोनी ने अपने वाट्सएप स्टेटस पर एग्जाम पेपर की फोटो लगा दी है।एडीएम से जांच कराई गई तो सामने आया कि सुबह 9:06 के आसपास यह फोटो लगाई गई थी। सूचना मिलने पर उन्हें तत्काल सेंटर से बाहर कर दिया गया और केंद्राध्यक्ष को भी बदल दिया गया।

राजस्थान सीनियर टीचर भर्ती पेपर लीक मामले में बड़ी कार्रवाई

पुलिस ने 6 आरोपियों को किया गिरफ्तार

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान लोक सेवा आयोग की तरफसे आयोजित वरिष्ठ शिक्षक भर्ती मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने विभिन्न राज्यों के छह स्थानों पर एक साथ दबिश देते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। राजस्थान में वरिष्ठ शिक्षक (द्वितीय श्रेणी) भर्ती परीक्षा-2022 में डमी अभ्यर्थियों के जरिए चयन कराने के संगठित गिरोह का बड़ा पर्दाफाश हुआ है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा आयोजित इस परीक्षा में विज्ञान तथा सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान विषय के प्रश्नपत्र लीक और डमी कैंडिडेट के माध्यम से परीक्षा दिलाने की शिकायतें मिली थीं।

पेपर लीक के बाद रद्द हुई थी परीक्षा

दरअसल, 24 दिसंबर 2022 को आयोजित परीक्षा में सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान का पेपर लीक होने के कारण परीक्षा निरस्त कर 29 जनवरी 2023 को पुनः आयोजित की गई। लेकिन जांच में सामने आया कि कुछ अभ्यर्थियों ने डमी बैठाकर परीक्षा पास की और नियुक्ति भी प्राप्त कर ली। प्राथमिक जांच के बाद आयोग की ओर से 14 अभ्यर्थियों सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ एसओजी में केस दर्ज कराया गया था।

आरोपियों के लोकेशन की ट्रेस

केवल फोटो के आधार पर डमी अभ्यर्थियों की पहचान करना सबसे बड़ी चुनौती थी। ऐसे में महानिरीक्षक पुलिस शरत कविराज की पहल पर वन-टाइम रजिस्ट्रेशन डाटाबेस के समानांतर विशेष सॉफ्टवेयर विकसित किया गया। इस

चुनौती

ट्रंप की लगातार धमकियों के बीच पहली बार दहाड़े खामेनेई

'ईरान को मिटाने का ख्वाब देखना छोड़ दें'

तेहरान, एजेंसी।

ईरान और अमेरिका के बीच जेनेवा में परमाणु वार्ता चल रही है. वॉशिंटन, तेहरान पर परमाणु पावर खत्म करने का प्रेशर बना ही रहा है लेकिन इसके साथ ही मिसाइलें भी सरेंडर करने को कह रहा है. ट्रंप की इस बुलींग नीति पर हाल ही में खामेनेई ने चुप्पी तोड़ी है. वो ट्रंप की धमकियों पर दहाड़ पड़े हैं. ईरान के सुप्रीम लीडर ने ट्रंप को सीधी चुनौती दी है और कहा है कि वे ईरान को मिटाने का ख्वाब देखना छोड़ दें. खामेनेई ने अपने बयान में अमेरिका का जमकर मजाक भी उड़ाया है.

खामेनेई ने अमेरिकी युद्धपोतों को डुबोने की दी

खामेनेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक के बाद एक कई पोस्ट किए हैं, जिनमें उन्होंने न केवल अमेरिकी सैन्य शक्ति का मजाक उड़ाया, बल्कि खाड़ी में तैनात अमेरिकी युद्धपोतों को डुबोने की भी धमकी दे डाली है. खामेनेई ने कहा 'अमेरिकी राष्ट्रपति लगातार कहते रहते हैं कि उनके पास दुनिया की सबसे मजबूत सैन्य शक्ति है. दुनिया की सबसे मजबूत सैन्य शक्ति को भी कभी-कभी इतना जोरदार झटका लग सकता है कि वह फिर से उठ खड़ी न हो सके'. उन्होंने आगे कहा कि 'अमेरिकी लगातार कहते हैं कि उन्होंने ईरान की ओर एक युद्धपोत भेजा है. बेशक, युद्धपोत एक खतरनाक सैन्य उपकरण है लेकिन उस युद्धपोत से भी ज्यादा खतरनाक वह हथियार है जो उस युद्धपोत को समुद्र की गहराई में डुबो सकता है'.

'ईरान को नहीं झुका पाओगे'

उन्होंने आगे कहा, 'अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि 47 वर्षों से संयुक्त राज्य अमेरिका इस्लामी गणराज्य को समाप्त करने में सक्षम नहीं रहा है. यह एक सच्चा और अच्छा कबूलनामा. मैं कहता हूं, 'आप भी ईरान को नहीं झुका पाएंगे'.

ट्रंप को भारी पड़ा ये बयान

ये टिप्पणियां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान के एक दिन बाद आई हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे मंगलवार को होने वाली महत्वपूर्ण परमाणु वार्ता में अप्रत्यक्ष रूप से शामिल रहेंगे. ट्रंप ने ईरान को एक तरह से धमकाते हुए कहा था कि 'तेहरान ने पिछले टकरावों से सबक सीखा है और अब बातचीत के लिए राजी हो सकता है'. ट्रंप ने कहा कि 'मुझे नहीं लगता कि वो समझौता न करने के परिणामों को भुगतना चाहते हैं'. ट्रंप ने याद दिलाया कि अमेरिका ने पहले भी ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमले किए थे. उन्होंने कहा था कि 'हम बी-2 मिसाइलें भेजकर उनकी परमाणु क्षमता को नष्ट करने के बजाय समझौता कर सकते थे और हमें बी-2 मिसाइलें भेजनी ही पड़ीं. मुझे उम्मीद है कि वे अब अधिक समझदारी से काम लेंगे'.

बीजेपी विधायक को मूसा गैंग की धमकी

मध्यप्रदेश विधानसभा सदन में दूसरे दिन भी हंगामा

भोपाल, प्रातःकिरण। मध्य प्रदेश विधानसभा बजट सत्र की कार्यवाही कल बुधवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है। सदन में आज मंगलवार को दूसरे दिन कई मुद्दों की गूंज सुनाई दी। बीजेपी विधायक प्रदीप पटेल को मूसा गैंग की धमकी, भोपाल का गौ मांस कांड, वंदे मातरम समेत प्रदेश से लापता हो रही बच्चियों का मामला उठाया गया। इन मुद्दों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर बहस भी हुई। कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा ने कहा कि हमारा सत्ताधारी दल का विधायक सुरक्षित नहीं है। मूसा गैंग के नाम पर उन्हें धमकाया बात सही है। मूसा गैंग के डर से ही विधायक छुप कर रह रहे थे। कोरेक्स जैसे नशे का विरोध करने पर उनको धमकी दी जा रही थी। सरकार को नशे पर ध्यान देना होगा।

गौ मांस कांड का मुद्दा भी गूंजा

कांग्रेस विधायक महेश परमार ने भोपाल के गौ मांस कांड का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि भोपाल में 26 टन गौ मास कहां से आया ? सरकार जवाब दें। जनवरी 2026 में बछड़े काटने की पुष्टि हुई। इसकी अनुमति किसने दी यह राज्यपाल से आपको अभिभाषण में पढ़वाना था। उन्होंने यह भी कहा कि शर्म आती है गौ गंगा गीता की बात करने वाली सरकार में गौ हत्या हो रही है। अभी तक क्या कार्रवाई की सरकार में सभी इन्हीं का है। प्रशासनिक मिली भगत है कानून व्यवस्था कहां गई ?

वंदे मातरम पर भी बहस

बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने सदन में कहा कि एमपी सरकार 25 साल की सोच रख रही है। कांग्रेस सरकार 5 साल का सोचकर काम करती थी। एमपी सरकार प्रत्येक ग्राम पंचायत पर फोकस कर रही है। भोपाल में सबसे ज्यादा आयुष्मान कार्ड मुसलमान के बने है। कांग्रेस में वंदे मातरम के 2 छंद दिए थे। मोदी सरकार ने 6 छंद दिए है। कांग्रेस के नेता वंदे मातरम गाने से मना करते है। वहीं कांग्रेस विधायक ने रामेश्वर शर्मा से सदन में वंदे मातरम गाने की बात कही।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर ने एमएलबी स्कूल का किया निरीक्षण

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने पीएमश्री स्कूल एमएलबी जबलपुर में माध्यमिक शिक्षा मंडल के गोपनीय कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल में पीएम श्री योजना अंतर्गत किए गए कार्यों की प्रगति के साथ विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के समय जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी उपस्थित थे।

टाउनहॉल और आनंदनगर टंकी से दो दिन नहीं मिलेगा निगम से पानी

जबलपुर। विक्टोरिया के टाउन हॉल और आनंद नगर पानी की टंकी से घरों को मिलने वाला पानी दो दिन नहीं मिल पाएगा। तकनीकी खामी को दूर करने निगम ने दो दिन सप्लाई अवरूद्ध रखने का फैसला लिया है। निगम ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत टैंकरों से पानी सप्लाई करेगी। निगम के मुताबिक नर्मदा जल प्रदाय योजनांतर्गत टाउनहॉल उच्चस्तरीय टंकी के लीकेज सुधार टी बदलने का कार्य एवं आनंद नगर उच्चस्तरीय टैंक के डकफुट बेण्ड बदलने का महत्वपूर्ण कार्य किया जाना है। 18 फरवरी की शाम से 21 फरवरी की सुबह तक इन दोनों टैंक्स से जलापूर्ति नहीं होगी याने कि पांच समय संबंधित क्षेत्रों को पानी नहीं मिलेगा। प्रभावित क्षेत्रों में टैंकर क माध्यम से जलापूर्ति की जावेगी। क्षेत्रीय लोगों को होने वाली असुविधा के लिए महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, जल प्रभारी दामोदर सोनी एवं आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने खेद व्यक्त किया है।

विकासखंडों में 19 से लगेंगे रोजगार मेले

जबलपुर। मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला पंचायत जबलपुर द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले के सभी विकासखंडों में रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत ने बताया कि इन मेलों के माध्यम से विभिन्न निजी कंपनियों द्वारा सिक्योरिटी गार्ड, सेल्स ऑफिसर, बीमा एजेंट और मशीन ऑपरेटर के पदों पर चयन किया जाएगा। जारी कार्य म के अनुसार, रोजगार मेलों का शुभारंभ 19 फरवरी को जनपद पंचायत मझौली से होगा। इसके पश्चात 20 फरवरी को जनपद पंचायत कुंडेश्वर धाम, 23 फरवरी को शासकीय कॉलेज बरगी, 24 फरवरी को जनपद पंचायत पनागर, 25 फरवरी को जनपद पंचायत पाटन, 26 फरवरी को जनपद पंचायत सिहोरा और 27 फरवरी को जनपद पंचायत शाहपुरा में मेलों का आयोजन किया जाएगा। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि इन रोजगार मेलों में सम्मिलित होने के लिए आवेदक की आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 5वीं उत्तीर्ण अथवा उससे अधिक पढ़े हुए इच्छुक युवक-युवतियां निर्धारित तिथियों और स्थानों पर अपने समस्त मूल दस्तावेजों एवं छायाप्रति के साथ अपनी उपस्थिति? सुनिश्चित करें।

ब्लैक स्पॉट पर मौत का तांडव

चार साल में 140 जिंदगियां तबाह

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

सड़क हादसे अब सिर्फ दुर्घटनाएं नहीं, बल्कि सिस्टम की नाकामी का आईना बनते जा रहे हैं। हाईवे पर एक छोटी-सी चूक जिंदगी छीन लेती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या हर हादसा सिर्फ ड्राइवर की गलती है? या फिर खामियों से भरे ब्लैक स्पॉट भी उतने ही जिम्मेदार हैं? शहर और ग्रामीण इलाकों को जोड़ने वाले मार्गों पर रफ्तार का कहर जारी है। जो लोग बच जाते हैं, वे जीवनभर के लिए अपंग हो रहे हैं। अस्पतालों में महीनों तक इलाज चलता है, परिवार कर्ज में डूब जाते हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग सिर्फ एफआईआर, मर्ग और पोस्टमार्टम की औपचारिकताएं पूरी कर आगे बढ़ जाते हैं। शहर के हाईवे पर चिन्हित 11 ब्लैक स्पॉट अब हॉट स्पॉट बन चुके हैं। पिछले चार वर्षों में इन स्थानों पर 140 लोगों की मौत हो चुकी है। आंकड़े बताते हैं कि यहां बार-बार हादसे हो रहे हैं, लेकिन सुधार कार्य कागजों से बाहर नहीं निकल पा रहे।इंजीनियरिंग खामियां, अधूरे डिवाइडर, खराब रोशनी, बिना संकेतक के खतरनाक मोड़ और सर्विस लेन की कमी-ये समस्याएं वर्षों से जस की तस हैं। हैरानी की बात यह है कि संबंधित एजेंसियां दावा कर रही हैं कि सब कुछ ऑल इज वेल है। अगर सब कुछ ठीक है, तो फिर मौतें क्यों नहीं रुक रहीं?

मंथन नहीं, सिर्फ आंकड़ों की गिनती

हर बड़े हादसे के बाद कुछ दिन चर्चा होती है, फिर मामला ठंडा पड़ जाता है। ब्लैक स्पॉट की पहचान तो हो चुकी है, लेकिन स्थायी समाधान पर ठोस अमल नहीं दिखता। ट्रैफिक विशेषज्ञों का मानना है कि सिर्फ चालान और हेलमेट जांच से समस्या हल नहीं होगी। रोड इंजीनियरिंग, ऑडिट, बेहतर स्ट्रीट लाइटिंग, स्पीड कंट्रोल मैकेनिज्म, चेतावनी संकेत और रिफ्लेक्टर नियमित मॉनिटरिंग ज्यादा जरूरी है। नेशनल हाईवे हो या स्टेट हाईवे, शहर की अंदरूनी सड़कें हों या खतरनाक मोड़हर जगह रोज हादसे हो रहे हैं। सवाल यही है कि जब ब्लैक स्पॉट चिन्हित हैं, तो सुधार कार्य समयबद्ध तरीके से क्यों नहीं हो रहे? सड़क पर गिरता हर खून का कतरा सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि किसी परिवार की पूरी दुनिया का अंत है। सिस्टम को अब आंकड़े गिनने से आगे बढ़कर जवाबदेही तय करनी होगी, वरना हाईवे यूं ही मौत के कारखाने बने रहेंगे।

शहर से लगे खतरनाक मोड़

बरगी मोहला	–	30 मौत
कुशनेर	–	14 मौत
रमनपुर घाटी	–	12 मौत
कटंगी बायपास	–	12 मौत
लम्हेटाघाट बायपास (सगड़ा)	–	11 मौत

19 को रामेश्वरम-मदुरई के लिये रवाना होगी तीर्थ दर्शन ट्रेन

जबलपुर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत जबलपुर से वरिष्ठ नागरिकों को रामेश्वरम-मदुरई की तीर्थ यात्रा पर लेकर जाने वाली स्पेशल ट्रेन 19 फरवरी को मुख्य रेल स्टेशन से रवाना होगी। कलेक्टर कार्यालय की धर्मस्व शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार तीर्थ यात्रियों को रामेश्वरम-मदुरई लेकर जाने वाली विशेष ट्रेन 19 फरवरी की दोपहर 1 बजे जबलपुर रेलवे स्टेशन आयेगी और दोपहर 1.50 बजे प्रस्थान करेगी। चयनित यात्रियों से 18 फरवरी तक उसी कार्यालय से टिकिट प्राप्त करने के लिये संपर्क करने का आग्रह किया गया है, जहाँ उन्होंने अपने आवेदन जमा किये थे। तीर्थ यात्रियों से यात्रा पर मूल आधार कार्ड साथ में ले जाने का अनुरोध भी किया गया है।

आरडीवीवी में छात्रा और विजिटिंग फैकल्टी के बीच विवाद, जांच शुरू

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के आर्ट ब्लॉक में सोमवार दोपहर उस समय हंगामा मच गया, जब बीए सेकेंड ईयर की एक छात्रा और पॉलिटिकल साइंस विभाग के एक विजिटिंग फैकल्टी के बीच तीखा विवाद हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बहस इतनी बढ़ गई कि छात्रा ने सरेराह फैकल्टी को तमाचे मार दिए। घटना के दौरान छात्रा की आवाज सुनकर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौके पर एकत्र हो गए।

जानकारी के मुताबिक छात्रा ने आरोप लगाया है कि संबंधित फैकल्टी द्वारा उसे पिछले कुछ समय से परेशान किया जा रहा था। छात्रा का कहना है कि उसने इस संबंध में पूर्व में भी विभाग को शिकायत दी थी, लेकिन उस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। सोमवार को इसी मुद्दे को लेकर दोनों के बीच दोबारा बहस हुई, जो देखते ही देखते हाथापाई तक पहुंच गई।

विभाग ने शुरू की जांच

मामले की सूचना मिलते ही विभागीय अधिकारियों को अवगत कराया गया। राजनीति शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. विवेक मिश्रा ने बताया कि पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली जा रही है। उन्होंने कहा कि विवाद के कारणों की जांच की जा रही है और दोनों पक्षों से लिखित बयान लिए जाएंगे। हालांकि बाद में दोनों पक्षों के बीच आपसी बातचीत के बाद सुलह हो गई, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच प्रक्रिया जारी रहेगी।

परिसर में चर्चा का विषय

घटना के बाद विश्वविद्यालय परिसर में दिनभर इस मामले की चर्चा होती रही। छात्रों ने मांग की है कि यदि किसी भी प्रकार की शिकायत पहले की गई थी तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। विश्वविद्यालय प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अनुवाद कला प्रोत्साहित करने 7 दिनी प्रशिक्षण का शुभारंभ

जबलपुर। युवाओं में अनुवाद की कला को प्रोत्साहित करने के लिए पीएम उषा कार्यक्रम के तहत राजनीति विज्ञान विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में 7 दिनी 16 फरवरी से अनुवाद का शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन किया गया। इसमें हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी भाषा के अनुवाद का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, छात्र कल्याण प्रोफेसर विवेक मिश्र द्वारा किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो भागों में विभक्त कर भाषा विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. अजय शुक्ला एवं डॉ. आशा रानी द्वारा विद्यार्थियों को अनुवाद कल से प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर विषय विशेषज्ञों ने अनुवाद की आवश्यकता, विशेषता आदि पर प्रशिक्षण दिया कार्यक्रम में 147 से अधिक संख्या में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थी उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र में डॉ. हरीश यादव, डॉ अभय सिंह डॉ. तरुण राठौर, डॉ. विवेक सिंह, डॉ. रणवीर कलसी, डॉ. राजुल अग्रवाल, डॉ. रंजीता वैष्णव. श्रीमती संदीपा उपाध्याय, खुशबू सिंह, डॉ. ऋचा दुबे, अशोक दुबे, बृजेश गुमास्ता आदि जन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. देवांशु गौतम तथा आभार प्रदर्शन डॉ. प्रीति पेडसे द्वारा किया गया।

ई-केवायसी नहीं कराने वालों के पंजीकरण निरस्त

जबलपुर। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। जिसके तारतम्य में सहायक श्रमायुक्त ने कहा कि जिन पंजीकृत निर्माण श्रमिकों ने ई-केवायसी नहीं कराया है, उन्हें एक माह की समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से ई-केवायसी पूर्ण कराना होगा। सहायक श्रमायुक्त ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समयावधि में ई-केवायसी पूर्ण न कराने की स्थिति में संबंधित निर्माण श्रमिकों का पंजीयन निरस्त किया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। इसके विरुद्ध कोई अपील मान्य नहीं की जाएगी। उन्होंने पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से अपील की है कि वे ई-केवायसी की प्रक्रिया समय-सीमा के भीतर पूर्ण करा लें।

यातायात

शहर में यातायात नियमों को लेकर प्रशासन सख्त, नो-पार्किंग में खड़े वाहन भी होंगे जब्त

बार-बार ट्रैफिक नियम तोड़ने पर ड्राइविंग लाइसेंस होंगे निरस्त

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन ने अब तक का सबसे सख्त रुख अपना लिया है। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में निर्णय लिया गया है कि यातायात नियमों की बार-बार अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। इस नई व्यवस्था के तहत ऐसे वाहन चालक जिनके नाम पर पांच से अधिक बार ई-चालान जारी हो चुके हैं और उन्होंने राशि का भुगतान नहीं किया है, उनके ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्मार्ट सिटी और यातायात पुलिस द्वारा ऐसे उल्लंघनकर्ताओं की सूची तैयार की जा रही है ताकि उनके खिलाफ नियमानुसार कठोर कदम उठाए जा सकें।

प्रशासन ने ई-चालान की वसूली को

और अधिक प्रभावी बनाने के लिए परिवहन विभाग को एक विशेष प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया है जिसके अंतर्गत वाहनों के पंजीयन और बीमा का नवीनीकरण तभी संभव होगा जब वाहन मालिक अपने सभी लंबित ई-चालानों का भुगतान कर देंगे। वर्तमान में जबलपुर स्मार्ट सिटी द्वारा संचालित इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से शहर के प्रमुख चौराहों जैसे तीन पत्ती, शास्त्री ब्रिज, नागरथ चौक, गोहलपुर, लेबर चौक, बंदरिया तिराहा, तैय्यब अली और अधारताल सहित अन्य स्थानों पर रेड लाइट उल्लंघन, बिना हेलमेट और ट्रिपल राइडिंग पर लगातार नजर रखी जा रही है। विशेष रूप से शहर के प्रवेश और निकास मार्गों पर दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया गया है।

शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों में जाम की समस्या से निपटने के लिए मल्टीलेवल कार पार्किंग के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया है। भंवरताल, सिविक सेंटर और मानस भवन स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के 300 मीटर के दायरे को नो पार्किंग जोन घोषित किया गया है। यदि कोई भी कार मालिक इस परिधि में सड़क किनारे अवैध पार्किंग करता पाया जाता है, तो यातायात पुलिस द्वारा वाहन को तत्काल जब्त कर लिया जाएगा। टायर लॉक सिस्टम शुरू किया जायेगा। जब्त किए गए वाहनों को टोइंग शुल्क और चालान राशि जमा करने के बाद ही छोड़ा जाएगा।

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ आगामी 10 दिनों के भीतर इन सभी व्यवस्थाओं को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में नगर निगम कमिश्नर राम प्रकाश अहिरवार, स्मार्ट सिटी सीईओ अनुराग सिंह, एएसपी ट्रैफिक सुश्री अंजना तिवारी, डीएसपी ट्रैफिक संतोष शुक्ला, केन्ट बोर्ड की ओर से अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

झंडा चढ़ाते समय पेड़ से गिरा युवक, मौत से मातम में बदला शिवरात्रि उत्सव

जबलपुर। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर जहां श्रद्धालु भगवान शिव की भक्ति में लीन थे, वहीं रांझी थाना क्षेत्र के बड़ा पत्थर इलाके में एक दर्दनाक हादसे ने उत्सव को मातम में बदल दिया। झंडा चढ़ाने के दौरान पीपल के पेड़ से गिरने पर 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बड़ा पत्थर शराब दुकान के पास स्थित प्राचीन शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। दोपहर करीब 3 बजे बड़ा पत्थर निवासी अर्जुन चौधरी (28) मंदिर परिसर में लगे पीपल के पेड़ पर धार्मिक ध्वज बांधने के लिए चढ़ा था। झंडा बांधते समय अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह ऊंचाई से सीधे जमीन पर गिर पड़ा। गिरने से उसके सिर में गंभीर चोट आई और वह मौके पर ही बेहोश हो गया।

अस्पताल पहुंचने से पहले टूटी सांस- परिजन और स्थानीय लोग तत्काल उसे उपचार के लिए सिविल अस्पताल रांझी लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के मामा कंधीलाल चौधरी (45) ने देर रात रांझी थाने में घटना की सूचना दी। रांझी पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में मामला दुर्घटनावश गिरने का बताया जा रहा है।

बेमिसाल पंचांग 2026 की चौतरफा सराहना

कांग्रेस नगरअध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा को पंचांग की प्रति भेंट करते संचालक मदन मोहन अवस्थी ।

नेता प्रतिपक्ष नगर निगम अमरीश मिश्रा को पंचांग की प्रति भेंट करते संचालक मदन मोहन अवस्थी ।

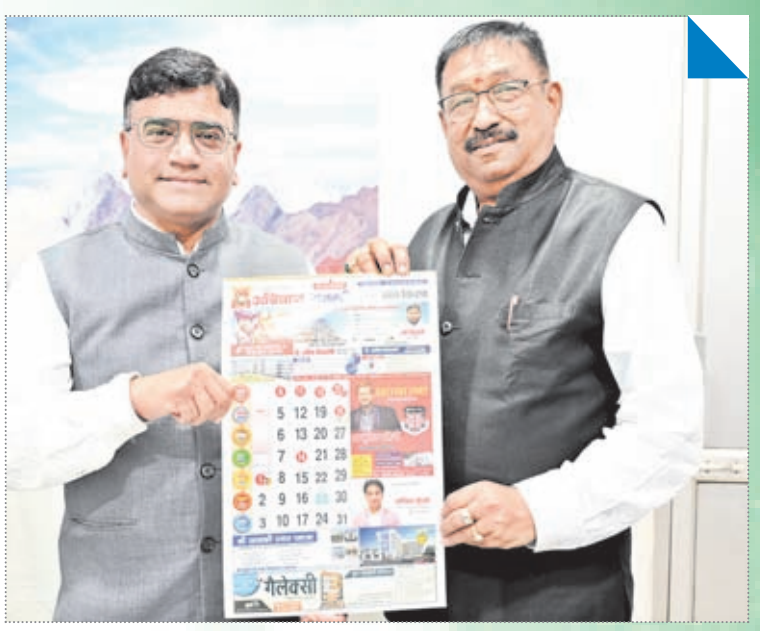

स्वास्तिक हॉस्पिटल के संचालक कृष्णकांत साहू को पंचांग की प्रति भेंट करते संचालक मदन मोहन अवस्थी।

दीपक इलेक्ट्रॉनिक के संचालक दीपक सेठी को पंचांग की प्रति भेंट करते संचालक मदन मोहन अवस्थी।

भाजपा नेता प्रशांत केशरवानी एवं सचिन टेंट हाउस के संचालक को पंचांग की प्रति भेंट करते संचालक मदन मोहन अवस्थी।

वरिष्ठ पत्रकार पंकज शाह को पंचांग की प्रति भेंट करते संचालक मदन मोहन अवस्थी एवं प्रतीक मोहन अवस्थी।

डेल शोरूम के संचालक विकास मग्गू को पंचांग की प्रति भेंट करते संचालक मदन मोहन अवस्थी।

तक्षशिला इंजीनियरिंग कॉलेज के पीआरओ को पंचांग की प्रति भेंट करते संचालक मदन मोहन अवस्थी ।

जानकीरमण हॉस्पिटल के संचालक पंकज सोनी को पंचांग की प्रति भेंट करते संचालक मदन मोहन अवस्थी।

राहुल होटल के संचालक दीपक कोहली एवं राहुल कोहली को पंचांग की प्रति भेंट करते संचालक मदन मोहन अवस्थी एवं प्रतीक मोहन अवस्थी।

शेफ टाइल्स के संचालक हाजी सलीम को पंचांग की प्रति भेंट करते संचालक मदन मोहन अवस्थी।

एमपीआईडीसी के के.के. दीक्षित को पंचांग की प्रति भेंट करते संचालक मदन मोहन अवस्थी एवं प्रतीक मोहन अवस्थी।

क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह समेत अन्य को पंचांग की प्रति भेंट करते संचालक मदन मोहन अवस्थी।

यूरो लर्नर स्कूल की संचालक पूजा जसवानी अग्निबाण पंचांग की प्रति के साथ

जिला उद्योग केन्द्र के ब्रजेश मिश्रा को पंचांग की प्रति भेंट करते संचालक मदन मोहन अवस्थी।

संक्षिप्त समाचार

घर वालों ने पढ़ाने से किया इंकार तो गुस्साई युवती 400 के.व्ही. टावर पर चढ़ी

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) के त्वरित एवं तकनीकी मार्गदर्शन से 400 के.व्ही. इंदौर-नागदा डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन के टावर पर चढ़ी एक महिला का सुरक्षित रेस्क्यू कर संभावित बड़ा हादसा टाल दिया गया। प्रशासन, स्थानीय नागरिकों एवं पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कंपनी की सलाह पर तुरंत अमल किया। युवती अपने घर वालों से नाराज थी, परिजन उसकी आगे की पढ़ाई नहीं कराना चाहते थे.

एम.पी. ट्रांसको ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

घटना की सूचना मिलते ही इंदौर टीम ग्राम बौरसी, हातोद पहुंची। सहायक अभियंता श्री राजेंद्र कनोजे एवं श्री रवीन्द्र पाटिल ने तकनीकी आकलन कर स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी व्यक्ति टावर पर न चढ़े, क्योंकि 400 के.व्ही. लाइन के इंडक्शन जोन में बिना प्रत्यक्ष संपर्क के भी जानलेवा खतरा हो सकता है। एम.पी. ट्रांसको के मार्गदर्शन में परिजनों ने महिला को समझाइश दी। पढ़ाई जारी रखने की सहमति मिलने पर वे स्वयं सुरक्षित नीचे उतर आईं। कंपनी की सतर्कता और समय पर परामर्श से एक गंभीर दुर्घटना टल गई।

सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया सृजनोत्सव

जबलपुर। सरस्वती शिशु मंदिर जगदीश मंदिर गढ़ाफाटक का वार्षिक उत्सव समारोह सृजनोत्सव गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्य म में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि डॉ राजेंद्र कुडरिया कुलगुरू अवधेश प्रताप सिंह विश्व विद्यालय रीवा ने कहा कि विद्यालय संस्कार, अनुशासन और राष्ट्रभावना के निर्माण की सुदृढ़ आधारशिला होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में उच्च आदर्श स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। छात्र छात्राओं को जीवन जीने के मंत्र दिए विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक डॉ. अभिलाष पांडे एवं विद्यालय के पूर्व छात्र ने छात्र जीवन की यादें ताजा की छात्र छात्राओं को विधालय के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराया। डॉ. सुधीर अग्रवाल ने विद्या भारती की संकल्पना को बताया उन्होंने विद्याभारती से पढ़कर निकले हुए छात्रों की पदस्थपना कहा कहा है इसकी जानकारी दी। कार्य म की अध्यक्षता एडवोकेट जिनेंद्र कुमार जैन ने की उन्होंने सभी अतिथियों द्वारा दिए गए उद्बोधन का सार बताया। इस अवसर पर समिति उपाध्यक्ष एड सचिन अग्रवाल, सचिव डॉ निलेश पांडे, डॉ अनुपम चौधरी एवं डॉ बृजेश दत्त अर्जरिया, दीपांकर बैनर्जी, अभिषेक अग्रवाल, रवींद्र जैन, अभिषेक जसाटी, नितिन यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्य म का शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत, देशभक्ति गीत, नृत्य-नाटिका एवं प्रेरक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति का सजीव चित्र प्रस्तुत किया। मेधावी छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्राचार्य शुभांगी नायक ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विद्यालय की वर्षभर की उपलब्धियों की जानकारी दी तथा सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्य म का समापन हुआ।

किसी का नहीं चल रहा जोर...डीजे मचा रहा बेजा शोर...

तेज आवाज करते ध्वनि विस्तारक यंत्र बच्चों की पढ़ाई प्रभावित कर रहे हैं

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

इन दिनों परीक्षाओं का दौर चल रहा है। बच्चे दिन रात पढ़ाई में जुटे हुए हैं। अच्छे अंक लाने मेहनत कर रहे हैं। परंतु इनकी तमाम मेहनत पर पानी फेरने का काम कर रहे हैं तेज आवाज निकालते डीजे। सड़कों से लेकर गली मोहल्ले व कॉलोनियों में बिना परमिशन जब तब बजने वाले डीजे पढ़ाई में खलल उत्पन्न करने के साथ ही लोगों को मानसिक रूप से बीमार बनाने का काम कर रहे हैं।

परीक्षाएं सिर पर और जिम्मेदार खामोश

बोर्ड परीक्षा सिर पर हैं और गली मोहल्ले से लेकर सड़कों तक तेज आवाज में लाउडस्पीकर बजाये जा रहे हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इसको लेकर बच्चों व उनके अभिभावकों द्वारा जिला प्रशासन से लगातार शिकायत की जा रही है। इसके बाद भी कानफोड़ू लाउडस्पीकरों का बजना बंद नहीं हो रहा है। अभिभावकों को चिंता सता रही है कि अगर इसी तरह से अल सुबह से देर रात तक डीजे बजाये जाते रहे तो उनके बच्चों की पढ़ाई कैसे हो पायेगी। इनका कहना है कि जिला प्रशासन को चाहिए कि जब तक बच्चों की परीक्षएं नहीं हो जाती हैं। तब तक के लिए डीजे और तेज आवाज उत्पन्न करने वाले सारे ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा देना चाहिए।

हार्ट पेशेंट के लिए जानलेवा साबित हो रहे डीजे

तेज आवाज बजते डीजे व लाउडस्पीकर बच्चों की पढ़ाई में खल्ल तो उत्पन्न कर ही रहे हैं साथ ही कमजोर दिल वालों की जान लेने का काम भी कर रहे हैं। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. पुष्पराज पटेल का कहना है कि तेज आबाज वाले ध्वनि विस्ताकर यंत्र चाहे वह डीजे, लाउडस्पीकर, साऊंड बॉक्स हों या वाहनों में लगे हार्न हों अगर इन्हें निर्धारित मॉप से अधिक तीव्रता से बजाया जाता है तो इनका प्रभाव सीधे आम लोगों पर पड़ता है। इतना ही नहीं बीमार व कमजोर दिल वालों के लिए तो इसकी आवाज जानलेवा तक सावित हो सकती है।

धार्मिक आयोजनों की आड़ में कान फोड़ रहे लाउडस्पीकर

धार्मिक आयोजनों की आड़ में जिन लोगों के द्वारा तेज आवाज में डीजे और साउंड बॉक्स बजाकर लोगों का अमन चैन छीनने का काम किया जा रहा है। उनसे लोगों का कहना है कि अगर तेज आवाज में लाउडस्पीकर य डीजे

बजाने से भगवान, ईश्वर प्रसन्न होते हैं तो उनका दिन रात बजाना चाहिए और अगर नहीं तो लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ न करें। धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ ईश्वर की भक्ति हमारा कर्तव्य है इसे हमें प्रतिदिन करना चाहिए। यह सनातन का अहम हिस्सा है। परंतु सनातन का यह कर्तव्य भी है कि लोगों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना और लोगों का मौलिक अधिकार है कि वे अपना जीवन बिना शोरगुल के शांति से व्यतीत करे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं

ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम-2000 के तहत कानूनी अपराध है। सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बावजूद पुलिस और जिला प्रशासन इन पर अंकुश नहीं लगा पा रहा है। जबकि आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि तेज आवाज वाले डीजे पर न केवल जुर्माना लगा सकते हैं, बल्कि उपकरण जब्त कर एफआईआर दर्ज कर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी कर सकते हैं। परंतु इनके द्वारा ऐसा नहीं किया जा रहा है। जिसके चलते डीजे बजाने वालों का मनोवल दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।

गाड़ियों में भारी भरकम साऊंड लादकर कर रहे शोर-शराबा

शादी पार्टी हो या हो धार्मिक, राजनीतिक आयोजन लोग डीजे और साउंड बॉक्स को वाहनों लादकर मुख्य मार्गों से लेकर गली मोहल्लों व कॉलोनियों में अल सुबह से लेकर देर रात तक तेज आवाज में बजाते फिरते हैं। जबकि उनको भलि-भांती पता होता है कि उनके द्वारा ऐसा करना लोगों के मौलिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। यह अपराध की श्रेणी में आता है। इसके बाद भी वे नियम कायदों को ताक में रखकर इनको तेज आवाज में बजाकर ध्वनि प्रदूषण उत्पन्न कर रहे हैं।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी नहीं दे रहा ध्यान

ध्वनि विस्तारक यंत्र को बजाने की डेसिबल और समय सीमा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने तय कर रखी है। इसके अनुसार ही जिला प्रशासन से अनुमति लेकर इनको बजाया जा सकता है। 2024-2025 के नियमानुसार रात 10 बजे से सुबह 6 बजे के बीच डीजे, लाउडस्पीकर या किसी भी हाई स्पीड साउंड सिस्टम को बजाना पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। वही रिहायशी इलाकों में दिन में 55 डेसिबल और रात में 45 डेसिबल से अधिक ध्वनि में इनको बजाना अपराध की श्रेणी में रखा गया है।इसके बाद भी दिन रात कान फोड़ू डीजे और स्पीकर बजाये जा रहे हैं। जिम्मेदार ध्यान ही नहीं दे रहे हैं।

सतना में युवती के साथ रेप कर भागा आरोपी जबलपुर से गिरफ्तार

जबलपुर। एमपी के सतना में शादी का झांसा देकर युवती के साथ रेप कर भागे आरोपी सोनू कश्यप को पुलिसने जबलपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी सोनू तीन माह से जबलपुर में रहकर फरारी काट रहा था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जबलपुर में रहने वाले सोनू पिता स्वर्गीय उमाशंकर कश्यप की पहचान वर्ष 2004 में सोशल मीडिया के जरिए सतना निवासी युवती से हुई। इसके बाद दोनों एक दूसरे से बातचीत करते रहे। यहां तक कि सोनू सतना जनवरी 2025 में आरोपी सतना आकर एक निजी नौकरी करने लगा। उसने युवती से किराए के डुकमरे का इंतजाम होने तक उसके घर में रहने की जगह मांगी। जिस पर युवती सहमत हो गई और उसे पहली मंजिल का कमरा दे दिया। 18 जनवरी की रात जब युवती खाना देने कमरे में गई तो आरोपी ने शादी का वादा कर उससे दुष्कर्म किया। यह सिलसिला लगभग छह महीने तक चला। जून के अंत में जब पीड़िता ने शादी के लिए दबाव बनाया तो सोनू किसी न किसी बहाने से युवती को टालता रहा। युवती जब ने परिजनों से बात करने की बात कही तो धमकी देते हुए 1 जुलाई को बिना बताए सतना से गायब हो गया। समाज के डर के कारण पहले तो युवती चुप रही लेकिन नवम्बर 2025 में उसने परिजनों को सोनू कश्यप द्वारा किए गए कृत्य के बारे में जानकारी दी। इसके बाद थाना जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने सोनू के खिलाफ रेप व एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर तलाश शुरु कर दी। यहां तक कि पुलिस अधीक्षक आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 5 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया। पुलिस संभावित ठिकानों पर सोनू कश्यप की तलाश में जुटी रही। इस बीच खबर मिली कि सोनू अपने जबलपुर स्थित घर में फरारी काट रहा है। जिसपर सतना पुलिस की टीम ने बीती रात जबलपुर स्थित घर पर दबिश देकर सोनू को गिरफ्तार कर लिया।

सिमरिया हत्याकांड: पहचान की कड़ी पर टिकी जांच

जबलपुर। पाटन थाना क्षेत्र की नुनसर चौकी अंतर्गत सिमरिया में स्कूल के पीछे मिली अज्ञात युवती की हत्या का मामला अब टेक्निकल जांच के दौर में पहुंच गया है। घटना के बाद से मृतिका की पहचान अब भी नहीं हो सकी है, लेकिन पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाते हुए कई अहम कदम उठाए हैं। रविवार को एम.एम. इंटरनेशनल स्कूल के पीछे मिले शव ने इलाके में सनसनी फैला दी थी। युवती के सिर और गर्दन पर गंभीर चोट के निशान पाए गए थे। आशंका जताई गई थी कि पत्थर से हमला कर हत्या की गई। दुष्कर्म की संभावना के मद्देनजर मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया है, जिसकी विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

ईशू-तनू नाम से नहीं खुला राज- मृतिका के हाथ में मेहंदी से लिखा ईशू-तनू नाम पुलिस के लिए अहम सुराग माना जा रहा है। हालांकि इस नाम से किसी भी थाने में गुमशुदगी दर्ज नहीं है। पुलिस ने जिले सहित आसपास के जिलों में भी फोटो और हुलिया साझा किया है। अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया और वायरलेस नेटवर्क के माध्यम से भी पहचान की कोशिश की जा रही है। जांच टीम ने घटनास्थल के आसपास के मोबाइल टावरों की कॉल डिटेल खंगालनी शुरू कर दी है। वारदात के समय सक्रिय मोबाइल नंबरों की सूची तैयार की जा रही है। इसके अलावा घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। डीएनए प्रोफाइलिंग के जरिए भी पहचान की संभावना तलाश की जा रही है।

करीबी पर बढ़ा शक- पुलिस सूत्रों का मानना है कि जिस तरह से सुनसान स्थान पर वारदात को अंजाम दिया गया, उससे यह संकेत मिलता है कि आरोपी मृतिका का परिचित हो सकता है। गांव और आसपास के क्षेत्रों में संदिग्धों से पूछताछ जारी है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने की भी जानकारी मिली है।

खाकी पर बढ़ते हमले, कानून के इकबाल पर सवाल

जबलपुर में चार दिन में तीन हमले, सिस्टम पर उठे गंभीर प्रश्न

जबलपुर। शहर में अपराधियों के बढ़ते हौसलों ने अब कानून के रखवालों को ही निशाने पर लेना शुरू कर दिया है। हालात यह हैं कि वर्दीधारी सरेराह पिट रहे हैं और बदमाश बेखौफ होकर पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में सामने आए घटनाक्रम ने न केवल पुलिस महकमे बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

घटनाओं की कड़ी ने बढ़ाई चिंता

बीते चार दिनों में पुलिसकर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों पर हमले के कई मामले सामने आए हैं-

केस 1-शाहपुरा में आरक्षक से मारपीट- 11 फरवरी को शाहपुरा क्षेत्र में बेलखेड़ा थाने में पदस्थ आरक्षक बसंत ठाकुर को अभिराज और पुष्पराज परिहार ने रोककर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

केस 2-सिविक सेंटर में जवान की पिटाई- 12 फरवरी को सिविक सेंटर में एक पुलिस जवान की कॉलर पकड़कर सरेराह पिटाई की गई। भीड़ ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

केस 3-बरगी में वनरक्षक से दुर्व्यवहार- 14 फरवरी को बरगी में वनरक्षक राहुल गुलाटी के साथ राजू मसराम ने शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए कॉलर पकड़कर धमकाया।

केस 4- रेत कारोबारी की अफसरों को धमकी- 9 जनवरी को बरगी में एम सेंड और गिट्टी से भरे हाईवा पकड़े जाने पर कारोबारी रोहित जैन ने तहसीलदार और एक आईपीएस अधिकारी को धमकाया तथा अपने गुर्गों को अमले पर वाहन चढ़ाने के लिए उकसाया।

क्या खत्म हो रहा है खाकी का खौफ? एक समय था जब पुलिस की गाड़ी गली से गुजरती थी तो बदमाश रास्ता बदल लेते थे। आज स्थिति उलट है-अपराधी पुलिस का रास्ता रोक रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अपराधियों के हाईटेक और संगठित होने के बावजूद पुलिस अब भी पारंपरिक ढर्रे पर काम कर रही है।इसके अलावा, पुलिस-अपराधी गठजोड़ की चर्चाएं भी व्यवस्था की साख को कमजोर करती रही हैं। ऐसे में कानून का इकबाल बनाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है।

अपराध ग्राफ में उछाल- शहर में हत्या, लूट, चाकूबाजी, चोरी जैसी वारदातें लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे माहौल में जब रक्षक ही असुरक्षित दिखें, तो आम जनता की चिंता स्वाभाविक है। नागरिकों का सवाल है-अगर वर्दी सुरक्षित नहीं, तो वे खुद को कैसे सुरक्षित मानें?

हाईकोर्ट ने छिंदवाड़ा कप सिरप कांड के 4 आरोपियों की जमानत याचिका की खारिज

30 बच्चों की हुई है मौत

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

एमपी के छिंदवाड़ा में जहरीली कप सिरप कोल्डड्रिफ पीने से 30 बच्चों की मौत के मामले में हाईकोर्ट ने मुख्य आरोपी डॉक्टर प्रवीण सोनी सहित चार आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट के निर्णय के बाद सभी आरोपियों को अब जेल में ही रहना होगा।

आज सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने बच्चों की मौत को बेहद गंभीर मानते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी डॉक्टर ने

सरकारी निर्देशों का पालन नहीं किया और 4 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रतिबंधित फिक्स डोज कम्पाउंड दवा दी। जिसके चलते बच्चों की मौत हुई। सुनवाई में यह भी सामने आया कि डॉक्टर प्रवीण सोनी ने नागपुर के एक वरिष्ठ डॉक्टर की सलाह को भी नजरअंदाज कर बच्चों को कफ सिरप दिया था, जो मौत का कारण बना। छिंदवाड़ा पुलिस ने आरोपी डॉक्टर को 5 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। जहां से निचली अदालत ने उन्हें जेल भेज दिया था। इसके बाद जमानत के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थीए जिसे अब खारिज कर दिया गया है।

कार्रवाई

लोकायुक्त और आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ की संयुक्त कार्रवाई से मचा हड़कंप

जबलपुर, कटनी और छिंदवाड़ा में रिश्वतखोरों पर बड़ी कार्रवाई

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

मध्यप्रदेश में रिश्वतखोरी के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। जबलपुर, कटनी और छिंदवाड़ा में अलग-अलग मामलों में अधिकारियों को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया है। इन कार्रवाइयों से शासकीय विभागों में हड़कंप की स्थिति बन गई है।

छिंदवाड़ा के परासिया में नगर परिषद का बाबू गिरफ्तार

Economic Offences Wing की जबलपुर टीम ने छिंदवाड़ा जिले के परासिया में नगर परिषद के लिपिक एस शर्मा को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया।मिली जानकारी के अनुसार, नगर परिषद में कार्यरत सफाई कर्मी लालजी ने अपना फंड जारी कराने के लिए आवेदन दिया था। आरोप है कि लिपिक एस शर्मा ने फंड जारी करने के एवज में 25 हजार रुपये की मांग की थी।

20 हजार रुपये पहले ही ले चुका था

शेष 5 हजार रुपये लेने के दौरान पकड़ा गयाशिकायत मिलने के बाद ईओडब्ल्यू ने जाल बिछाया। जैसे ही सफाई कर्मी ने पांच हजार रुपये दिए, टीम ने दबिश देकर आरोपी को रंगे हाथ पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि पकड़ते ही आरोपी ने रुपये फेंक दिए और अधिकारियों से विवाद करने लगा, जिसे बाद में समझाइश देकर शांत कराया गया।सूत्रों के अनुसार, आरोपी मूल रूप से शिक्षक है,

लेकिन नगर परिषद में लिपिकीय कार्य देख रहा था।

कटनी में टैक्स कलेक्टर गिरफ्तार

Lokayukta Police की जबलपुर टीम ने कटनी नगर निगम में एक टैक्स कलेक्टर को 3 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया।जबलपुर में सिंचाई विभाग के कार्यपालन यंत्री पर कार्रवाईजबलपुर में सिंचाई विभाग के कार्यपालन यंत्री को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त टीम ने रंगे हाथ दबोचा।

नगर परिषद कार्यालय में मचा हड़कंप

परासिया नगर परिषद के बाबू के पकड़े जाने की खबर से पूरे कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अधिकारियों द्वारा आरोपी से पूछताछ की जा रही है और आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।प्रदेश में लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से साफ है कि रिश्वतखोरी के खिलाफ एजेंसियां सख्त रुख अपनाए हुए हैं।

स्वच्छता और जन-सुविधाओं को परखने सुबह-सुबह मैदान में उतरे निगमायुक्त, 7 संभागों का किया सघन निरीक्षण

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

संस्कारधानी जबलपुर शहर की स्वच्छता व्यवस्था को चाक-चौबंद करने और आगामी त्यौहारों के मद्देनजर जन-सुविधाओं का जायजा लेने के लिए नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार एक्शन मोड में नजर आए। मंगलवार 17 फरवरी की सुबह 6ः30 बजे से ही निगमायुक्त ने शहर के विभिन्न सात संभागों 3, 4, 8, 12, 13, 14 और 16 का दौरा किया। दो घंटे के इस सघन निरीक्षण के दौरान उन्होंने गलियों, बस्तियों और कॉलोनियों की सफाई व्यवस्था के साथ जल वितरण, प्रकाश, पेंटिंग और अन्य विकास कार्यों की जानकारी ली।

निगमायुक्त ने संभागों के अंतर्गत आने वाले वार्डों का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था, सुचारू जल वितरण, स्ट्रीट लाइट और सौंदर्यीकरण हेतु चल रहे पेंटिंग कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया।

उन्होंने नाला-नालियों की सफाई और निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति देखते हुए अधिकारियों को समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सार्वजनिक और सामुदायिक प्रसाधन केंद्रों का भी अवलोकन किया और वहां स्वच्छता के उच्चतम मानक बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए।

त्यौहारों को लेकर विशेष सतर्कता

आगामी रमजान माह की तैयारियों को लेकर निगमायुक्त विशेष रूप से संवेदनशील दिखे। क्षेत्रीय वार्ड पार्षदों क्रमशः शमरीन कुरैशी, अख्तर अंसारी के साथ उन्होंने वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों जैसे रद्दी चौकी,नूरी नगर,तालिब शाह चौक, सुब्बा शाह, रज़ा चौक, अमन चौक आदि का निरीक्षण किया और सभी संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल का अभिभाषण में सरकार की उपलब्धियों से साथ दिखा आगामी लक्ष्यों का खाका

मप्र को 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य

● भोपाल, प्रात:किरण संवाददाता।

मप्र विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने अपने अभिभाषण सरकार की उपलब्धियों और आगामी लक्ष्यों का खाका पेश किया। राज्यपाल ने कहा कि देश अमृत काल की दहलीज पर खड़ा है, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प व्यक्त किया है। उन्होंने उद्योगों के अनुकूल वातावरण, भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, वर्ष 2047 तक मध्य प्रदेश को 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य और 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा का उल्लेख किया। अभिभाषण में पीएम जनमन योजना के तहत 1.35 लाख आवास निर्माण, उज्जैन में शिप्रा नदी को प्रदूषण मुक्त करने के प्रयास और नई शिक्षा नीति के तहत किए गए सुधारों का भी जिक्र किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने समृद्ध, समावेशी और आत्मनिर्भर प्रदेश बनाने का दृष्टिपत्र तैयार किया है। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक विकास, कृषि उन्नति और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ-साथ निवेश आकर्षित करने के लिए नई नीतियां लागू की गई हैं।

दूध उत्पादन में नई ऊंचाई का लक्ष्य

अभिभाषण में पशुपालन और डेयरी क्षेत्र का भी विशेष उल्लेख किया गया। राज्यपाल ने कहा कि सरकार ने मध्य प्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में कई योजनाएं शुरू की हैं। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक, पशु स्वास्थ्य सेवाओं और डेयरी उद्योग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 23 लाख से अधिक एमएसएमई इकाईयां स्थापित हैं, जिनमें 1 करोड़ 25 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। साथ ही, प्रदेश में 6 हजार 670 से अधिक डीपीआईआईटी मान्यता प्राप्त स्टार्टअप कार्यरत है। राज्यपाल ने कहा कि अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आवास, सड़क, पेयजल और शिक्षा सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है।

बुनियादी ढांचे और बड़े प्रोजेक्ट्स पर जोर

अभिभाषण में प्रदेश में चल रही बड़ी परियोजनाओं का भी उल्लेख किया गया। लाड़ली बहना, संपदा 2.0, यूनिपे-डीबीटी, ई-एचआरएमएस, एमपीएसएसओ और साथबर तहसील जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्मों से सेवा वितरण में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। जीआईएस, ड्रोन और सैटेलाइट तकनीक के माध्यम से नगरीय नियोजन, भूमि प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और जल संरक्षण में डेटा आधारित निर्णय प्रणाली को सशक्त बनाया गया है। सड़क, सिंचाई, शहरी विकास और औद्योगिक कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं के जरिए प्रदेश को तेज विकास पथ पर ले जाने की बात कही गई। साथ ही सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर भी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

किसानों के हित में सरकार प्रतिबद्ध

राज्यपाल ने कहा कि सरकार वर्ष 2026 को समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश की थीम पर मना रही है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि क्षेत्र में सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। फसल विविधीकरण, सिंचाई विस्तार और समर्थन मूल्य व्यवस्था को मजबूत करने पर सरकार का विशेष ध्यान है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए नेशनल मिशन ऑफ नेचरल फॉर्मिंग को प्रभावी तरीके से लागू किया है। राज्यपाल ने कहा कि मेरी सरकार ने विरासत के साथ विकास के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए मध्य प्रदेश को देश के अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित किया है। हमारा अन्नदाता समृद्ध होगा।

मप्र में पुलों का डिजिटल डेटाबेस तैयार किया जाएगा

पुलों की सुरक्षा और उनकी स्थिति की होगी सटीक निगरानी

भोपाल। मप्र में पुलों की सुरक्षा और उनकी स्थिति की सटीक निगरानी के लिए डिजिटल सर्वे कराया जा रहा है। सरकार प्रदेश के सभी प्रमुख, पुराने और विशेषकर शार्प टर्न (तीखे मोड़) वाले पुलों का तकनीकी सर्वे डिजिटल माध्यमों से करवाएगी। जानकारी के अनुसार, प्रदेश में पुलों की सुरक्षा, मरम्मत और मजबूती की दिशा में यह कदम उठाया जा रहा है। मप्र सड़क विकास निगम लिमिटेड ने मोबाइल ब्रिज इंस्पेक्शन यूनिट के जरिए राज्य भर के पुलों का डिजिटल सर्वे कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए निगम ने परामर्श सेवाओं की निविदाएं जारी की हैं, जिनके माध्यम से पुलों की इन्वेंटरी, स्थिति सर्वेक्षण और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी। जानकारी के अनुसार, प्रदेश के सालों पुराने पुलों से भविष्य में किसी प्रकार की आपदा न हो इसके लिए अब प्रदेश के छह मीटर से साठ मीटर के मध्यम पुल और साठ मीटर से अधिक लंबाई वाले वृहद पुलों का गूगल शीट पर डिजिटल डेटाबेस तैयार किया जाएगा। वहीं बीस साल पुराने सभी पुलों का प्रोफेशनल सेफ्टी ऑडिट किया जाएगा। केबल रोपवे, सस्पेंशन पुल, स्टे ब्रिज सहित अन्य पुलों की भी विशेष देखरेख मानीटरिंग का इंतजाम किया जाएगा। निगम द्वारा जारी निविदा के अनुसार के माध्यम से राज्यभर में सभी श्रेणी की सड़कों पर बने बड़े-छोटे पुल, फ्लाय ओवर, पुलिया और स्लैब नालियों का इन्वेंटरी डेटा तैयार किया जाएगा। साथ ही उनकी मौजूदा स्थिति का सर्वे कर उन्हें मजबूत बनाने, रेट्रोफिटिंग या पुनर्निर्माण का आंकलन किया जाएगा।

मप्र के किसानों की बल्ले-बल्ले...जारी हुआ

सिर्फ 5 रुपए में मिलेगा बिजली कनेक्शन

भोपाल। मप्र के किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी है। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने किसानों को स्थाई बिजली कनेक्शन देने के लिए बड़ा ऐलान किया है। अब किसानों को महज 5 रुपए में स्थाई विद्युत कनेक्शन दिया जाएगा। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने इसके लिए बाकायदा आदेश जारी कर दिया है। आदेश के बाद किसानों को अब ढाई हजार की जगह महज 5 रुपए देकर स्थाई कनेक्शन मिल जाएगा।

मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी किसानों को 5 हॉर्स पॉवर तक के ऑनलाइन स्थाई कृषि विद्युत कनेक्शन ढाई हजार रुपए की जगह पर मात्र पांच रुपए में देगी। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने किसानों को पांच हॉर्स पॉवर तक स्थाई कृषि संयोजन के लिए आवेदन शुल्क को मात्र 5 रुपए निर्धारित किया है। यह सुविधा उन मामलों में दी जाएगी, जहां विद्युत लाइन विस्तार की आवश्यकता नहीं होगी। अधीक्षण अभियंता ग्रामीण ने बताया कि मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने इस संबंध में सर्कुलर जारी कर दिया है।

बिल में शामिल होगी राशि

नए फैसले के तहत किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह तय किया गया है कि उपभोक्ता द्वारा स्थापित सर्विस लाइन की सुरक्षा नियमों की जांच के उपरांत मात्र 5 रुपए शुल्क में आवेदन स्वीकार किया जाएगा, जबकि शेष सुरक्षा निधि की राशि प्रथम विद्युत बिल में समायोजित की जाएगी। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए विद्युत सुविधा सरल, सुलभ एवं किफायती बनाना है। उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया है कि ऑनलाइन स्थाई कृषि पंप संयोजन जारी करने की कार्रवाई नियमानुसार शीघ्र पूर्ण की जाए, जिससे किसानों को समय पर लाभ मिल सके।

विधानसभा बजट सत्र के बाद ही सजेगी सियासी चौसर!

● भोपाल, प्रात:किरण संवाददाता।

मध्य प्रदेश की सियासत में बहुप्रतीक्षित राजनीतिक नियुक्तियों पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। चर्चा थी कि फरवरी में ही निगम-मंडलों और प्रदेश कार्यकारिणी से जुड़ी सूची जारी हो सकती है, लेकिन अब संकेत साफ हैं। विधानसभा के बजट सत्र के बाद ही ताजपोशी का दौर शुरू होगा। फिलहाल कुछ दिनों के लिए नेताओं को ताजपोशी के लिए इंतजार करना होगा।

सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने राष्ट्रीय स्तर पर मुलाकातें की हैं और संगठन के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा भी कर चुके हैं। मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय संगठन मंत्री के साथ भी मंथन हो चुका हैं। इससे पहले एक छोटी समन्वय बैठक भी हुई थी, जिसमें संभावित नामों पर प्रारंभिक चर्चा बताई जा रही है। हालांकि अब पार्टी ने प्राथमिकता विधानसभा सत्र और बजट को दे दी है। पार्टी का मानना है कि बजट सत्र काफी लंबा चलने वाला है। इसलिए पार्टी और संगठन स्तर पर नियुक्ति का समय ठीक नहीं है। फिलहाल कुछ दिनों का इंतजार और किया जा सकता है।

हैवीवेट नेताओं को साधना सबसे बड़ी कसौटी

भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन हैवीवेट नेताओं को एडजस्ट करने की है, जो 2023 के विधानसभा चुनाव में पराजित हो गए थे। इनमें कई पूर्व मंत्री भी शामिल हैं, जिनका कद और अनुभव बड़ा है। ऐसे नेताओं को सक्रिय बनाए रखना और संगठन या सरकार में नई भूमिका देना पार्टी के लिए आसान नहीं होगा। दिक्कत यह भी है कि कई पूर्व मंत्रियों का राजनीतिक स्तर निगम-मंडल की जिम्मेदारी से ऊपर माना जाता है। ऐसे में उन्हें किस पद पर और किस भूमिका में समायोजित किया जाए। इस पर मंथन जारी है। रेस में कई नाम चल रहे हैं, लेकिन अंतिम सूची तैयार करना चुनौतीपूर्ण होगा।

मप्र कांग्रेस ने सभी जिलाअध्यक्षों से खाली जमीनों का मांगा ब्यौरा

पार्टी की हर संपत्ति का दस्तावेजी ब्योरा उपलब्ध कराया

● भोपाल, प्रात:किरण संवाददाता।

मध्य प्रदेश की राजनीति में नए सिरे से सक्रियता दिखाने की कोशिश कर रही मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अब अपनी आर्थिक सेहत सुधारने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने सभी जिला अध्यक्षों को पत्र लिखकर कांग्रेस के नाम दर्ज जमीन, भवन और अन्य अचल संपत्तियों की विस्तृत जानकारी मुख्यालय को भेजने के निर्देश दिए हैं।

माना जा रहा है कि संगठन अपनी निष्क्रिय या कम उपयोग में आ रही संपत्तियों को किराए पर देकर स्थायी फंड जुटाने की रणनीति पर काम कर रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, लंबे समय से कई जिलों में कांग्रेस की जमीन और भवनों का रिकॉर्ड व्यवस्थित रूप से अपडेट नहीं हुआ था। कई जगह पुराने कार्यालय जर्जर हालत में हैं, तो कुछ संपत्तियां वर्षों से बंद पड़ी हैं। ऐसे में मुख्यालय ने सभी इकाइयों को स्पष्ट संदेश दिया है कि पार्टी की हर संपत्ति का दस्तावेजी ब्योरा उपलब्ध कराया जाए, चाहें वह उपयोग में हो, खाली हो या विवादित स्थिति में हो।

एक हजार करोड़ से ज्यादा संपत्ति का अनुमान

आंतरिक आकलन के मुताबिक, मध्य प्रदेश में कांग्रेस के नाम पर दर्ज संपत्तियों का कुल मूल्य करीब एक हजार करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। हालांकि यह अनुमानित आंकड़ा है और वास्तविक स्थिति जिला इकाइयों से मिलने वाली रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगी। संगठन का मानना है कि यदि इन संपत्तियों का पेशेवर प्रबंधन किया जाए तो पार्टी को नियमित आय का बड़ा स्रोत मिल सकता है, जिससे चुनावी और संगठनात्मक गतिविधियों को गति दी जा सके।

कब्जों और विवादों की शिकायत: कई जिला अध्यक्षों ने यह भी संकेत दिया है कि कुछ स्थानों पर कांग्रेस की पुरानी जमीनों और भवनों पर अवैध कब्जे हैं। आरोप हैं कि स्थानीय स्तर पर प्रभावशाली लोगों या राजनीतिक विरोधियों ने संपत्तियों पर नियंत्रण जमा रखा है। मुख्यालय ने ऐसे मामलों में पूरी जानकारी मांगी है, ताकि कानूनी कार्रवाई कर संपत्तियों को मुक्त कराया जा सके। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि संपत्ति का संरक्षण संगठन की सामूहिक जिम्मेदारी है।

भोपाल मॉडल से प्रेरणा- हर महीने 25 से 30 लाख की आय राजधानी भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर कांग्रेस के नाम दर्ज भवन को एक सफल उदाहरण माना जा रहा है। यहां स्थित दुकानों को किराए पर देकर हर महीने करीब 20 से 25 लाख रुपये की आय पार्टी को होती है। इसी राशि से प्रदेश कार्यालय का संचालन, नेताओं के दौरे और विभिन्न कार्यक्रमों का खर्च वहन किया जाता है। सूत्रों का कहना है कि इसी मॉडल को अन्य जिलों में भी लागू करने पर विचार हो रहा है।

आत्मनिर्भरता की ओर कदम राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बदलते राजनीतिक परिदृश्य में दलों के लिए वित्तीय आत्मनिर्भरता बेहद महत्वपूर्ण है।

छत्तीसगढ़

सौम्या चौरसिया ने लगाई एक साथ दो जमानत याचिकाएं

हाई कोर्ट ने ईडी और राज्य शासन से 20 फरवरी तक मांगा जवाब

बिलासपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उप सचिव रहीं सौम्या चौरसिया ने कोयला घोटाले के बाद शराब घोटाला केस में हाई कोर्ट में दो जमानत याचिकाएं लगाई है. मामले में ईडी और राज्य शासन ने जवाब के लिए 10 दिन का समय मांगा, जिसे जस्टिस अरविंद वर्मा की बेंच ने नामंजूर करते हुए 20 फरवरी से पहले जवाब मांगा है.बता दें कि पूर्व सीएम भूपेश बघेल की डिप्टी सेक्रेटरी रहीं सौम्या चौरसिया को पहले कोयला घोटाले में गिरफ्तार किया गया था. लंबे समय तक जेल में रहने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दिया था. अब ईडी और आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने आबकारी घोटाले में गिरफ्तार किया है.

सौम्या चौरसिया ने अपनी गिरफ्तारी के बाद हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी, जिसे हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया था. इसके बाद उन्हें सुप्रीम कोर्ट का रूख किया था. सुप्रीम कोर्ट ने 9 फरवरी को सौम्या चौरसिया को हाई कोर्ट जाने का निर्देश दिया. जिसके बाद सौम्या चौरसिया ने हाईकोर्ट में दो याचिकाएं दायर की है.

सौम्या की वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की जांच एजेंसियां नई-नई एफआईआर दर्ज कर बार-बार गिरफ्तारी कर रही हैं. अब तक उन्हें 6 बार हिरासत में लिया जा चुका है. यह सब राजनीतिक षडयंत्र के तहत किया जा रहा है.मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह पहले हाई कोर्ट में जमानत याचिका दायर करें. साथ ही हाईकोर्ट को उनकी याचिका पर प्राथमिकता से सुनवाई करने कहा है.

सुनवाई के दौरान ईडी और राज्य शासन की तरफ से इस मामले में जवाब प्रस्तुत करने के लिए 10 दिन का समय मांगा गया. जिसे हाई कोर्ट ने नामंजूर करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने दो सप्ताह में निर्णय लेने का आदेश दिया है. जवाब के लिए समय दिया गया तो यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन होगा. इसके साथ ही 20 फरवरी को होने वाली अगली सुनवाई से पहले शपथ पत्र के साथ जवाब पेश करने कहा है।

राजधानी में उठाईगिरी रजिस्ट्री कराने आए अफसर की कार से 38 लाख पार ,जांच में जुटी पुलिस

रायपुर। राजधानी रायपुर में जमीन रजिस्ट्री कराने आए अफसर की गाड़ी से 38 लाख रुपए पार हो गए. उठाईगिरी करने के आरोप में क्राइम ब्रांच की टीम अफसर के परिचित सहित अन्य चार को हिरासत में लेकर पड़ताल करने के बाद क्राइम ब्रांच ने बरामद की रकम पूछताछ कर रही है. पुलिस ने चोरी की रकम बरामद कर ली है. घटना सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के ऑक्सीजोन की है.मंदिर हसौद निवासी एफसीआई के अफसर ज्ञानप्रकाश पाण्डेय जमीन रजिस्ट्री कराने सोमवार को कलेक्टोरेट स्थित रजिस्ट्री कार्यालय कार से पहुंचे थे. बताया जा रहा है कि कार की सीट पर पैसे रखकर वे किसी के आने का इंतजार कर रहे थे. इस दौरान अज्ञात चोर ने कार की सीट से नोटों से भरा बैग पार कर दिया. रकम गायब देख ग्रामीण शिकायत करने थाने पहुंचा. उठाईगिरी की जानकारी मिलने के बाद क्राइम ब्रांच की टीम गठित कर चोर के बारे में पतासाजी करने जुट गई. रखवाली करने वाले की बिगड़ी नियत।

व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए चल रहा था सट्टा नेटवर्क पुलिस ने दो महिला सटोरियों को किया गिरफ्तार

कवर्धा, प्रातःकिरण संवाददाता।

छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में अवैध सट्टा कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए व्हाट्सएप समूह के जरिए संचालित हो रहे सट्टा नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में दो महिला सटोरियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से नगद राशि, सट्टा-पट्टी और अन्य सामग्री जब्त की है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पहला मामला कवर्धा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 01 शिवाजी कॉलोनी का है। मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। यहां नन्दिनीन उर्फ नीलू गुप्ता को उसके घर के सामने अंकों पर सट्टा खिलाते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से सट्टा-पट्टी, नगद रकम और पेन बरामद किए गए। आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की गई है।

दूसरी कार्रवाई वार्ड क्रमांक 05 लोहाराना देवारपारा क्षेत्र में की गई। यहां पूजा बांधेकर को सट्टा गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके विरुद्ध पृथक अपराध दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि दोनों महिला आरोपी व्हाट्सएप समूह बनाकर अलग-अलग नामों से सट्टा संचालन कर रही थीं। वे विभिन्न समूहों के माध्यम से खाईवाली के नाम से अंकों का लेन-देन करती थीं और मोबाइल के जरिए सट्टा खेलवाया जाता था। पुलिस को प्रारंभिक जांच में कुछ अन्य व्यक्तियों के नाम भी प्राप्त हुए हैं, जो इस नेटवर्क से जुड़े बताए जा रहे हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अवैध सट्टा गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अन्य संलिप्त लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके और समाज में कानून व्यवस्था बनी रहे।.

CM साय ने बोर्ड परीक्षा के लिए विद्यार्थियों का बढ़ाया आत्मविश्वास, कहा- ऑल द बेस्ट, प्यारे बच्चों

रायपुर. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के छात्र-छात्राओं को परीक्षाओं के अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए उन्हें आत्मविश्वास और हौसले के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया है. उन्होंने विद्यार्थियों के नाम अपने आत्मीय संदेश में कहा कि परीक्षाओं का समय जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होता है, जिसमें उत्साह के साथ थोड़ा तनाव भी स्वाभाविक है, लेकिन घबराने की आवश्यकता नहीं है.मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि परीक्षाओं का समय आ गया है. मैं जानता हूं कि इन दिनों आपके मन में उत्साह भी है और थोड़ा सा तनाव भी. लेकिन सबसे पहले यह जान लीजिए — आप अकेले नहीं हैं, हम सब आपके साथ हैं उन्होंने कहा कि परीक्षाओं का समय कभी-कभी मन में घबराहट भी लेकर आता है. यह स्वाभाविक है. यदि आपको डर लग रहा है तो इसका अर्थ है कि आप अपनी पढ़ाई और अपने भविष्य को गंभीरता से लेते हैं.उन्होंने कहा कि सबसे पहले यह समझ लीजिए — डर कमजोरी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का संकेत है. लेकिन इस डर को अपने आत्मविश्वास पर हावी न होने दें. आपने पूरे वर्ष मेहनत की है. हर दिन का प्रयास, हर अभ्यास, हर दोहराव — सब आपकी ताकत बनकर आपके साथ खड़े हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी नियमित पढ़ाई करें, कठिन विषयों को दोहराएं, समय का संतुलन बनाए रखें. पर्याप्त नींद लें, पौष्टिक भोजन करें और कुछ समय के लिए मोबाइल से दूरी बनाकर अपने लक्ष्य पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करें।

निर्णय

ने ने ने ने ने ने ने

बिना अनुमति डीजे संचालन पर पुलिस की कड़ी कार्रवाई, वाहन किया जब्त

रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

रायपुर पुलिस कमिश्नरेट सेंट्रल ज़ोन अंतर्गत गोल बाजार थाना क्षेत्र में बिना वैध पुलिस अनुमति डीजे संचालित करने पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई की गई है। कार्रवाई को कोलाहल अधिनियम और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत करते हुए डीजे वाहन व उपकरण जब्त किया गया है। जांच में पाया गया कि डीजे संचालक कुणाल बावले, जो मूलतः धमतरी के निवासी है, वह बिना अनुमति डीजे चला रहा था, जिससे सार्वजनिक शांति भंग हो रही थी।बता दें कि डीसीपी सेंट्रल ज़ोन की अध्यक्षता में पहले आयोजित बैठक में डीजे, साउंड सिस्टम, धुमाल पार्टी और टेंट संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि बिना अनुमति डीजे का संचालन नहीं किया जाएगा। साथ ही आगामी दिनों में छात्रों की परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए शोर-शराबे से बचने की भी अपील की गई थी।

पूर्व में दी गई चेतावनी और अपील के बावजूद नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित डीजे संचालक के विरुद्ध कोलाहल अधिनियम एवं मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई करते हुए डीजे वाहन को जब्त किया गया है। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा अवधि एवं सार्वजनिक शांति व्यवस्था को प्रभावित करने वाले किसी भी अवैध डीजे संचालन पर आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और बिना अनुमति संचालन करने वालों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

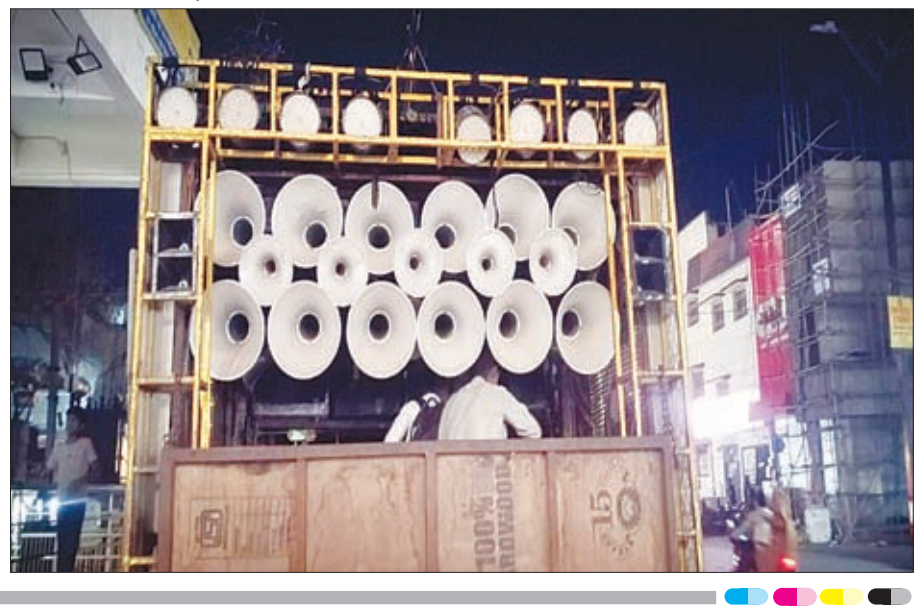

एआई समिट नयी चुनौतियां

सोमवार 16 फरवरी से नयी दिल्ली में भारत एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की शुरूआत हुई, जो 20 फरवरी तक चलेगी। एआई पर यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा कार्यक्रम है, जिसमें कम से कम 20 देशों के राष्ट्रप्रमुख, 50 से ज्यादा मंत्री और 40 से ज्यादा बड़े सीईओ हिस्सा लेने आ रहे हैं। गूगल के सुंदर पिचाई, ओपन एआई के सैम ऑल्टमैन, एंथ्रोपिक के डेरियो अमोडी, माइक्रोसॉफ्ट के ब्रैड स्मिथ, एडोब के शांतनु नारायण जैसे तकनीकी क्षेत्र के दिग्गजों के अलावा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्राजील के राष्ट्रपति लुला दा सिल्वा भी इसमें शामिल हो रहे हैं। इन तमाम बड़ी हस्तियों की एक साथ एक बैनर के नीचे उपस्थिति यह बता रही है कि दुनिया ने एक बड़े बदलाव की तरफ कदम बढ़ा लिया है, जो ऊपरी तौर पर केवल तकनीकी से जुड़ा नजर आता है, लेकिन असल में इसका असर जिंदगी के हर हिस्से पर पड़ना शुरू हो चुका है। एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस या कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब हर क्षेत्र में दिखाई देने लगी है। विज्ञान, शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, व्यापार हर जगह अब एआई का सहयोग लिया जा रहा है। दशकों तक भू राजनैतिक आकलन बंद दरवाजों के पीछे विदेशी राजनयिकों और जांच एजेंसियों के भरोसे होता रहा, क्योंकि सरकारी दस्तावेज और अंदरूनी खबरों तक इन्हीं की पहुंच होती थी। थिंक टैंक्स, रिस्क एनालिस्ट्स (जोखिम विश्लेषकों) या मीडिया के आकलन सब राजनयिकों और जांच एजेंसियों के सूत्रों पर निर्भर होते थे। लेकिन अब एआई ने यह परिदृश्य भी बदल दिया है। अब एआई की मदद से विभिन्न देशों में लिए जा रहे फैसलों, सेटेलाइट छवियों, आयात-निर्यात, पूंजी का प्रवाह, मीडिया में चलाई जा रही खबरों सब पर निगाह रखने के साथ तुरंत ही उसका विश्लेषण भी किया जा रहा है। नतीजा ये है कि एक देश के हालात का असर दूसरे देश पर पड़ने में पहले जितना वक्त लगता था, अब वो कुछ पलों में सिमट चुका है। ऐसे महत्वपूर्ण समय परिदृश्य में भारत में इस एआई समिट के होने के खास मायने हैं, क्योंकि दुनिया इसे ग्लोबल साउथ की बढ़ती ताकत के नजरिए से देख रही है। औपनिवेशिक दासता से मुक्त देश तीसरी दुनिया कहलाते रहे हैं, अब एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका के ऐसे तमाम देश ग्लोबल साउथ का हिस्सा कहलाते हैं। ग्लोबल साउथ एक भौगोलिक शब्द न होकर भू-राजनीतिक और आर्थिक धारणा है। एआई समिट का भारत में होना तीसरी दुनिया के उन तमाम देशों के लिए भी महत्वपूर्ण हो गया है, जिनके डेटा तक वैश्विक शक्तियों की पहुंच है। इन देशों के राजनैतिक, आर्थिक फैसलों पर वैश्विक शक्तियां इसी डेटा की मदद से प्रभाव डालती हैं। और इसमें एआई की मदद ली जाती है। ऐसे में इस समिट के दौरान कुछ बड़े सवाल सामने आ रहे हैं, जैसे क्या भारत बड़ी वैश्विक शक्तियों के सामने अपने डेटा को सुरक्षित रखने के लिए आवाज उठा सकेगा, क्योंकि राहुल गांधी ने संसद में और बाद में भी एआई के खतरों और संभावनाओं दोनों को खुल कर सरकार के सामने रखा है। राहुल ने कहा, एआई क्रांति आ गई है, जो खतरे और मौके दोनों लेकर आ रही है। आईटी और सर्विसेज सेक्टर, हमारी अर्थव्यवस्था का चमकता सितारा है वो खतरे में है। अगर हम आने वाले तूफान के लिए तैयार नहीं हुए तो हजारों सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोफेशनल अपनी रोजी-रोटी खो देंगे लेकिन हमारे पास मौके भी हैं। राहुल गांधी ने कहा, डेटा वो पेट्रोल है जो एआई इंजन को चलाता है। जैसा कि मैंने संसद में कहा था कि भारत की सबसे बड़ी संपत्ति हमारे शानदार लोग हैं और वह बहुत सारा डेटा जो हम बनाते हैं। राहुल ने एआई समिट की मेजबानी पर कहा कि यह भारत के लिए नेतृत्व दिखाने का एक मौका होना चाहिए था, यह दिखाने का कि 1.4 बिलियन लोगों का देश अपने डेटा का इस्तेमाल करके ग्लोबल एआई फ्यूचर को अपनी शर्तों पर कैसे बना सकता है। लेकिन बेबस प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रेड डील में अमेरिका के चोकहोल्ड के आगे समर्पण कर दिया है। राहुल ने देश को सावधान करते हुए कहा कि भारत में 1.5 बिलियन भारतीयों का डेटा सुरक्षित रूप से स्टोर करना, अपने सोर्स कोड और एल्गोरिदम में पारदर्शिता लाना, हमारे डेटा का इस्तेमाल करके होने वाले मुनाफे पर टैक्स लगाना मुश्किल होगी। राजनैतिक पूर्वाग्रह से ऊपर उठकर राहुल गांधी की इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है। क्योंकि अभी भारत को यह देखना है कि हमारा आईटी सेक्टर एआई के इस दौर के लिए कब पूरी तरह तैयार होगा। चैट जीपीटी जैसे बड़े लार्ज लैंग्वेज मॉडल भारत को खुद बनाने चाहिए, या छोटे-छोटे सेक्टर जैसे कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा के लिए खास एआई टूल पर फोकस करना चाहिएइ एआई को चलाने के लिए बहुत सारे डेटा सेंटर चाहिए, जो बिजली और पानी बहुत इस्तेमाल करते हैं। क्या इससे पर्यावरण को नुकसान होगा ?ऐसे कई सवालों पर इस समिट में चर्चा हो, तभी इसकी सार्थकता है। वैसे भारत सरकार ने इरादा जताया है कि एआई सिर्फ बड़े देशों का खेल न रहे, बल्कि सभी देशों के लिए फायदेमंद हो। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी सेक्रेटरी एस कृष्णन ने कहा है कि हमारा ध्यान ह्यपीपल, प्लैनेट और प्रोग्रेस पर है।

पारदर्शिता की पहल, पर एकरूपता के अभाव में अदालतों तक पहुंचते कर्मचारी

सभी विभागों में समान कार्यकाल व्यवस्था लागू हो, जिससे कर्मचारियों को समान अवसर मिल सकें। नई नियुक्तियों को समयबद्ध रूप से ऑनलाइन प्रणाली में शामिल किया जाए, ताकि वरिष्ठता प्रभावित न हो। स्थानांतरण प्रक्रिया का निश्चित वार्षिक कार्यक्रम हो, जिससे पारदर्शिता बढ़े और कर्मचारियों में अनिश्चितता समाप्त हो हरियाणा सरकार द्वारा लागू की गई आदर्श ऑनलाइन स्थानांतरण नीति प्रशासनिक सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण और साहसिक कदम है। लंबे समय से सरकारी कर्मचारियों के स्थानांतरण को लेकर मनमानी, सिफारिश, पक्षपात और भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आती रही हैं। इन समस्याओं को समाप्त करने और प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष तथा योग्यता आधारित बनाने के उद्देश्य से ऑनलाइन स्थानांतरण व्यवस्था लागू की गई। इसका मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कर्मचारियों को उनकी वरिष्ठता, सेवा अवधि और विशेष परिस्थितियों के आधार पर न्यायपूर्ण तरीके से कार्यस्थल आवंटित किया जाए तथा किसी भी प्रकार के बाहरी हस्तक्षेप की संभावना समाप्त हो। यह नीति आधुनिक प्रशासनिक सोच और तकनीकी उपयोग का सकारात्मक उदाहरण है। 50 या उससे अधिक पदों वाले संवर्गों पर लागू इस व्यवस्था में 80 अंकों का योग्यता आधारित मूल्यांकन तंत्र निर्धारित किया गया है। इसमें आयु और कुल सेवा अवधि को प्रमुख आधार बनाया गया है,

डॉ. सत्यवान सौरभ
(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

सभी कर्मचारियों की एकमुश्त अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि कार्यस्थल वरिष्ठता निष्पक्ष रूप से निर्धारित हो और भविष्य में किसी प्रकार की असमानता या भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। ऑनलाइन स्थानांतरण नीति लागू होने के बाद पारंपरिक स्थानांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। सभी विभागों में समान कार्यकाल व्यवस्था लागू हो, जिससे कर्मचारियों को समान अवसर मिल सकें। नई नियुक्तियों को समयबद्ध रूप से ऑनलाइन प्रणाली में शामिल किया जाए, ताकि वरिष्ठता प्रभावित न हो। स्थानांतरण प्रक्रिया का निश्चित वार्षिक कार्यक्रम हो, जिससे पारदर्शिता बढ़े और कर्मचारियों में अनिश्चितता समाप्त हो हरियाणा सरकार द्वारा लागू की गई आदर्श ऑनलाइन स्थानांतरण नीति प्रशासनिक सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण और साहसिक कदम है। लंबे समय से सरकारी कर्मचारियों के स्थानांतरण को लेकर मनमानी, सिफारिश, पक्षपात और भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आती रही हैं। इन समस्याओं को समाप्त करने और प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष तथा योग्यता आधारित बनाने के उद्देश्य से ऑनलाइन स्थानांतरण व्यवस्था लागू की गई। इसका मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कर्मचारियों को उनकी वरिष्ठता, सेवा अवधि और विशेष परिस्थितियों के आधार पर न्यायपूर्ण तरीके से कार्यस्थल आवंटित किया जाए तथा किसी भी प्रकार के बाहरी हस्तक्षेप की संभावना समाप्त हो। यह नीति आधुनिक प्रशासनिक सोच और तकनीकी उपयोग का सकारात्मक उदाहरण है। 50 या उससे अधिक पदों वाले संवर्गों पर लागू इस व्यवस्था में 80 अंकों का योग्यता आधारित मूल्यांकन तंत्र निर्धारित किया गया है। इसमें आयु और कुल सेवा अवधि को प्रमुख आधार बनाया गया है, जिससे वरिष्ठता को उचित महत्व मिल सके। सेवा अवधि को 365 दिनों से विभाजित कर अंक निर्धारित किए जाते हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया वस्तुनिष्ठ और पारदर्शी बनती है। महिला कर्मचारियों को 10 अंक, पतिझपत्नी मामलों में 5 अंक तथा गंभीर बीमारी या दिव्यांगता के मामलों में 10 से 20 अतिरिक्त अंक दिए जाते हैं। पूरी प्रक्रिया मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली से जुड़े ऑनलाइन मंच के माध्यम से संचालित होती है। अधिसूचना जारी होने के बाद संवर्ग सूची सार्वजनिक की जाती है और कर्मचारी एकमुश्त पासवर्ड के माध्यम से सत्यापन कर अपने पसंदीदा कार्यस्थलों का चयन करते हैं। निर्धारित समय में विकल्प प्रस्तुत न करने की स्थिति में कर्मचारी को किसी भी स्थान पर नियुक्त किया जा सकता है। अतिरिक्त पदों पर कार्यरत कर्मचारियों का स्थानांतरण अनिवार्य रूप से किया जाता है तथा आदेश जारी होने के निर्धारित समय के भीतर कार्यभार ग्रहण करना आवश्यक होता है। नीति लागू होने के बाद कई विभागों में पारदर्शिता बढ़ी है और शिकायतों में कमी भी आई है। ऑनलाइन शिकायत निवारण तंत्र ने कर्मचारियों को अपनी बात रखने का मंच दिया है। इससे यह विश्वास मजबूत हुआ है कि अंकीय प्रणाली के माध्यम से प्रशासनिक सुधार प्रभावी रूप से लागू किए जा सकते हैं। फिर भी, नीति के क्रियान्वयन में एकरूपता का अभाव इसकी सबसे बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। सभी विभागों में समान कार्यकाल, समान समय-सारिणी और समान नियम लागू नहीं हैं। कहीं न्यूनतम कार्यकाल अलग है, कहीं अधिकतम कार्यकाल की सीमा भिन्न है, तो कहीं विशेष परिस्थितियों की परिभाषा बदल जाती है। इससे समान संवर्ग के कर्मचारियों के बीच असमानता उत्पन्न होती है और नीति की मूल भावना प्रभावित होती है। ऑनलाइन स्थानांतरण अभियान की पहली ही प्रक्रिया में सभी कर्मचारियों की एकमुश्त अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। यदि प्रारंभिक चरण में कुछ कर्मचारी किसी कारणवश बाहर रह जाते हैं, तो उनकी कार्यस्थल वरिष्ठता प्रभावित होती है और भविष्य में विवाद की स्थिति बनती है। इसलिए ह्यएक बार की अनिवार्य सहभागिताह्न के माध्यम से सभी कर्मचारियों को समान आधार पर लाना चाहिए। सभी विभागों में निर्धारित कार्यकाल समान होना चाहिए। उदाहरण के लिए न्यूनतम कार्यकाल एक वर्ष या एक स्थानांतरण अभियान से अगले अभियान तक तथा अधिकतम कार्यकाल पाँच वर्ष निर्धारित किया जा सकता है। इससे कोई भी कर्मचारी अत्यधिक लंबे समय तक एक ही स्थान पर नहीं रहेगा और न ही किसी को अल्प अवधि में बार-बार स्थानांतरण झेलना पड़ेगा। जब भी नई नियुक्ति हो, उसे अनिवार्य रूप से अगले स्थानांतरण अभियान में शामिल किया जाना चाहिए। यदि ऑनलाइन स्थानांतरण नीति लागू होने के बाद अब तक कोई कर्मचारी इस प्रक्रिया में शामिल नहीं हुआ है, तो उसे वर्तमान अभियान में अनिवार्य रूप से सम्मिलित किया जाना चाहिए। इससे सभी कर्मचारियों को उनकी वरिष्ठता के आधार पर कार्यस्थल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा और मनमानी या रिश्वतखोरी के माध्यम से पारंपरिक आदेशों द्वारा कार्यस्थल प्राप्त करने की प्रवृत्ति समाप्त होगी। सभी विभागों में स्थानांतरण अभियान एक ही समय पर पूरा किया जाना चाहिए। इससे पतिझपत्नी प्रकरणों में निर्णय लेने में सुविधा होगी और परिवारों को अनिश्चितता का सामना नहीं करना पड़ेगा। यदि विभिन्न विभाग अलग-अलग समय पर स्थानांतरण करेंगे, तो पारिवारिक समन्वय कठिन हो जाता है। कार्यकाल की गणना करते समय वित्तीय वर्ष को एक वर्ष माना जाना चाहिए, न कि दिनों की गणना के आधार पर। कई बार स्थानांतरण अभियान वित्तीय वर्ष के मध्य में पूरा होता है और कार्यभार ग्रहण वर्ष के अंतिम चरण में होता है, जिससे कार्यकाल की गणना में एक वर्ष का अंतर उत्पन्न हो जाता है। यदि वित्तीय वर्ष को पूर्ण इकाई के रूप में

शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रनिर्माण की नई पहल - कॉलेजों में मातृभाषा के साथ दूसरी भारतीय भाषा अनिवार्य

वर्ष 2026 से देश के सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में छात्रों को मातृभाषा के अलावा एक अन्य भारतीय भाषा का अध्ययन करना अनिवार्य होगा। यह दिशा-निर्देश विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा जारी किया गया है और यह नियम स्नातक, परास्नातक (PG) और पीएचडी, तीनों स्तरों पर लागू होगा। यह निर्णय केवल शैक्षणिक सुधार नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समरसता और विकसित भारत 2047 के विजन से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। यूजीसी ने सभी राज्यों और विश्वविद्यालयों को पत्र जारी कर यह स्पष्ट कर दिया है कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 से यह व्यवस्था लागू होगी। इस नीति के अंतर्गत हर छात्र को मातृभाषा के अतिरिक्त कम-से-कम एक अन्य भारतीय भाषा सीखनी होगी। यह अध्ययन अनिवार्य लेकिन लचीला (Flexible) होगा। छात्रों को प्रवेश और निकास (Exit) के बहुविकल्पी अवसर मिलेंगे। यह व्यवस्था नये क्रेडिट फ्रेमवर्क के तहत लागू की जाएगी। यह पूरी पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
लेखक

भारत विविधताओं का देश है। यहाँ भाषाएँ केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि संस्कृति, परंपरा, ज्ञान और पहचान की वाहक हैं। ऐसे में उच्च शिक्षा में भाषाओं को लेकर एक बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय सामने आया है। वर्ष 2026 से देश के सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में छात्रों को मातृभाषा के अलावा एक अन्य भारतीय भाषा का अध्ययन करना अनिवार्य होगा। यह दिशा-निर्देश विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा जारी किया गया है और यह नियम स्नातक, परास्नातक (PG) और पीएचडी, तीनों स्तरों पर लागू होगा। यह निर्णय केवल शैक्षणिक सुधार नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समरसता और विकसित भारत 2047 के विजन से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। यूजीसी ने सभी राज्यों और विश्वविद्यालयों को पत्र जारी कर यह स्पष्ट कर दिया है कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 से यह व्यवस्था लागू होगी। इस नीति के अंतर्गत हर छात्र को मातृभाषा के अतिरिक्त कम-से-कम एक अन्य भारतीय भाषा सीखनी होगी। यह अध्ययन अनिवार्य लेकिन लचीला (Flexible) होगा। छात्रों को प्रवेश और निकास (Exit) के बहुविकल्पी अवसर मिलेंगे। यह व्यवस्था नये क्रेडिट फ्रेमवर्क के तहत लागू की जाएगी। यह पूरी पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है। NEP 2020 के प्रमुख भाषा-संबंधी उद्देश्य बहुभाषिकता को बढ़ावा देना। मातृभाषा में शिक्षा को सशक्त करना। भारतीय भाषाओं को उच्च शिक्षा और शोध से जोड़ना। भाषा को रोजगार और कौशल विकास से जोड़ना। नई नीति ठ्एद 2020 के इन सभी लक्ष्यों को व्यवहारिक रूप देने का प्रयास है। यह भाषा कार्यक्रम तीनों उच्च शैक्षणिक स्तरों पर लागू होगाः स्नातक (UG) स्तर पर भाषा को एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (AEC) के रूप में शामिल किया जा सकता है और यह मेजर या माइनर कोर्स का हिस्सा बन सकता है। परास्नातक (PG) स्तर पर विषयगत अध्ययन के साथ भाषा कौशल का विकास, शोध और अकादमिक लेखन में सहायता। पीएचडी स्तर पर अंतर-राज्यीय शोध में सहूलियत, क्षेत्रीय साहित्य और स्रोतों तक सीधी पहुँच। यूजीसी ने भाषा शिक्षण को तीन स्पष्ट चरणों में विभाजित किया है। पहला बेसिक (BÔsic Leve'), जिसमें दैनिक संवाद, सामान्य शब्दावली और परिचयात्मक व्याकरण। दूसरा इंटरमीडिएट जिसमें अकादमिक लेखन, सांस्कृतिक समझ और सामान्य साहित्य का अध्ययन। तीसरा एडवांस जिसमें साहित्यिक और दार्शनिक ग्रंथ, अनुवाद और व्याख्या और शोध एवं आलोचना। छात्र अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार, किसी भी स्तर से शुरूआत कर सकता है। नई भाषा नीति की एक बड़ी विशेषता है मल्टीपल एंट्री और एग्जिट। छात्र एक सेमेस्टर के बाद कोर्स छोड़ सकता है। तीन सेमेस्टर पूरे करने पर माइनर डिग्री और आवश्यकता अनुसार, दोबारा प्रवेश का विकल्प। यह व्यवस्था वर्किंग प्रोफेशनल्स और ओपन लर्निंग के छात्रों के लिए भी उपयोगी होगी। यूजीसी ने निर्देश दिया है कि संस्थानों को छात्रों के लिए आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भारतीय भाषाओं में से विकल्प देना होगा। इनमें प्रमुख हैं हिन्दी, बंगला, तमिल, तेलुगु, मराठी, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, उड़िया, असमिया, पंजाबी, उर्दू, संस्कृत, नेपाली, कश्मीरी, मैथिली, संथाली, डोगरी, बोडो, कोंकणी, सिंधी और मणिपुरी। इससे छात्रों को अपने राज्य से बाहर की भाषा सीखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। भाषा केवल शब्दों का ज्ञान नहीं है, बल्कि संस्कृति की आत्मा होती है। इस पहल से राज्यों के बीच सांस्कृतिक दूरी कम होगी। एक-दूसरे की परंपराओं को समझने का अवसर मिलेगा और एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना मजबूत होगी। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर का भाषा शिक्षण एप, ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जाएगा जिससे देश-विदेश से छात्र जुड़ सकेंगे। भाषा विशेषज्ञ मेंटर्स की भूमिका निभाएंगे और लाइव सेशन, रिकॉर्डेड लेक्चर, संवाद अभ्यास चलेगा। यूजीसी ने यह स्पष्ट किया है कि विश्वविद्यालय स्वयं पाठ्यक्रम डिजाइन कर सकते हैं। स्थानीय आवश्यकता के अनुसार सामग्री तैयार की जा सकती है और क्रेडिट कोर्स, ऑडिट कोर्स या स्किल कोर्स, तीनों विकल्प खुले हैं। इस भाषा कार्यक्रम में 12वीं पास कोई भी व्यक्ति, 16 वर्ष से अधिक आयु का छात्र, नियमित, ओपन या डिस्टेंस मोड, सभी पात्र होंगे। आज के समय में बहुभाषी व्यक्ति को अधिक अवसर, पर्यटन, मीडिया, प्रशासन, अनुवाद, शिक्षण में मांग, स्टार्टअप और अंतर-राज्यीय व्यापार में लाभ, यह नीति भाषा को रोजगारपरक कौशल के रूप में स्थापित करती है। यह पहल ऐतिहासिक है, लेकिन कुछ चुनौतियाँ भी सामने आएंगी। योग्य भाषा शिक्षकों की उपलब्धता। छोटे कॉलेजों में संसाधनों की कमी और छात्रों पर अतिरिक्त अकादमिक दबाव। समाधान के तौर पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का अधिक उपयोग, साझा फैकल्टी मॉडल और भाषा को रोचक एवं व्यावहारिक बनाना। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में मातृभाषा के साथ एक अन्य भारतीय भाषा का अध्ययन अनिवार्य करना केवल शैक्षणिक सुधार नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में बड़ा कदम है। यह नीति भारत की भाषाई विरासत को सशक्त करेगी। युवाओं को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाएगी और विकसित भारत 2047 के सपने को मजबूत आधार देगी। भाषा जब शिक्षा से जुड़ती है, तो वह केवल शब्द नहीं सिखाती है बल्कि वह संवेदना, समझ और समरसता का निर्माण करती है। यही इस नई नीति की

संतोषः परमं धनम-संतोष ही सबसे बड़ा धन है

सुनील कुमार महला

संस्कृत साहित्य में यह बात कही गई है कि- संतोषः परमं धनम्, अर्थात संतोष मनुष्य का सबसे मूल्यवान धन है। इससे बड़ा धन दुनिया में कोई और नहीं है। इसका सीधा सा मतलब यह है कि जो हमारे पास है, उसमें प्रसन्न रहना ही सच्ची समृद्धि है। आज की तेज भागदौड़, तनाव और अवसाद भरी दुनिया में लोग अधिक से अधिक धन, सुख-सुविधाएँ और प्रतिष्ठा पाने के पीछे दौड़ रहे हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि बाहरी संपत्ति हमें केवल थोड़े समय का सुख(क्षणिक सुख) दे सकती है, स्थायी मानसिक शांति नहीं। पाठक जानते हैं कि मनुष्य की इच्छाएँ कभी समाप्त नहीं होतीं। एक इच्छा पूरी होती है तो दूसरी पैदा हो जाती है। यदि व्यक्ति केवल इच्छाओं के पीछे ही भागता रहे, तो वह कभी संतुष्ट नहीं हो सकता। इसलिए कहा गया है कि जिसके पास बहुत धन है लेकिन संतोष नहीं, वह भी मन से गरीब ही रहता है। इसके विपरीत, जो व्यक्ति संतोषी है, वह सीमित साधनों में भी सुखी और शांत जीवन जी सकता है। संस्कृत में कहा गया है कि -यदृच्छालाभसन्तुष्टो द्वन्द्वातीतो विमत्सरः। समः सिद्धावसिद्धौ च कृत्वापि न निबध्यते ॥ इसका तात्पर्य यह है कि जो व्यक्ति सहज प्राप्त वस्तु में संतुष्ट रहता है, ईर्ष्या से मुक्त होता है और सफलता-असफलता में समान रहता है, वह कर्म करते हुए भी बंधन में नहीं पड़ता। वास्तव में, संतोष का अर्थ यह नहीं है कि मनुष्य महत्वाकांक्षा छोड़ दे या प्रगति करना बंद कर दे। इसका सही अर्थ है- प्रयास करते हुए भी मन में लोभ, ईर्ष्या और असंतोष को स्थान न देना। संतोषी व्यक्ति दूसरों की सफलता देखकर जलता नहीं, बल्कि उनसे वह प्रेरणा लेता है। उसका जीवन सरल, संतुलित और तनावमुक्त होता है। यही कारण है कि संतोष मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है और मनुष्य मन को शांति भी देता है। वास्तव में संतोष का भाव व्यवहार से जुड़ा है- संतोषी व्यक्ति सबका प्रिय बनता है। इसीलिए संस्कृत में कहा गया -न कश्चित् कस्यचिद् मित्रं न कश्चित् कस्यचिद् रिपुः। व्यवहारेण जायन्ते मित्राणि रिपवस्तथा ॥ संतोष मनुष्य को नैतिक और ईमानदार भी बनाता है। असंतोष ही वह कारण है, जिसके कारण व्यक्ति लालच में पड़कर गलत रास्ता अपनाता है। यदि व्यक्ति संतोषी हो, तो वह अनुचित तरीकों से धन कमाने की कोशिश नहीं करेगा। इस प्रकार संतोष समाज में नैतिकता और सदाचार को भी बढ़ावा देता है। संतोष का संबंध केवल धन या वस्तुओं से नहीं, बल्कि जीवन की परिस्थितियों से भी है। जीवन में कठिनाइयाँ और असफलताएँ आती हैं, लेकिन यदि व्यक्ति धैर्य और संतोष बनाए रखे, तो वह उन्हें आसानी से पार कर सकता है। संतोष मानसिक शक्ति देता है और निराशा से बचाता है। संतोषी व्यक्ति वर्तमान में जीना जानता है - वह न अतीत के पछतावे में उलझता है और न भविष्य की चिंता में, बल्कि वर्तमान क्षण का आनंद लेता है। इसके अलावा, संतोष का संबंध कृतज्ञता से भी है। जो व्यक्ति अपने जीवन की छोटी-छोटी खुशियों के लिए आभारी रहता है, वही सच्चा संतोष अनुभव करता है। उसका सुख बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करता, बल्कि उसके भीतर से उत्पन्न होता है। अंततः, यह बात कही जा सकती है कि धन-दौलत जीवन को सुविधाजनक बना सकते हैं, पर सच्चा सुख केवल संतोष से मिलता है। जिस व्यक्ति के पास संतोष का खजाना है, वह हर परिस्थिति में आनंद और शांति महसूस करता है। इसलिए हमें अपने जीवन में संतोष और कृतज्ञता को विकसित करना चाहिए।

लोकतंत्र में राइट टू रीकॉल की चर्चा जरूरी

डॉ. निधि शर्मा

इस अधिकार के जमीनी स्तर पर आने से सबसे पहले भ्रष्टाचार पर नकेल कसेगी, आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवार को जनता नहीं चुनेगी और प्रतिनिधि जनता की सेवा और उनके कल्याण के कामों को करने के लिए जवाबदेह रहेगा। क्योंकि ये बात तो तय है कि लोकतंत्र को और मजबूत करने के लिए विशेषकर युवावर्ग में इसके प्रति विश्वास पैदा करना होगा। क्योंकि वोट प्रतिशत का गिरना लोकतंत्र की नींव को हिला रहा है। इस नींव की मजबूती के लिए सभी राजनीतिक पार्टियों को एक मंच पर आना ही होगा। क्योंकि इस प्रकार के निर्णय दूरगामी प्रभाव डालते हैं अभी हाल में ही आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा द्वारा राइट टू रीकॉल मुद्दे को संसद में उठाया गया, जो वर्तमान की राजनीति और राजनीतिज्ञों की स्थिति को देखकर जरूर इस विषय पर विचार-विमर्श किया जाना चाहिए। क्योंकि लोकतंत्र यानी कि लोगों के लिए, लोगों के द्वारा और लोगों की सरकार, लेकिन क्या तंत्र असलियत में अपना राजधर्म निभा रहा है, इसका निर्णय भी जनता को ही करना चाहिए। हमारा दायित्व सिर्फ वोट डालने तक ही सीमित नहीं होना चाहिए। हालांकि यह आंकड़ा भी चुनावों के दौरान औसतन 50 से 60 प्रतिशत से अधिक नहीं हो पाता। शेष बची 40 से 45 प्रतिशत जनता इसलिए वोट नहीं डालती कि उन्हें उम्मीदवार पसंद नहीं था, उन्हें वोट डालना पसंद नहीं था या वो वर्तमान के राजनीतिक हालात से खुश नहीं हैं। ऐसी कई संभावनाएं हैं जो वोट के प्रतिशत को चुनाव आयोग के कई आयोजनों के बावजूद नहीं बढ़ा पा रहा है। बेशक वोटरों को नोटा जैसा प्रावधान दिया गया हो, लेकिन इसके अलावा राइट टू रीकॉल रूपी हथियार को मजबूती दी जाए तो जरूर लोकतंत्र जमीनी स्तर तक वोटरों की भारी भागीदारी के साथ ऊंचे मुकाम पर पहुंचेगा। राइट टू रीकॉल के अधिकार के इतिहास की बात करें तो प्राचीन एथेंसवासियों में यह प्रथा प्रचलित थी। प्रत्येक वर्ष की निश्चित तिथि पर वे निष्कासन प्रक्रिया का आयोजन करते थे। इस अवसर पर सभी नागरिकों को किसी पात्र में निष्कासन योग्य व्यक्ति का नाम लिखना होता था। जिस व्यक्ति के नाम के सबसे ज्यादा पत्र मिलते थे, उसे 10 महीने के लिए शहर से बाहर निकाल दिया जाता था। यह प्रक्रिया बेशक उस समय भ्रष्ट व तानाशाह प्रवृत्ति पर लगाम जरूर लगाती रहेगी। आज भी ऐसी प्रक्रिया विश्व के 24 से ज्यादा देशों में चल रही है, जिसे राइट टू रिकॉल का नाम दिया गया है। इस प्रक्रिया में मतदाताओं को किसी प्रतिनिधि को उसके कार्यकाल से पहले ही निष्कासित करने का अधिकार होता है। वर्ष 1995 से ब्रिटिश कोलंबिया और कनाडा विधानसभाओं ने मतदाताओं को ऐसा अधिकार दे रखा है। अमेरिका के जार्जिया, अलास्का, केन्सास जैसे राज्यों में भी ऐसी व्यवस्था है। जबकि वाशिंगटन में ऐसी प्रक्रिया तभी अपनाई जाती है अगर किसी प्रतिनिधि के बुरे आचरण या अपराध में शामिल होना प्रमाणित हो जाए। अगर अपने देश भारत की बात की जाए तो राइट टू रिकॉल की शुरूआत हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के घोषणापत्र में सचिंद्र नाथ सान्याल ने 1924 में की थी। उस घोषणापत्र में लिखा था कि इस गणराज्य में मतदाओं को अपने प्रतिनिधियों को वापस बुलाने का अधिकार होगा, यदि ऐसा चाहें, अन्यथा लोकतंत्र एक मजाक बन जाएगा। भारत की आजादी के बाद वर्ष 1974 में संविधान (संशोधन) बिल जिसमें राइट टू रिकॉल के अंतर्गत विधायक व सांसदों को वापस बुलाने संबंधित बिल लोकसभा में चर्चा के लिए रखा गया, लेकिन पास नहीं हो पाया। वहीं वर्ष 2016 में भी उस समय के सांसद वरुण गांधी ने जनप्रतिनिधित्व कानून (संशोधन) बिल के माध्यम से इस अधिकार को लागू करने के लिए प्रयास किया, लेकिन वे भी असफल रहे। जबकि कई राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश, छतीसगढ़, महाराष्ट्र, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में ग्राम पंचायत स्तर पर राइट टू रिकॉल को रूपान्तरित किया गया है, लेकिन जमीनी स्तर पर जनता में जागरूकता न होने कारण ये कानून सिर्फ कागजों तक ही सीमित है। इस तरह के कानूनों को राजनीतिक पार्टियां भी जनता तक नहीं पहुंचाना चाहती। जाने-माने राजनीतिक विचारक जेम्स मिल का कहना है कि अगर किसी व्यक्ति को बिना किसी डर के शासन करने का अधिकार दे दिया जाए, तो वे अधिकार का प्रयोग समाज के कल्याण से ज्यादा स्वयं के स्वार्थ के लिए करते हैं। इसलिए हमें सोच समझ कर शासन जिम्मेवार लोगों के हाथ में देना चाहिए। सामाजिक तौर पर कई प्रकार की चुनौतियों भी लोकतंत्र के सामने आती हैं चाहे चुनाव आयोग के खर्च बढ़ की बात हो या उस डर से राजनीति में रुचि कम लेने की बात हो। लेकिन विस्तृत नजरिए से देखें तो यह अधिकार लोकतंत्र में राजनीतिक पार्टियों और जनता दोनों की जवाबदेही तय करता है।

संक्षिप्त समाचार

राजेश सेनानी के निधन पर भाजपा ने जताया शोक

सतना। भाजपा जिला कार्यालय मंत्री सुनील सेनानी के भतीजे राजेश सेनानी के आकस्मिक निधन से भाजपा परिवार में शोक की लहर व्याप्त है। उनके निधन का समाचार मिलते ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों ने गहरा दुख व्यक्त किया। भाजपा जिलाध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पांडेय ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पूरे भाजपा परिवार की संवेदनाएँ सुनील सेनानी एवं उनके परिजनों के साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। श्रद्धांजलि अर्पित

करने वालों में प्रमुख रूप से प्रदेश शासन की मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, रीवा संभाग के संगठन प्रभारी विजय दुबे, सांसद गणेश सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पांडेय, जिला संगठन प्रभारी जी.एस. ठाकुर, विधायक नागेन्द्र सिंह, विक्रम सिंह 'विक्की', सुरेन्द्र सिंह गहरवार, महापौर योगेश ताम्रकार, पूर्व विधायक प्रभाकर सिंह, यादवेन्द्र सिंह, श्रीमती ऊषा चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष श्रीमती सुष्मिता सिंह परिहार, प्रदेश प्रवक्ता प्रहलाद कुशवाहा, कार्यसमिति सदस्य नरेन्द्र त्रिपाठी, विनोद यादव, विनोद तिवारी, चन्द्रकमल त्रिपाठी, डॉ. स्वप्ना वर्मा, पंडित रामदास मिश्रा, पूर्व महापौर विमला पांडेय, ममता पांडेय, राजाराम त्रिपाठी, पुष्कर सिंह तोमर, सुधीर सिंह तोमर, नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी, पूर्व निगम अध्यक्ष अनिल जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल सिंह, अशोक गुप्ता, श्रीमती किरण सेन, विजय तिवारी, श्रीमती सुधा सिंह, मुरारी सोनी, बालेन्द्र गौतम, संजय तीर्थवानी, जिला महामंत्री ऋषभ सिंह, रमाकांत गौतम, श्रीमती सरोज गुर्जर, जिला मंत्री दीप नारायण सिंह, लव सिंह गोंड़, श्रीमती जान्हवी त्रिपाठी, श्रीमती रेनू सिंह पटेल, श्रीकृष्ण द्विवेदी, शुभम तिवारी, संजीव द्विवेदी, कोषाध्यक्ष जयप्रताप गुप्ता, अनिल सचदेव, सह कार्यालय मंत्री अभिषेक कुमार तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी श्यामलाल गुप्ता 'श्यामू', सह मीडिया प्रभारी धीरेन्द्र सिंह राठौर, शिवांक त्रिपाठी सहित भाजपा के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा परिवार ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

करेंट लगने से मौत

सतना। अमरपाटन के ताला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पठरा में शादी समारोह में लगे टेंट का पाईप 11 हजार केव्ही हाईटेंशन बिजलीं की तार से टकरा गया जिससे करेंट फैल गया। करेंट लगने से 21 वर्षीय कृष्ण कुमार गौड़ निवासी सेमरिया थाना रामनगर की मौत हो गई।

शुरु हो रहा खास इबादत का मुकद्दस माहे रमजान

रमजान इस्लाम का सबसे मुकद्दस महीना है। इस महीने में मुस्लिम समाज के लोग 30 दिन तक दिन में रोजा रखते हैं और शाम में तरावीह की नमाज अदा करते हैं और 30 दिन बाद बड़ी हर्षोल्लास से ईद का त्योहार मनाते हैं। रोजा सिर्फ भूखा रहना नहीं, बल्कि खुद को बेहतर बनाना है। इस साल यह 18 या 19 फरवरी को शुरू होगा।

प्रातः किरण, सतना।

रमजान के पाक महीने की शुरुआत 18 फरवरी से हो सकती है। इस पाक महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग पूरे माह रोजा रखते हैं।जानकारों के मुताबिक इस साल सबसे छोटा रोजा 12 घंटे 46 मिनट का होगा। इस बार पहला रोजा 13 घंटे 34 मिनट का होगा। पिछले 10 वर्षों में रमजान का सबसे लंबे रोजे की अवधि में 2 घंटे 11 मिनट की कमी आई है। वर्ष 2016 में सबसे लंबे रोजा की अवधि 15 घंटा 45 मिनट थी। जो इस बार घट गई है। आने वाले वर्षों में इस अवधि में और कमी आएगी।

इस रमजान में पांच जुमा पड़ने की उम्मीद है। अगर 18 फरवरी की शाम चांद नजर आया तो 19 फरवरी से मुकद्दस रमजान की शुरुआत हो जाएगी। इस हिसाब से आखिरी रोजा 20 मार्च को होगा। इन 30 दिनों में रोजेदारों को इबादत करने के लिए पांच जुमा मिलेगा। इस बार पांच जुमे 20 फरवरी, 27 फरवरी, छह मार्च, 13 मार्च और 20 मार्च को पड़ने की उम्मीद है। इस हिसाब से इस बार आखरी रोजा अलविदा के दिन होगा। गौरतलब है कि रमजान इस्लाम का सबसे मुकद्दस और पाक महीना माना जाता है। यह महीना रहमत, बरकत और मगफिरत का पैगाम लेकर आता है। इस पूरे महीने मुसलमान रोजा रखकर अल्लाह की इबादत करते हैं, पांच वक्त की नमाज के साथ-साथ तरावीह की नमाज अदा की जाती है और कुरान शरीफ की तिलावत की जाती है।

हज यात्रा के लिए जाने वाले वैक्सीन लगवाने में हुए परेशान

मंगलवार को जिला चिकित्सालय में हज यात्रा पर जाने वाले लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। इस दौरान उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ा। गौरतलब है कि वैक्सीनेशन कैंप में ग्रामीण अंचल से भी लोग आये थे। जिन्हें हज कमेटी द्वारा नियुक्त पदाधिकारियों द्वारा कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। जिला चिकित्सालय की भीड़ में इन्हें छोड़ दिया गया, जहाँ वे भटकते रहे। पिछले वर्ष ये कैंप धवारी स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित किया गया था।हज के लिए जाने के इच्छुक लोग इस बार सुबह 9 बजे से जिला चिकित्सालय पहुंच गए थे जोकि दोपहर 3 बजे तक परेशान रहे।

महिला ठग के पकड़े जाने के बाद सामने आईं और शिकायतें

एक नहीं, कई महिलाओं के गहने पार

प्रातः किरण, सतना।

पुराने बर्तन के बदले नए बर्तन देने की बात कर महिलाओं को विश्वास में लेकर उनसे गहने हथियाने वाली एक महिला को सिविल लाइंस थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर उससे लगभग 5 लाख रुपए कीमत के गहने बरामद किए हैं। इस आरोपी महिला के पकड़े जाने के बाद बड़ी संख्या में महिलाएं सामने आई हैं जिन्होंने इस महिला द्वारा अपने साथ भी ठगी किए जाने का खुलासा किया है। महिलाओं की शिकायत पर कोलगंवा पुलिस कार्रवाई कर रही है।

कोलगंवा थाना पंहुचा मामला

ठगी के मामले में गत दिवस सिविल लाइंस थाना पुलिस ने महाराजा नगर मैहर की सीता मल्हार पति नरसिम्हा मल्हार को गिरफ्तार किया था। इसके पकड़े जाने की खबर पाकर कांतिदेवी पटेल पति स्व. रामानंद पटेल 60 वर्ष निवासी महुआ बस्ती एवं वेदवती चतुर्वेदी पति संगमलाल चतुर्वेदी 30 वर्ष निवासी वार्ड 11 संतनगर घूरडांग ने सीता मल्हार के खिलाफ ठगी की शिकायत की है। कोलगंवा थाना में की गई शिकायत में बताया गया है कि इसने जहाना खातून, उमा पटेल, संजना शाह, अनीता चौहान, सरस्वती चौधरी,देवकी चौधरी एवं सुशीला वर्मा के साथ भी धोखाधड़ी करते हुए उनसे उनके बर्तन और गहने ठगे हैं।

पहले विश्वास फिर घात

ठगी का शिकार हुई महिलाओं ने बताया कि आरोपी महिला घरों में आकर पुराने टूटे फूटे बर्तन के बदले नए बर्तन देने की बात कर पुराने बर्तन ले जाकर कुछ घंटे बाद नया बर्तन लाकर देती थी। ऐसा करके इसने महिलाओं का विश्वास जीतने का काम किया। जब महिलाओं को इस पर भरोसा हो गया तब इसने महिलाओं को घर बैठे अच्छा पैसा कमाने की स्कीम समझाई। इसने महिलाओं को कहा कि वो अपने गहने दें तो यह उसकी डिजाइन को बेचेगी, उसमें अच्छा पैसा मिलेगा जिसे आधा आधा बांटा जाएगा। महिलाएं जब इसकी बात में आकर गहने निकाल लातीं तब यह पीने के लिए पानी मांगती। पानी पीते पीते यह न जाने क्या करती कि महिलाओं को कुछ देर के लिए सुध न रहती। इस दौरान यह उनके गहने बटोर कर निकल लेती। कांति और वेदवती सहित अन्य के साथ इसने अक्टूबर 2025 में ऐसा किया था। तब से लगातार इसकी तलाश की जा रही थी। बीते दिनों इस आरोपी महिला ने यही कांड जब बगहा में मालती चौधरी पति भूपेंद्र के साथ करने का प्रयास किया तो यह पकड़ी गई।

इनके यह गहने हथियाए

वेदवती चतुर्वेदी से आरोपी महिला ने सोने का मंगलसूत्र, एक जोड़ी झुमका, पायल, मेंहदी, मोती वाली पायजेब, सोने का लाकेट और कांतिदेवी पटेल से तीन जोड़ी पायल, सोने की कील, सोने की दो नथ, चांदी की दो अंगूठी और पांच लीटर का कुकर हथियाया है। अन्य महिलाओं के भी गहने और बर्तन हड़पने का आरोप है।

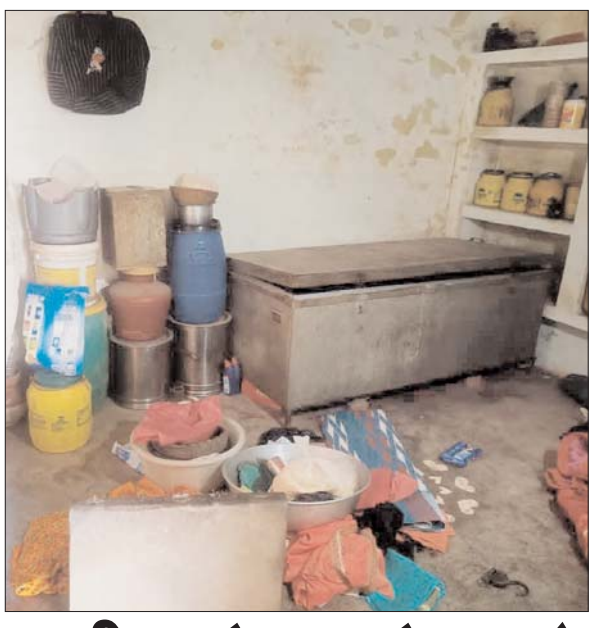

शादी वाले घर से गहनों के साथ नगदी चोरी

पोड़ी चौकी के पनगरी गांव में हुई घटना

प्रातः किरण, सतना।

बेटी की शादी के लिए रखे गहने और नकदी चोरी हो गई। नागौद थाना की चौकी पोड़ी अंतर्गत पनगरी गांव में यह घटना हुई है। जहां चोरों ने घर का ताला तोड़कर वारदात को अंजाम दिया है। पता चला है कि पनगरी निवासी लक्ष्मण सिंह पीथमपुर में प्राइवेट नौकरी करते हैं। घर में उनकी पत्नी श्यामाबाई पटेल व बहू और बेटी मौजूद थीं। आगामी माह में बेटी की शादी होनी है, जिसके लिए एक पेटी में सोना, चांदी के आभूषण जिसमें 5 जोड़ी चांदी की पायल, 3 जोड़ी बिछिया, 20 चांदी की चूडियां, एक जोड़ी सोने का झुमका सहित अन्य आभूषण थे। जिनकी कुल कीमत करीब 5 लाख रुपए रही। इन आभूषण के साथ 80 हजार रुपए नगद रखे हुए थे। देर रात घर का ताला तोड़कर घर में दाखिल हुए चोरों ने पार कर दिया है। घटना के वक्त परिवार के सभी सदस्य दूसरे कमरे में थे। सुबह घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्य हैरान रह गए और पुलिस को सूचना दी। पोड़ी चौकी से पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। इसके अलावा आसपास के लोगों से भी पूछताछ की है और संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

इस शहर में शराबियों को कहीं भी पीने की छूट!

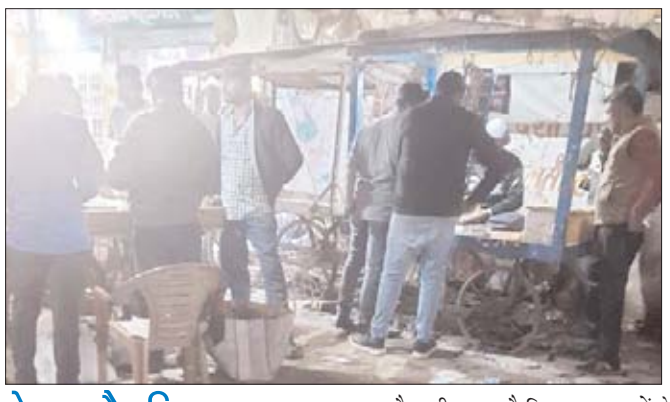

बेअसर है पुलिस का हांका अभियान

प्रातः किरण, सतना।

शहर की शराब दुकानों के आसपास खुले में शराबखोरी को पुलिस रोक नहीं पा रही है। इस मामले में पुलिस का हांका अभियान भी बेअसर है। यही कारण है कि शराब दुकानों के आसपास अक्सर विवाद की स्थिति निर्मित होती रहती है। पीने के बाद बहकने वाले शराबी सड़क चलते लोगों से भी बेवजह उलझने से बाज नहीं आते। शहर की अधिकांश शराब दुकानें मुख्य मार्ग या व्यस्ततम इलाके में हैं, ऐसी दुकानों के बाहर शराबियों का जब जमघट लगता है तो दूसरों को वहां से गुजरने में भी तकलीफ होती है। महिलाओं और बच्चों के लिए तो यह बहुत कष्टदायी होता है। लेकिन पुलिस शहर के माहौल को खराब होने से रोक नहीं पा रही है। सिविल लाइंस क्षेत्र में कोठी तिराहे पर एक तरफ शराब दुकान तो दूसरी तरफ मंदिर है। शराब दुकान और मंदिर के पास अनगिनत ठेले लगते हैं। इनमें से कुछ ठेले ऐसे हैं, जहां शराबियों को खड़े होने का मौका मिलता है। ठेलों की कतार की आड़ में सब्जी मंडी के पीछे शराबियों की महफिल जमती है। कुछ यही हाल पन्ना नाका उमरी की शराब दुकान के पास का है। यहां लोगों को ठेलों में जाम छलकाते देखा जा सकता है। सिटी कोतवाली इलाके में रेलवे-स्टेशन के बाहर की शराब दुकान और महामाया होटल के पास भी यही नजारा रहता है। सर्किट हाउस चौक की शराब दुकान के पास का भी यही हाल है। ठेलों से लेकर मैदान तक शराबियों का झुंड अक्सर देखा जा सकता है। कोलगंवा थाना क्षेत्र में संतोषी माता मंदिर के पास की शराब दुकान के करीब तो गैर लाइसेंसी अहाते चल रहे हैं। शहर की शराब दुकानों के आसपास ठेला लगाने वाले या अनाधिकृत अहाता चलाने वाले लोग शराब पीने की अनुमति देने के एवज में दो की चीज दस रुपए में बेचकर मोटी कमाई कर रहे हैं, अधिक रेट की वजह से भी विवाद की स्थिति बनती रहती है। यह बात अलग है कि शिकायत थानों तक अक्सर नहीं पंहुचती लिहाजा पुलिस भी शराब दुकानों के आसपास के माहौल पर कोई खास ध्यान नहीं देती।

छात्राओं को सीख: बात करें, बोझ हल्का करें

प्रातः किरण, सतना।

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य समिति, क्रीड़ा विभाग एवं अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बात करें, बोझ हल्का करें कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. ए. के. पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को उनकी योग्यता और प्रतिभा को पहचान कर उस दिशा में आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने और सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र दिया गया। समिति संयोजक डॉ आभा गोयल ने बात करके अपने मन को स्थिरता देने की बात साझा की। कार्यक्रम प्रभारी एवं समिति सह संयोजक डॉ शशिकांत सिंह और डॉ. प्रतिभा शर्मा ने छात्राओं को एक प्रयोग के साथ अपनी समस्या को एक दूसरे के साथ साझा करना एवं हल ढूंढना के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया । कार्यक्रम में डॉ. रमाकांत सिंह, डॉ क्षमा द्विवेदी, शुभम सिंह, डॉ ज्योति लता सिंह, संगीता उरमलिया, डॉ रिचा खत्री और डॉ पुष्पलता सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई।

विधान सभा पंहुचा एचआईवी पीड़ित बच्चों का मामला

प्रातः किरण, सतना।

शासकीय जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक का मामला विधान सभा तक पहुंच गया है। सतना विधायक सिद्धार्थ सुखलाल कुशवाहा ने इस बारे में ध्यान आकर्षण सूचना लगाते हुए एचआईवी संक्रमित 6 बच्चों को पांच पांच करोड़ रुपए का अनुदान दिए जाने की आवश्यकता जताई है। स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल का ध्यान आकर्षित करते हुए विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा ने कहा है कि मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवा पूरी तरह चरमरा गई है। जानलेवा लापरवाही का आलम यह है कि थैलेसीमिया पीड़ित 6 बच्चों को जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक से एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ा दिया गया। विधायक ने स्पष्ट रूप से आरोप लगाया है कि सतना जिला चिकित्सालय में खून की दलाली करने वाले शासकीय और गैर शासकीय लोगों का गिरोह है जो मजबूर व लाचार लोगों से उनकी बेबसी पर पैसा वसूलता है। उनका आरोप यह भी है कि जिला चिकित्सालय में 30 वर्षों से कुंडली मारकर बैठे शासकीय कर्मचारियों की शाम इसी खून की दलाली के पैसों से रंगीन होती है, शासन इन पर एफआईआर नहीं कर पाया है। विधायक ने कहा है कि जिला प्रशासन ने आंख पर पट्टी बांध रखी है। उन्होंने पीड़ित बच्चों को अनुदान देने तथा इस रकम की वसूली संबंधित जिम्मेदारों से करने की आवश्यकता जताई है।

घटनाक्रम एक महीने बाद भी सामने नहीं आ सकी प्रताड़ना और अवैध वसूली की हकीकत

अमरपाटन के अनंतराम की मौत पर रहस्य बरकरार

प्रातः किरण, सतना।

मैहर जिले के अमरपाटन थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने कदम के पेड़ में फांसी लगाकर जान दी थी। घटना बीते माह 9 जनवरी की है। पुलिस को उसके कपड़े से एक पत्र मिला था,जिसे सुसाइड नोट मानकर जांच की जा रही है। घटना के एक महीने बाद भी पुलिस की जांच नतीजे पर नहीं पहुंची है। प्राथमिक जांच के बाद यह तय नहीं हो सका है कि कथित सुसाइड नोट की सत्यता क्या है। इस बात का भी खुलासा नहीं हो सका है कि घटना के पीछे असल वजह क्या है, और इसके लिए यदि कोई जिम्मेदार है तो वह कौन है। बताते हैं कि ग्राम सुआ के अनंत राम पटेल पिता शिवनंदन पटेल 42 वर्ष ने मौत को गले लगाने से पहले सुसाइड नोट पर कहानी लिखी और वीडियो भी बनाकर वायरल किया, जिसमें थाना अमरपाटन के हवलदार समेत चार व्यक्तियों पर प्रताड़ना और रकम वसूलने के आरोप हैं। सूत्र बताते हैं कि सुसाइड नोट की जांच हैंड राइटिंग एक्सपर्ट से कराई जा रही है। इसके अलावा पुलिस को फोरेंसिक जांच रिपोर्ट का भी इंतजार है।

सूत्र बताते हैं कि जब पुलिस के सामने सुसाइड नोट और वीडियो आया तो एसपी मैहर अवधेश प्रताप सिंह ने एडिशनल एसपी चंचल नागर से प्राथमिक जांच कराई थी। इसके बाद संपूर्ण घटनाक्रम की जांच तीन दिन में पूरी करने के आदेश एसडीओपी ख्याति मिश्रा को दिए थे। मृतक अनंतराम पटेल ने आत्महत्या से पहले चार पन्नों का सुसाइड नोट लिखा और एक वीडियो भी बनाया, जिसे उसने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया।अनंतराम के चचेरे भाई संदीप पटेल ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि घटना से पहले, रात को 112 की पुलिस गाड़ी अमरपाटन थाने से आई थी, जिसमें कांस्टेबल रावत भी मौजूद थे। उन्होंने अनंतराम को खेत के बहाने घर से बाहर बुलाया और परिवार की महिलाओं से अभद्र व्यवहार किया था। जब संदीप वीडियो रिकॉर्ड करने लगे तो उनका मोबाइल बंद करवा दिया गया। संदीप ने बताया कि उसी पुलिसकर्मी का नंबर सुसाइड नोट में भी लिखा है। जब उन्होंने उस नंबर पर फोन किया तो जवाब मिला कि कल से अनंत से कोई संपर्क नहीं हुआ, जबकि वही पुलिसकर्मी रात को उसे लेकर गया था।

परिजनों का आरोप है कि अनंतराम से करीब 5 लाख रुपए पहले ही वसूले जा चुके थे और पुलिसकर्मियों ने भी करीब 1 लाख रुपए लिए थे। यहां बता दें कि पोस्टमार्टम से पहले परिजनों और ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर मांग की थी कि दोषी पुलिस कर्मियों पर आत्महत्या के लिए उकसाने की कार्रवाई हो। वसूल की गई राशि परिवार को लौटाई जाए।

जब पूर्व मंत्री रामखेलावन पटेल और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे थे तब पीड़ित परिवार को समझाइश देकर निष्पक्ष कार्रवाही का भरोसा दिलाया गया था।

इनका कहना है

प्रकरण में जांच कराई जा रही है। सुसाइड नोट में जो लिखकर गया है वो फैक्ट मैच नहीं हो रहा है। फैक्ट मैच होगा तो उस हिसाब से कार्रवाई भी होगी। फिलहाल ऐसा लग रहा है कि सुसाइड नोट इमोशन, गुस्से में लिखा गया है।

-अवधेश प्रताप सिंह
पुलिस अधीक्षक मैहर

रावी नदी पर बांध बनकर तैयार, अब बूंद-बूंद पानी को तरसेगा पाकिस्तान

कठुआ, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच दशकों से बहते पानी की सियासत अब एक बड़े बदलाव की ओर है। पंजाब और जम्मू-कश्मीर की सीमा पर निर्माणाधीन शाहपुर कंडी बांध परियोजना अपने अंतिम चरण में है। इस परियोजना के चालू होने से रावी नदी का वह बचा हुआ पानी, जो अब तक बहकर पाकिस्तान चला जाता था, पूरी तरह रुक जाएगा और इसका इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर और पंजाब की सूखी जमीन को सींचने में किया जाएगा। जम्मू-कश्मीर के मंत्री जावेद अहमद राणा ने सोमवार को जानकारी दी कि इस बांध का काम 31 मार्च तक पूरा होने की उम्मीद है। यह परियोजना विशेष रूप से सूखाग्रस्त कठुआ और सांबा जिलों के लिए जीवनरेखा साबित होगी।

यह बांध न केवल जल संचयन करेगा, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी गति देगा। इस परियोजना से जम्मू-कश्मीर के कठुआ और सांबा जिलों की 32,173 हेक्टेयर से अधिक भूमि और पंजाब की लगभग 5,000 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होगी। केंद्र सरकार ने सिंचाई घटक के लिए 485.38 करोड़ रुपये की सहायता राशि को मंजूरी दी

है। बांध के पूरा होने से क्षेत्र में बिजली उत्पादन और कृषि विकास को नई दिशा मिलेगी।

सिंधु जल संधि और बदलती नीतिः 1960 की सिंधु जल संधि के तहत तीन पूर्वी नदियों- रावी, ब्यास और सतलज पर भारत का पूर्ण अधिकार है। इसके बावजूद, तकनीकी बाधाओं और बांध न होने के कारण रावी का काफी पानी पाकिस्तान जा रहा था। पूर्व सिंचाई मंत्री ताज मोहिद्दीन के अनुसार, यह बांध सिंधु जल संधि के दायरे से बाहर है क्योंकि 1960 की संधि के तहत रावी, सतलुज और ब्यास जैसी 'पूर्वी नदियों' पर भारत का विशेष अधिकार है। हालांकि, अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के प्रति कड़ा रुख अपनाया है।

अब भारत पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) के पानी के अधिक उपयोग की संभावनाएं भी तलाश रहा है। जम्मू-कश्मीर के विधायक डॉ. रामेश्वर सिंह ने कहा कि एक बार काम पूरा होने के बाद, पानी अब पाकिस्तान नहीं जाएगा, बल्कि हमारे अपने कठुआ क्षेत्र की विशाल भूमि को हरा-भरा करेगा। भारत द्वारा अपने हिस्से का पूरा पानी इस्तेमाल करने से पाकिस्तान के निचले इलाकों में पानी की भारी कमी होने की आशंका है। यह कदम स्पष्ट करता है कि भारत अब अपने प्राकृतिक संसाधनों के अधिकतम उपयोग को लेकर गंभीर है।

दशकों का इंतजार और राजनीतिक इच्छाशक्ति

2001: परियोजना को पहली बार मंजूरी मिली, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय विवादों के कारण काम रुक गया।

2018: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल और केंद्र के हस्तक्षेप के बाद पंजाब और जम्मू-कश्मीर के बीच समझौता हुआ।

वर्तमान: अब यह परियोजना मिशन मोड में है ताकि पाकिस्तान की ओर होने वाले पानी के 'अपव्यय' को रोका जा सके। अधिकारियों का मानना है कि यह कदम न केवल कृषि के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत के कूटनीतिक और रणनीतिक दबाव का भी एक हिस्सा है। पाकिस्तान पहले से ही जल संकट से जूझ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर दिसंबर तक शुरू होगा 6जी सेंसर नेटवर्क का ट्रायल

मुंबई, एजेंसी। दिल्ली-मुंबईएक्सप्रेसवे पर कारें आपस में बात करेंगी। इसके तहत सड़क पर लगे सेंसरों के जरिये वाहन एक-दूसरे को सूचना भेजने में सक्षम होंगी। भारत में स्मार्ट कारों और लीविंग इंटेलिजेंट नेशनल हाईवे की मदद से सड़क दुर्घटनाओं पर काबू पाया जाएगा। दिसंबर 2026 में दुनिया के सबसे लंबे 6जी सेंसर नेटवर्क ट्रायल की शुरुआत होने जा रही है। योजना के तहत दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के नीचे और बगल में लाखों सेंसर बिछाए जाएंगे, जो फर्राटा भरती कारों को रेड लाइट, साइनबोर्ड, राहगीर, वाहन आदि की पहचान करने में सक्षम बनाएंगे। इस तकनीक को वी2एक्स (व्हीकल टू एवरीथिंग) संचार माध्यम कहा जाता है। सूत्रों ने बताया, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय एवं दूरसंचार मंत्रालय के बीच इसको लेकर सहमति बनी है। इसके तहत दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के तीसरे चरण पर 6जी सेंसर नेटवर्क का दुनिया का पहला सबसे बड़ा हाईवे ट्रायल किया जाएगा। इसके तहत अवरोध या दुर्घटना होती है तो 6जी नेटवर्क के जरिए पीछे आ रही गाड़ियों के ब्रेक अपने-आप लग जाएंगे। एक अधिकारी ने बताया कि 6जी ट्रायल का पहला प्रोटोटाइप दिसंबर 2026 तक वडोदरा-मुंबई खंड पर शुरू हो जाएगा। व्हीकल टू एवरीथिंग (वी2एक्स) तकनीक के जरिए वाहन एक-दूसरे को वास्तविक समय में जानकारी साझा करते हैं। विंडशील्ड पर एक डिजिटल डिस्प्ले होता है, जो आसपास की अन्य गाड़ियों, ट्रैफिक लाइट और सड़क सेंसर से मिल रहे डेटा को दिखता है। हरी, नीली और सफेद लाइनें लगातार जानकारी का आदान-प्रदान करती हैं। सड़क तकनीक में चीन, कोरिया, जापान आगे सड़क परिवहन की भविष्यगामी तकनीक में चीन, दक्षिण कोरिया और जापान सबसे आगे हैं। चीन 5जी पर वी2एक्स में सबसे आगे है, वह 2026 तक कई शहरों को 6जी ट्रायल के लिए तैयारी कर रहा है। दक्षिण कोरिया सेफरूट 6जी तकनीक अपना रहा है। सेटेलाइट और जमीनी 6जी नेटवर्क से वाहन सुदूर पहाड़ी इलाके या सुरंग में भी नेटवर्क बनाए रखेगा। वहीं, जापान माइक्रोसेकंड लेटेंसी तकनीक का मुख्य जोर सटीकता पर है।

पहुंचे एक लाख से अधिक श्रद्धालु, हेलीकॉप्टर से की गई पुष्प वर्षा

बेंगलुरु, एजेंसी। पूरे नॉर्थ कर्नाटक इलाके में महाशिवरात्रि मनाई गई। अलग-अलग शहरों

और गांवों के अलग-अलग मंदिरों में खास पूजा हुई। रविवार को हुबली में सद्गुरु श्री सिद्धारूधा स्वामी के शिवरात्रि यात्रा महोत्सव में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने बड़ी संख्या में मठ पहुंचकर सद्गुरु सिद्धारूधा और गुरुनाथारूधा का आशीर्वाद लिया। महाशिवरात्रि पूजा कार्यक्रम ईश्वर रामलिंगेश्वर और अन्य मंदिरों सहित विभिन्न मंदिरों में आयोजित किए गए थे। उंकल क्रॉस में श्री रामलिंगेश्वर मंदिर में बड़े पैमाने पर महाशिवरात्रि जागरण का आयोजन किया गया था। हजारों भक्तों ने मंदिर में जाकर प्रसाद चढ़ाया। एक लाख से अधिक श्रद्धालु हुए शामिल केरल, तेलंगाना, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के एक लाख से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए। लकड़ी के बने भव्य रथ पर अज्जा स्वामी को बैठाकर पालकी के रूप में जुलूस निकाला जाता है। श्रद्धालु पवित्र रथ को खींचकर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। भक्त उनाकल के ऐतिहासिक चंद्रमौलेश्वर मंदिर पहुंचे और मूर्ति के दर्शन के लिए सुबह से ही लाइनों में खड़े हो गए। हुबली में रेलवे स्टेशन रोड पर ईश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि के लिए बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद चढ़ाया और भगवान की पूजा की। इस वर्ष रथ के ऊपर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई। सदियों पुरानी जात्रा महोत्सव में देशभर से आए भक्त शामिल होते हैं। यह मठ अद्वैत दर्शन को समर्पित है।

वाराणसी में बड़ा हादसा टला, टक्कर के बाद गंगा में समाई नाव, पर्यटकों को बचाया गया

वाराणसी, एजेंसी। धर्मनगरी वाराणसी के घाटों पर सोमवार को उस समय चीख-पुकार मच गई, जब एक भीषण नाव हादसा होते-होते बचा। गंगा की लहरों के बीच एक छोटी नाव और तेज रफ्तार मोटरबोट के बीच हुई जोरदार भिड़ंत ने वहां मौजूद लोगों की सांसें थाम दीं। टक्कर इतनी भयानक थी कि नाव देखते ही देखते गंगा में समा गई और उस पर सवार पर्यटक गहरे पानी में डूबने लगे। यह घटना वाराणसी के प्रसिद्ध तुलसीघाट पर दोपहर करीब 2 बजे घटी। गनीमत यह रही कि समय रहते स्थानीय नाविकों और बचाव दल ने मुस्तैदी दिखाई, वरना एक बड़ा हादसा वाराणसी की धार्मिक यात्रा को मातम में बदल सकता था।

जानकारी के अनुसार, हैदराबाद और पुणे से आए पांच पर्यटकों का एक समूह गंगा पार रामनगर जाने के लिए तुलसीघाट से एक छोटी नाव पर सवार हुआ था। हैदराबाद निवासी दिलीप, दर्शना, देवयानी और पुणे के रोहित व दीपाली श्रद्धा और उत्साह के साथ नाव में बैठे ही थे कि घाट से कुछ ही दूर निकलते ही एक तेज रफ्तार बड़ी मोटरबोट ने उनकी नाव को जोरदार टक्कर

मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि टक्कर लगते ही नाव असंतुलित होकर पलट गई। नाव में सवार पर्यटक पानी में गिरकर जान बचाने के लिए संघर्ष करने लगे। उनकी चीखें सुनकर घाट पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे की खबर मिलते ही घाट पर मौजूद साहसी स्थानीय नाविकों ने तुरंत गंगा में छलांग लगा दी। इसी बीच एनडीआरएफ और जल पुलिस को भी सूचना दी गई। राहत और बचाव कार्य इतनी तेजी से शुरू हुआ कि डूब रहे पांचों पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, जिस नाव पर वे सवार थे, वह टक्कर के बाद पूरी तरह से गंगा में समा गई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही हादसे का जिम्मेदार नाविक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश अब पुलिस कर रही है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पर्यटकों को बचाने की जद्दोजहद देखी जा सकती है। इस हादसे ने एक बार फिर वाराणसी में नाव संचालन की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच में सामने आया कि नाव पर सवार एक भी पर्यटक ने लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नाव पर लाइफ जैकेट की कोई व्यवस्था ही नहीं थी। प्रशासन की ओर से बार-बार चेतावनी और सख्ती के बावजूद कई नाविक नियमों की धज्जियां उड़ाकर पर्यटकों की जान जोखिम में डाल रहे हैं।

बिना सुरक्षा उपकरणों के गंगा की लहरों पर पर्यटकों को ले जाना एक बड़ी लापरवाही है, जिस पर अब प्रशासन कड़े एक्शन की तैयारी कर रहा है।

कश्मीर में फिर से खुले 14 पर्यटन स्थल, पहलगाम हमले के बाद हो गए थे बंद

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को केंद्र शासित प्रदेश के उन 14 पर्यटन स्थलों को फिर से खोलने का आदेश दिया, जिन्हें पिछले साल अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद बंद कर दिया गया था। उपराज्यपाल प्रशासन ने पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू कश्मीर में लगभग 50 पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया था। हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। उपराज्यपाल कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'सुरक्षा की गहन समीक्षा और विचार-विमर्श के बाद, मैंने कश्मीर और जम्मू संभागों में एहतियाती तौर पर अस्थायी रूप से बंद किये गए और भी पर्यटन स्थलों को फिर से खोलने का आदेश दिया है।' इसके साथ ही, अस्थायी रूप से बंद किए जाने के बाद फिर से खोले गए पर्यटन स्थलों की कुल संख्या बढ़कर 26 हो गई है। इससे पहले, पिछले साल 26 सितंबर को उपराज्यपाल ने 12 पर्यटन स्थलों को फिर से खोलने का आदेश दिया था। सिन्हा ने कहा, 'कश्मीर संभाग के 11 पर्यटन स्थलों- कोकरनाग में यूसमर्ग, दूधपथरी, दांडीपुरा पार्क, शोपियां में पीर की गली, दुबजान और पदपावन, श्रीनगर में अस्तनपोरा, ट्यूलिप गार्डन, थजवास ग्लेशियर, गांदेरबल में हंग पार्क और बारामुला में वुलर और वाटलाब - को तत्काल फिर से खोला जाएगा।' उन्होंने कहा कि जम्मू संभाग के तीन पर्यटन स्थल - रियासी में देवी पिंडी, रामबन में महू मंगत और किश्तवार में मुगल मैदान - भी तत्काल प्रभाव से फिर से खोले जाएंगे। सिन्हा ने कहा, 'कश्मीर संभाग में तीन स्थल- गुरेज, अथवाटू और बंगस- और जम्मू संभाग में एक स्थल - रामबन में रामकुंड - बर्फ हटने के बाद फिर से खोल दिए जाएंगे।' 23 फरवरी से शुरू हो रहे 'खेलो इंडी शीतकालीन खेल' जम्मू कश्मीर के गुलमर्ग में 23 फरवरी से शुरू होने वाले 'खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों' (केआईडब्ल्यूजी) में 700 से अधिक खिलाड़ी और अधिकारी भाग लेंगे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्की सहायक मोहम्मद रफीक चेची ने कहा, 'इस सर्दी में अच्छी बर्फबारी हुई है, जिससे 'स्कीइंग' और 'स्लेजिंग' गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का यहां आयोजन हो रहा है और इससे हमें अपनी आजीविका कमाने में मदद मिलेगी।' इस वर्ष 'बर्फ स्पर्धाओं' के लिए केआईडब्ल्यूजी का पहला चरण लद्दाख के लेह में 20 से 26 जनवरी तक आयोजित किया गया था, जबकि 'हिम स्पर्धाओं' के लिए खेलों का दूसरा चरण 23 से 26 फरवरी तक गुलमर्ग में आयोजित किया जाएगा। युवा सेवाओं और खेल विभाग द्वारा जारी एक वीडियो में चेची ने कहा, 'गुलमर्ग तैयार है, आपका इंतजार है।'

विधायकों की बैठक की तैयारी में थे डीके शिवकुमार, सिद्धारमैया ने पलटा गेम, ले जा रहे विदेश

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के सत्ता संघर्ष में कांग्रेस की आंतरिक कलह बढ़ती जा रही है। 2023 में कांग्रेस को कर्नाटक में सरकार बनाने का मौका मिला था और उसके बाद से ही डीके शिवकुमार खेमा यह कहता रहा है कि ढाई साल के बाद उनके नेता मुख्यमंत्री होंगे। सिद्धारमैया खेमा इस बात से इनकार करता रहा है और रस्साकशी जारी है। इस बीच खबर है कि डीके शिवकुमार कांग्रेस विधायकों की मीटिंग बुलाने वाले थे ताकि शक्ति प्रदर्शन कर सकें। उनके समर्थकों का कहना था कि 136 विधायक डीके शिवकुमार के साथ हैं। इस बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अलग ही दांव चल दिया है, जिसकी खूब चर्चा है। अपने करीबी 27 विधायकों को सिद्धारमैया विदेश दौरे पर ले जा रहे हैं। इन विधायकों को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के दौरे पर वह साथ ले जाएंगे। उनके गुट का कहना है कि यह रूटीन विजिट है, जो अकसर तमाम योजनाओं की जानकारियां हासिल करने के लिए होती हैं। लेकिन कयास तेज हैं कि आखिर इसी समय ऐसी विजिट का फैसला क्यों है। इसका जवाब भी कांग्रेस के ही लोग दे रहे हैं और उनका कहना है कि डीके शिवकुमार की बैठक में कम विधायक पहुंचें, इसलिए ऐसा कदम उठाया गया है। कर्नाटक विधानसभा का बजट सत्र 6 मार्च से शुरू होने वाला है। ऐसे में पार्टी के सिद्धारमैया खेमे को लगता है कि डीके शिवकुमार को तब तक रोक लिया जाए और फिर बजट सत्र आ जाएगा। इस बीच कांग्रेस विधायक रविकुमार गौड़ा ने दावा किया है कि शिवकुमार के साथ सभी 136 विधायक हैं। उन्होंने कहा कि डीके को कोई भी मुख्यमंत्री बनने से रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि वह सीएम बनेंगे, ऐसी हमारी उम्मीद है। रविकुमार ने कहा कि इस स्थिति में किसी तरह का बदलाव होने की संभावना नहीं है, हमारे नेता मजबूत हैं और सीएम बनने के काबिल हैं। रविकुमार ने डीके शिवकुमार की वफादारी याद दिलाई और कहा कि वह 40 सालों से राजनीति में हैं। उनके पास समर्थन है तो रणनीति के भी वह मास्टर हैं। शिवकुमार के करीबी विधायक ने कहा, 'राजनीति एक गेम है और उसमें जल्दी ही नतीजा आएगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भाजपा के साथ जाने वाले कयास लगा रहे हैं। ऐसी चीजें गलत हैं और छवि खराब करने के लिए ऐसा हो रहा है। शिवकुमार के करीबी विधायक ने कहा कि आखिर हमें भाजपा में जाने की जरूरत क्या है। यहीं रहेंगे और डीके शिवकुमार कांग्रेस पार्टी से ही राज्य के मुख्यमंत्री बनेंगे।'

बांग्लादेश छोड़कर भाग रहे मोहम्मद यूनुस के करीबी?

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में तारिक रहमान नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने वाले हैं। बांग्लादेश के आम चुनाव में उनकी पार्टी बीएनपी को बड़ा बहुमत मिला है। इस बीच खबरें हैं कि अब तक अंतरिम सरकार चला रहे मोहम्मद यूनुस के कई करीबी देश छोड़कर निकल रहे हैं या ऐसा करने की फिराक में हैं। इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है। शेख हसीना की सरकार को भ्रष्टाचार के नाम पर चले आंदोलन के चलते अपदस्थ होना पड़ा था। फिर ईमानदार सरकार के नाम पर मोहम्मद यूनुस कमान संभाल रहे थे। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि उनकी ईमानदार सरकार के सलाहकार देश छोड़कर क्यों निकल रहे हैं।

ढाका से निकलने वाले देश के बड़े अखबार द डेली स्टार ने एक खबर में मोहम्मद यूनुस के करीबी सलाहकार फैज अहमद तैयब का नाम लेते हुए लिखा था कि उन्होंने जर्मनी के लिए फ्लाइट बुकिंग कराई है। अखबार की हेडिंग की भी काफी चर्चा हुई, जिसने इसे सरप्राइज डिपार्चर लिखा। तैयब अब तक मोहम्मद यूनुस के सलाहकार थे और वह उन्हें इंटरनेशनल क्राइम्स ट्राइब्यूनल और टेलिकॉम्युनिकेशंस के मामले में मदद कर रहे थे। हालांकि इसे लेकर बांग्लादेश के जानकार आश्चर्य नहीं जता रहे हैं। उनका कहना है कि हम तो महीनों पहले से कह रहे थे कि मोहम्मद यूनुस के करीबी देश से बाहर निकलने का रास्ता खोज रहे हैं।

यही नहीं सोमवार की शाम को एनसीपी के सीनियर नेता नसीरुद्दीन पटवारी ने भी मोहम्मद यूनुस के सलाहकारों के देश से निकलने का रास्ता खोजने की बात कही और कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए। पटवारी ने कहा, 'हमने सुना है कि बहुत से सलाहकार सेफ एग्जिट की तलाश में हैं। हम देश के लोगों और खुद सलाहकारों से अपील करते हैं कि सेफ एग्जिट से पहले कम से कम एक बार अपनी संपत्तियों की पूरी जानकारी दें। आप जनता को बताएं कि अपने कार्यकाल में आपने देश के लिए क्या किया है। इसके अलावा डॉ. यूनुस को यह देश याद रखेगा कि उन्होंने इलेक्शन में किस तरह से मदद की।'

अक्टूबर 2025 से ही क्यों लगने लगे थे ऐसे कयासः अब बात करते हैं कि आखिर कथित ईमानदार सरकार के सलाहकारों को डर किस बात का है? इसकी जड़ें अक्टूबर 2025 में मिलती हैं। एनसीपी के संयोजक नाहिद इस्लाम ने कहा था कि कई सलाहकारों ने अलग-अलग राजनीतिक दलों के साथ खुद को जोड़ लिया है और उनसे निकलने का रास्ता मांग रहे हैं। उन्हें लगता है कि हम यहां राजनीति में फंस सकते हैं। ऐसी स्थिति में यहां से निकलना ही सही होगा। एनसीपी के ही एक अन्य नेता सरजिस इस्लाम ने तो यहां तक कहा था कि सलाहकारों की आजादी का एक ही रास्ता है और वह है- मौत। इससे समझा जा सकता है कि कुछ महीनों में ही कैसे मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश में अलोकप्रिय हो गए।

2030 तक दोगुनी हो जाएगी चीन की परमाणु ताकत?

बीजिंग, एजेंसी। चीन तेजी से अपने परमाणु हथियारों की ताकत बढ़ा रहा है। हाल की रिपोर्टों और सैटेलाइट तस्वीरों से संकेत मिले हैं कि चीन अपने न्यूक्लियर हथियारों के भंडार में लगातार इजाफा कर रहा है। बताया जा रहा है कि 2026 तक चीन के पास करीब 600 परमाणु वॉरहेड हो सकते हैं। इस मामले में वह रूस और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा परमाणु हथियार भंडार रखने वाला देश बन चुका है।

तुलना करें तो रूस के पास लगभग 5,400 और अमेरिका के पास 5,100 से 5,200 के बीच वॉरहेड बताए जाते हैं। हालांकि चीन अभी इन दोनों देशों से काफी पीछे है, लेकिन उसकी बढ़ती रफ्तार को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि 2030 तक वह 1,000 से ज्यादा वॉरहेड का लक्ष्य हासिल कर सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स, खासकर एनवायटी (न्यूयॉर्क टाइम्स) की रिपोर्ट के मुताबिक, सैटेलाइट इमेज के जरिए चीन की गुप्त तैयारियों का पता चला है। इन तस्वीरों में सिचुआन प्रांत की घाटियों में स्थित दो खास जगहों जिटोंग और पिंगटोंग का जिक्र किया गया है। ये इलाके भारत के

अरुणाचल प्रदेश से लगभग 800 किलोमीटर दूर बताए जा रहे हैं। दावा किया गया है कि यहां हजारों वैज्ञानिक, इंजीनियर और मजदूर पहाड़ों के अंदर बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य कर रहे हैं। रिपोर्ट में इसे एक तरह का इनलैंड न्यूक्लियर एम्पायर यानी अंदरूनी परमाणु साम्राज्य बताया गया है। जियोस्पेशियल इंटेलिजेंस विशेषज्ञ रेनी बाबियार्ज ने इन सैटेलाइट तस्वीरों का विश्लेषण किया है।

ट्रंप ने नाइजीरिया में भेज दिए 100 अमेरिकी सैनिक, यहां रोज होता है खून-खराबा; अब तेज होगी जंग

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने नाइजीरिया में अपनी सैन्य मौजूदगी को और मजबूत किया है। हाल ही में लगभग 100 अमेरिकी सैनिक और संबंधित उपकरण नाइजीरिया पहुंचे हैं। यह पहली खेप है, जिसमें कुल 200 सैनिकों की तैनाती का प्लान है। नाइजीरियाई सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल समाइला उबा ने पुष्टि करते हुए कहा है कि ये सैनिक ट्रेनिंग, तकनीकी सहायता और खुफिया जानकारी शेयर करने के लिए आए हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि अमेरिकी सैनिक सीधे युद्ध में हिस्सा नहीं लेंगे और पूरी कमान नाइजीरियाई सेना के पास ही रहेगी।

बताया जा रहा है कि यह तैनाती नाइजीरिया सरकार की औपचारिक मांग पर हुई है, जो देश में बढ़ते आतंकवादी हमलों से जूझ रही है। नाइजीरिया में बोको हराम, इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस (आई एस डब्ल्यू एपी), लकुरावा जैसे इस्लामिक आतंकी समूह और अन्य सशस्त्र गिरोहों (बैंडिट्स) का आतंक लगातार बढ़ रहा है। उत्तर-पूर्वी इलाकों जैसे बोर्नो, योबे और अडामा में रोजाना हमले, अपहरण और हत्याएं हो रही हैं। हाल के महीनों में सैकड़ों लोग मारे गए हैं, हजारों विस्थापित हुए हैं।

अमेरिकी सैनिकों की यह तैनाती ऐसे समय में हुई है जब देश में हिंसक हमले चरम पर हैं। पिछले सप्ताह के अंत में मोटरसाइकिलों पर आए बंदूकधारियों ने तीन गांवों में तांडव मचाया, जिसमें कम से कम 46 लोग मारे गए। सबसे

भीषण हमला नाइजर राज्य के कोंकोसो गांव में हुआ, जहां 38 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। नाइजीरिया वर्तमान में बोको हरम, आई एस डब्ल्यू एपी, और 'लाकुरावा' जैसे कई आतंकी गुटों से जूझ रहा है। इसके अलावा, 'डाकू' समूह भी सक्रिय हैं जो फिरौती के लिए अपहरण और अवैध खनन में शामिल हैं। ट्रंप ने 2025 के अंत में नाइजीरिया पर खासा दबाव बनाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि नाइजीरिया में ईसाइयों का नरसंहार हो रहा है और सरकार उन्हें पर्याप्त सुरक्षा नहीं दे रही। दिसंबर 2025 में क्रिसमस के दिन अमेरिकी सेना ने उत्तर-पश्चिमी नाइजीरिया में इस्लामिक स्टेट से जुड़े ठिकानों पर मिसाइल हमले किए थे। ट्रंप ने इसे आईएसआईएस के आतंकवादियों पर सीधा प्रहार बताया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा, लेकिन बातचीत से स्थिति सुधरी। नाइजीरिया ने अमेरिका से ट्रेनिंग और इंटेलिजेंस सपोर्ट मांगा, जिसके जवाब में यह तैनाती हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की नीति में धार्मिक उत्पीड़न (खासकर ईसाइयों की सुरक्षा) को प्राथमिकता मिल रही है, जो उनकी विदेश नीति का अहम हिस्सा बन चुकी है। नाइजीरिया की 24 करोड़ की आबादी ईसाई और मुस्लिम समुदायों के बीच लगभग समान रूप से बंटी हुई है। विश्लेषकों का कहना है कि हिंसा का शिकार केवल ईसाई नहीं, बल्कि सभी धर्मों के लोग हो रहे हैं। वास्तव में, अधिकांश हमले मुस्लिम बहुल उत्तरी क्षेत्र में होते हैं, जिससे हताहत होने वालों में मुस्लिम नागरिकों की संख्या अधिक है। क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग हाल के महीनों में यह संकट और गहरा गया है क्योंकि पड़ोसी साहेल क्षेत्र के आतंकी समूह भी नाइजीरिया में घुसपैठ कर रहे हैं। 'जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन' जैसे समूहों ने पिछले साल पहली बार नाइजीरियाई धरती पर हमले की जिम्मेदारी ली थी। दिसंबर में अमेरिकी सेना ने उत्तर-पश्चिम में ढुस्ढुरु से जुड़े लड़ाकों पर हवाई हमले किए थे। अब 100 सैन्य कर्मियों की यह नई तैनाती दर्शाती है कि वाशिंगटन और अबुजा के बीच सैन्य सहयोग फिर से मजबूत हो रहा है। यह तैनाती जंग को तेज करने का संकेत दे सकती है, लेकिन सीमित रूप से। अमेरिकी सैनिक सीधे फायरिंग में नहीं उतरेंगे।

संक्षिप्त समाचार

जेयूः 'योगा-रीसेट योर माइंड बॉडी बैलेंस' कार्यक्रम संपन्न

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। जीवाजी विश्वविद्यालय में मंगलवार को प्रातः 11 बजे 'योगा-रीसेट योर माइंड बॉडी बैलेंस' विषय पर विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर योगिक साइंसेज में संपन्न हुआ, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को मानसिक और शारीरिक संतुलन के प्रति जागरूक करना रहा।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बढ़ते तनाव, अवसाद और मानसिक दबाव के बीच योग के माध्यम से संतुलित एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा योगाभ्यास के जरिए तनाव प्रबंधन और सकारात्मक ऊर्जा के महत्व को समझाया गया। यह आयोजन नेशनल टास्क फोर्स-मेंटल हेल्थ के अंतर्गत किया गया। योग गुरु विकास सोनी ने छात्र-छात्राओं को ताड़ासन, वृक्षासन, अनुलोम-विलोम सहित विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन को भी शांत एवं एकाग्र बनाता है। योग जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करने का सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर प्रो. समीर भाग्यवंत, डॉ. साधना श्रीवास्तव, डॉ. सुनीशा कुलकर्णी, धर्मेन्द्र शर्मा, डॉ. अंकुर श्रीवास्तव, मयंक भावनानी, डॉ. संजीव गुप्ता, डॉ. प्रियदर्शिनी, प्रज्ञा खरे सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर जताया रोष, सामूहिक हड़ताल की चेतावनी

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। मप्र संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ प्रदेश अध्यक्ष

कोमल सिंह के नेतृत्व प्रदेशव्यापी चरणबद्ध आंदोलन के तीसरे चरण में प्रदेश के 30 हजार आउटसोर्स, स्वास्थ्य, कर्मचारियों ने न्याय उचित प्रमुख मांगों को लेकर को कार्यस्थल पर काली पट्टी बांधकर शोषण प्रथा की नीति का विरोध किया। इसी की वजह से 18 फरवरी तक सभी कर्मचारी अपने-अपने कार्यस्थलों पर काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज करायेंगे। इसी क्रम में 23 एव 24 फरवरी को प्रदेश के विभिन्न शासकीय अस्पतालों में सेवाएं दे रहे आउटसोर्स कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहकर भोपाल की सडक़ों पर एकत्रित होकर हल्ला बोल प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाएंगे। मप्र संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की प्रमुख मांगों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत सेवाएं दे चुके आउटसोर्स कर्मचारियों को बिना कोई शर्त के विभाग में तृतीय श्रेणी एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों समायोजन कर नियमित किया जाए अथवा बिना कोई शर्त के संविदा में मर्ज किया जाए। प्रदेश के विभिन्न शासकीय अस्पतालों में निम्न पदों पर सेवाएं दे रहे आउटसोर्स कर्मियों के लिए उत्तर प्रदेश शासन एवं हरियाणा शासन की तर्ज पर ठोस नीति तैयार कर स्थाई समाधान किया जाए। आउटसोर्स कर्मचारी के लिए न्यूनतम 21000 वेतन निर्धारित किया जाए।

10वीं एमपी बोर्ड : 91 केंद्रों पर 26,744 परीक्षार्थी शामिल हुए

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाईस्कूल की परीक्षा के तहत 10वीं की परीक्षा का मंगलवार को अंग्रेजी का पेपर हुआ। इससे पहले हुए दो पेपरों में छात्रों की संख्या ना के बराबर थी। परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थी अपने माता-पिता के साथ सुबह 8 बजे आना शुरू हो गए थे। आठ बजे से परीक्षा केन्द्रों में छात्रों को प्रवेश देना शुरू कर दिया गया। कड़ाई इतनी थी कि 8.30 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं दिया गया। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाईस्कूल परीक्षा मंगलवार से शुरू हो गई है। ग्वालियर से 91 परीक्षा केंद्रों पर 26744 परीक्षार्थी शामिल हुए। इसके लिए बनाए गए हैं। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश देने से पहले परीक्षार्थियों की अच्छे से जांच की गई और उन्हें परीक्षा के नियम भी समझाए गए। कुछ छात्र चंद मिनट की देरी से भी पहुंचे। अंग्रेजी का पेपर होने के कारण परीक्षार्थियों के चेहरे पर तनाव भी देखा गया।

परीक्षार्थियों को तलाशी के बाद मिला प्रवेश

उधर, जिला प्रशासन व माध्यमिक शिक्षा मंडल ने फ्लाइंग स्क्वार्ड सहित नकल रोकने की पूरी तैयारी की थी। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए सात केंद्रों को रिजर्व रखा गया है, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी की गई है। नकल और अन्य अनियमितताओं को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने 14 उडऩ्दस्ते गठित किए हैं। इन दलों में जिला प्रशासन, बोर्ड कार्यालय और शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल हैं, जो परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण करेंगे। केंद्राध्यक्षों और पर्यवेक्षकों को किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई के सख्त निर्देश दिए गए हैं। सभी परीक्षा केंद्रों पर जैमर, फर्नीचर और सुरक्षा व्यवस्था सहित आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। वरिष्ठ अधिकारियों ने केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी निगरानी, प्रश्नपत्रों की सुरक्षित रख-रखाव और समय पर वितरण की विशेष व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन ने परीक्षार्थियों से समय पर केंद्र पर पहुंचने और निर्धारित नियमों का पालन करने की अपील की है। अभिभावकों से भी सहयोग की अपेक्षा की गई है, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण और निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हो सके।

महत्वपूर्ण नंबरों के बोर्ड लगाए

ग्वालियर के सभी परीक्षा केंद्रों पर बोर्ड लगाए गए हैं, जिस पर 10वीं और 12वीं परीक्षा के मांक के अलावा कलेक्टर रुचिका चौहान, सीईओ जिला पंचायत सौजान सिंह रावत और जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी के फोन नंबर लिखे गए हैं। ताकि किसी भी समय कोई भी परेशानी होने पर तत्काल संबंधित नंबरों पर बात की जा सके।

खाद्य विभाग की छापामार कार्रवाई में बड़ा खुलासा

दाल बाजार में मिलावट का काला खेल बेनकाब : लकड़ी के बुरादे और गेहूँ की चोकर से तैयार हो रहे थे मसाले

पदमेश अग्रवाल

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। शहर के प्रतिष्ठित दाल बाजार में लंबे समय से खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर उठ रहे सवाल आखिरकार सही साबित हुए। लगातार प्रकाशित हो रही खबरों और मिलावट के खिलाफ बढ़ते जनदबाव के बाद खाद्य विभाग की टीम ने दाल बाजार की किसमिस वाली गली स्थित कल्ली चक्की वाले के प्रतिष्ठान पर छापामार कार्रवाई कर मिलावट के एक बड़े खेल का पर्दाफाश किया है। कार्रवाई के दौरान जो तथ्य सामने आए, उन्होंने न केवल उपभोक्ताओं की सेहत के साथ किए जा रहे खिलवाड़ को उजागर किया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि अधिक मुनाफे की अंधी दौड़ में कुछ कारोबारी किस हद तक गिर चुके हैं।

खाद्य विभाग की टीम जब मौके पर पहुँची तो प्रतिष्ठान के अंदर बड़ी मात्रा में संदिग्ध सामग्री पाई गई। जांच के दौरान लगभग 50 किलो लकड़ी का बुरादा और करीब 2 क्विंटल गेहूँ की चोकर बरामद हुई, जिन्हें मसालों में मिलाने के उद्देश्य से रखा गया था। इसके अलावा बड़ी मात्रा में धनिया, लाल मिर्च और अन्य मिक्स मसाले भी मौके से मिले, जिनकी गुणवत्ता और शुद्धता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि इन सस्ती और हानिकारक वस्तुओं को मसालों में मिलाकर उन्हें बाजार में बेचा जा रहा था, जिससे न केवल उपभोक्ताओं के साथ धोखा हो रहा था, बल्कि उनकी सेहत को भी गंभीर खतरा पैदा हो रहा था।

खाद्य विभाग की टीम ने मौके से सभी संदिग्ध मसालों के नमूने लेकर उन्हें प्रयोगशाला जांच के लिए भेज दिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनमें किस स्तर तक मिलावट की गई थी और कौन-कौन से हानिकारक तत्व शामिल थे। विभाग ने कार्रवाई करते हुए प्रतिष्ठान को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया है और उसके कारोबार पर पूर्णतः रोक लगा दी गई है। इस कार्रवाई से दाल बाजार के अन्य कारोबारियों में भी हडक़ंप मच गया है और मिलावट के धंधे में लिप्त लोगों के बीच भय का माहौल देखा जा रहा है।

जनस्वास्थ्य के साथ विश्वासघात

मसाले भारतीय रसोई का अभिन्न हिस्सा हैं और इन्हीं के माध्यम से भोजन का स्वाद और गुणवत्ता तय होती है। ऐसे में मसालों में लकड़ी का बुरादा और गेहूँ की चोकर जैसी अनुपयोगी और हानिकारक वस्तुओं की मिलावट करना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि यह सीधे तौर पर जनस्वास्थ्य के साथ गंभीर विश्वासघात भी है। इस प्रकार की मिलावट से पाचन तंत्र संबंधी समस्याएँ, एलर्जी और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

लगातार खबरों का असर, हरकत में आया प्रशासन

खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर लगातार प्रकाशित हो रही खबरों ने इस पूरे मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जनहित में उठाई गई इस मुहिम का ही परिणाम है कि खाद्य विभाग को कार्रवाई के लिए मजबूर होना पड़ा और मिलावट के इस काले खेल का पर्दाफाश हुआ। यह कार्रवाई न केवल दोषियों के खिलाफसख्त संदेश है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि यदि जागरूकता और पत्रकारिता का दायित्व मजबूती से निभाया जाए तो समाज में छिपी बुराइयों को उजागर किया जा सकता है।

मिलावटखोरों के खिलाफसख्त कार्रवाई की जरूरत

इस घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि बाजार में मिलावट का जाल कितना गहरा फैल चुका है। आवश्यकता इस बात की है कि खाद्य विभाग नियमित रूप से ऐसे प्रतिष्ठानों की जांच करे और दोषियों के खिलाफसख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे, ताकि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों पर पूरी तरह लगाम लगाई जा सके। साथ ही, उपभोक्ताओं को भी जागरूक रहने और संदिग्ध खाद्य पदार्थों की सूचना संबंधित विभाग को देने की जरूरत है।

दाल बाजार में हुई इस कार्रवाई ने मिलावटखोरों के चेहरों से नकाब हटाने का काम किया है। अब देखना यह होगा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद प्रशासन दोषियों के खिलाफकितनी कठोर कार्रवाई करता है और क्या इस कार्रवाई से मिलावट के इस काले कारोबार पर स्थायी अंकुश लग पाता है या नहीं।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी बीके श्रीमणि ने बताया कि छापामार कार्रवाई के दौरान मौके से लकड़ी का बुरादा, गेहूँ की चोकर और मसाले बरामद हुए हैं। सभी संदिग्ध मसालों के नमूने लेकर उन्हें प्रयोगशाला जांच के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रतिष्ठान को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया है और जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

किराना दुकान से शराब बेचते बुजुर्ग पकड़ा, 100 क्वार्टर जब्त

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। उटीला थाना क्षेत्र के ग्राम सोंसा में किराना दुकान से देशी शराब बेच रहे एक बुजुर्ग को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पकड़ा है। दुकान की तलाशी लेने पर वहां से दो पेटी शराब मिली, जिसमें 100 क्वार्टर रखे हुए थे। पुलिस ने शराब जब्त करने के साथ आरोपी को पकड़ा और थाने ले आई। उटीला थाना प्रभारी नरेन्द्र सिंह सिसोदिया को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम सोंसा में किराना दुकान से अवैध शराब बेची जा रही है और बड़ी मात्रा में शराब रखी है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और किराना दुकान में छापा मारा। दुकान के अंदर दो पेटी में देशी शराब को भरकर रखा गया था। पुलिस ने शराब से भरी पेटी जब्त की, जिसमें 100 क्वार्टर रखे हुए थे और आरोपी पंचम सिंह यादव पुत्र लाखाराम यादव को पकडक़र थाने ले आई। थाना प्रभारी नरेन्द्र सिंह सिसोदिया ने जब पूछताछ शुरु की तो आरोपी लाखाराम ने बताया कि वह आस-पास की दुकानों से देशी शराब खरीदकर लाता है और गांव में बेचता है। आरोपी से जब यह पूछा गया कि बाजार में तो क्वार्टर का दाम 80 रुपए है तो 70 रुपए में कैसे बेच रहे हो तो आरोपी ने कोई जवाब नहीं दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि आशंका है कि दुकानों से शराब लाने के बाद उसमें मिलावट की जाती है, इसलिए शराब की जांच करवाई जा रही है।

अपर आयुक्त ने जनसुनवाई में आमजनों की समस्याएं सुनी

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। नगर निगम की जनसुनवाई में लोगों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने बताई। साथ ही कई बार अधिकारियों द्वारा लापरवाही बरतने की शिकायत भी की गई। जनसुनवाई में अपर आयुक्त मुनीश सिकरवार, प्रदीप तोमर ने अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई कर लोगों की समस्याओं का निराकरण करने का निर्देश दिया। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसनुवाई में आने वाली समस्याओं का निराकरण गंभीरतापूर्ण के साथ संतुष्टिपूर्ण करें। जिससे आवेदक को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए बार बार जनसुनवाई के चक्कर न लगाने पड़ें। सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में वार्ड 18 निवासी विशाल सिंह तोमर ने बताया कि आदर्श नगर अम्बिका स्कूल के पास सीवर लाइन ओवरफ्लो हो रही है, जिसके कारण सीवर का पानी सडक पर फैल रहा है, यह पानी ट्रांसफार्मर तक पहुंच चुका है, लेकिन अभी तक इस सनस्या का समाधान नहीं किया गया है। कई बार सीएम हेल्प लाइन में भी शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है, लेकिन अभी तक समाधान नहीं हुआ है। किलागेट से आए आवेदक ने बताया कि उसके क्षेत्र में भैंस डेयरी संचालक द्वारा गोबर की गदंगी लगातार सीवर लाइनों में बहाई जा रही है, जिसके कारण सीवर लाइन बार-बार चोक हो रही है। अपर आयुक्त ने सीवर लाइन में गोबर बहाने वाले डेयरी संचालक के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसी प्रकार पुरानी छावनी मरघट के सामने के निवासीगणों ने आवेदन देते हुए बताया कि क्षेत्र से एक पुराना नाला निकला है जो कि टूटने के कारण बरसात के समय क्षेत्र में जलभराव हो जाता है आवेदकों ने नाला बनवाये जाने की मांग की। इस मामले में इंजीनियरों द्वारा मौजूदा स्थिति के आंकलन करने के निर्देश दिए गए हैं। अपर आयुक्त ने सुनवाई करते हुए कुछ समस्याओं का निराकरण के लिए संबधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

एसयूसीआई ने निजीकरण के खिलाफप्रदर्शन कर ज्ञापन दिया

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। राज्यव्यापी विरोध दिवस के अवसर पर कंपू चौराहा पर एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) पार्टी द्वारा बिजली, पानी, शिक्षा, इलाज के निजीकरण के खिलाफ प्रदर्शन कर न्यू कमिश्नर कार्यालय पर एडीएम को ज्ञापन दिया। मंगलवार को एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) पार्टी द्वारा कंपू चौराहे नेहरू पार्क पर बिजली, पानी, शिक्षा, इलाज के निजीकरण के खिलाफ प्रदर्शन कर न्यू कमिश्नर कार्यालय पर ज्ञापन दिया गया।

प्रदर्शन में पार्टी की जिला सचिव रचना अग्रवाल ने कहा की इंसान को जीने के लिए उसके मूलभूत आवश्यकता की चीजों जैसे बिजली, पानी, शिक्षा, इलाज सभी चीजों को सरकार निजी हाथों में सौंपती जा रही है। इस कमर तोड़ महंगाई में सरकार आम जनता पर करो का बोझ लादती जा रही है और सेवाओं में कटौती करती जा रही है। तथाकथित सर्वोत्तम स्वच्छ शहर कहलाने वाला इंदौर जहां अब तक दूषित पानी के कारण 33 लोगों की मौत हो चुकी है। यह कोई हादसा नहीं बल्कि नगर निगम और राज्य सरकार के घोर लापरवाही से हुआ अपराध है लोग गंदा पानी पीने को मजबूर थे।

शिकायतों के बावजूद लाइन बदलने और मरम्मत नहीं की गई, बिजली के निजीकरण के लिए सभी घरों में स्मार्ट मीटर जबरदस्ती लगाए जा रहे हैं आम मेहनती मजदूर वर्ग को दबाए रखने वह उनके अधिकारों से वंचित रखने के लिए कोरोना काल में चार लेबर कोड पास कर दिया गया जो कि घोर निंदनीय है।

मिलावट का कारोबार4 — एक सुर मे बोले व्यापारी गंभीर अपराध की धारा मे दर्ज हो मामल3

खाद्य विभाग को कल्ली चक्की पर मिला लकड़ी का बुरादा और जहर का कारोबार

अब मिलावटखोरों पर शिकंजा कसने की मांग तेज

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। दाल बाजार की किसमिस वाली गली स्थित कल्ली चक्की पर खाद्य विभाग की सैंपलिंग कार्रवाई के दौरान लकड़ी का बुरादा पाए जाने की खबर ने पूरे व्यापार जगत और शहरवासियों को झकझोर कर रख दिया है। यह मामला केवल नियमों के उल्लंघन का नहीं, बल्कि सीधे-सीधे लोगों की सेहत और जीवन के साथ खिलवाड़ का है। जैसे ही यह खबर सामने आई, शहर के प्रतिष्ठित कारोबारियों, व्यापारिक संगठनों और जिम्मेदार पदाधिकारियों ने एक स्वर में इस काले कारोबार के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग उठाई। हालांकि इससे पूर्व भी खाद्य विभाग द्वारा दाल बाजार मे दयाराम साहू, ओमकार पिसाई एवं बालाजी पिसाई केंद्र पर सैंपलिंग की कार्यवाही की थी इस दौरान भी आपत्तिजनक सामग्री पाई गई थी!

मध्यप्रदेश चेम्बर ऑफकॉमर्स एन्ड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष प्रवीन अग्रवाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि चेम्बर का रुख पूरी तरह सख्त है और इस तरह की हरकत करने वालों के लिए व्यापारिक समाज में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि चेम्बर ने पूर्व में भी गंभीर मामलों में कई सदस्यों की सदस्यता समाप्त की है और भविष्य में भी ऐसे मिलावटखोरों को किसी भी कीमत पर संरक्षण नहीं दिया जाएगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि कार्रवाई की आड़ में ईमानदार व्यापारियों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए।

कैट के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेंद्र जैन ने इस मामले को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि जो लोग खाद्य पदार्थों में मिलावट कर आमजन की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं, उनके खिलाफ जघन्य अपराध की धाराओं में मामला दर्ज होना चाहिए। उन्होंने दाल बाजार व्यापार समिति से भी अपील की है कि ऐसे तत्वों के खिलाफसंगठन स्तर पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

दाल बाजार व्यापार समिति के अध्यक्ष दिलीप पंजवानी ने स्पष्ट किया कि व्यापार समिति किसी भी कीमत पर मिलावट के कारोबार को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि समिति का प्रयास रहेगा कि बाजार में केवल शुद्ध और गुणवत्ता युक्त माल ही बिके, जिससे दाल बाजार की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता बनी रहे।

व्यापार समिति के सचिव विवेक जैन ने बताया कि कल्ली शाह व्यापार समिति का सदस्य नहीं है, लेकिन यदि समिति का कोई भी सदस्य इस प्रकार के कृत्य में संलिप्त पाया गया तो उसे तत्काल निष्कासित कर दिया जाएगा।

मौसमः दिन में गर्मी, रांत में गुलाबी ठंड

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।

फरवरी के दूसरे पखवाड़े में दिन का तापमान आसमान छूने लगा है, जबकि रात में गुलाबी ठंड रह गई है। दिन में गर्मी से लोगों को पसीना आ रहा है, जबकि शाम होते ही हल्की ठंडक शुरू हो रही है। तापमान लगातार सामान्य से अधिक बना हुआ है। शहर का न्यूनतम तापमान 13 डिग्री दर्ज किया गया जो कि सामान्य से 1.8 डिग्री अधिक है, जबकि अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री दर्ज किया गया जो कि सामान्य से 4.8 डिग्री अधिक है। ऐसे में दिन में गर्मी सता रही है तो शाम ढलते ही गुलाबी ठंडक का अहसास हो रहा है। मौसम में आ रहे अचानक बदलाव से लोग बीमार हो रहे हैं। आसमान में बादल गायब होने के कारण सुबह से ही तेज धूप खिल रही है।

सुबह 10 बजते बजते धूप अपने शबाब पर आ रही है। जिसके कारण लोगों को गर्मी का अहसास हो रहा है। थोड़ी देर के लिए दिन में बाहर निकलों तो पसीना आने लगता है। वहीं शाम होते ही हल्की सर्दी का अहसास हो रहा है। दिन में तेज धूप और शाम होते ही हल्की ठंडक के कारण लोगों के शरीर पर भी बुरा असर पड़ रहा है। लोग बीमार हो रहे हैं, अस्पतालों में कतारें लगी हुई हैं।

आज नीदरलैंड के खिलाफ अभिषेक से आक्रामक पारी का इंतजार रहेगा, स्पिनरों के सामने सुधार करना चाहेगा भारत

अहमदाबाद (एजेंसी)। अपनी पिछली दो पारियों में खाता खोलने में नाकाम रहे सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा नीदरलैंड के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप के मैच में बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगे जबकि भारतीय टीम के अन्य बल्लेबाज भी सुपर आठ चरण से पहले स्पिन के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। अभिषेक शर्मा ने पिछले 18 महीने में खुद को इस प्रारूप का खतरनाक खिलाड़ी साबित किया है लेकिन घरेलू मैदान पर खेली जा रही आईसीसी प्रतियोगिता में वह अभी तक

अपना जलवा नहीं दिखा पाए हैं।

अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में शून्य पर आउट होने के बाद वह पेट के संक्रमण के कारण नामीबिया के खिलाफ दूसरे मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में वापसी की लेकिन खाता खोलने में नाकाम रहे। लेकिन दूसरे छोर पर ईशान किशन की शानदार फॉर्म के कारण अभिषेक के बल्ले से रनों की कमी का टीम की स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ा है। अभिषेक जोखिम लेने से नहीं कतराते हैं और उनकी इस तरह की बेखौफ बल्लेबाजी से भारत को कई मैच में जीत भी मिली है। लेकिन इस 25 वर्षीय बल्लेबाज का पिछली छह पारियों में चार बार शून्य पर आउट होना यह संकेत देता है कि उन्हें पावरप्ले में अपनी रणनीति की समीक्षा करने की जरूरत है।

अभिषेक की आक्रामक बल्लेबाज की छवि को देखते हुए यह स्पष्ट है कि विरोधी टीमों ने भारत के इस सलामी बल्लेबाज का सामना करने के लिए अतिरिक्त तैयारी की है। अभिषेक के स्वयं यह स्वीकार करते हैं कि उनके पास टीम के अन्य बल्लेबाजों की तरह शॉट की व्यापक रेंज नहीं है और वह क्रीज का उपयोग करने और अपने बल्ले की स्विंग पर भरोसा करते हैं ताकि विपक्षी टीम में खौफ पैदा कर सकें। उन्हें पावरप्ले में डीप कवर बाउंड्री पर शॉट मारना पसंद है और विरोधी टीमों ने उनके लिए उस क्षेत्र में एक फील्डर तैनात करके समझदारी दिखाई है।

सुनील गावस्कर की अभिषेक शर्मा को सीधी सलाह, पहले सेट हो फिर आक्रमकता दिखाओ

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में युवा ओपनर अभिषेक शर्मा की शुरुआत उम्मीदों के अनुरूप नहीं रही है। लगातार दो बार शून्य पर आउट होने के बाद उनके खेल और अप्रोच पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने उन्हें बेहद सरल लेकिन अहम सलाह दी है। गावस्कर का मानना है कि बड़े टूर्नामेंट में दबाव से निपटने के लिए बुनियादी बातोंह्यह्य पर लौटना जरूरी है। उनका संदेश साफ है कि पहले खुद को सेट करो, फिर अपना स्वाभाविक आक्रामक खेल दिखाओ। पूर्व दिग्गज बल्लेबाज गावस्कर ने एक इंटरव्यू में अभिषेक को सलाह दी कि पारी की शुरुआत में जल्दबाज़ी से बचें। उन्होंने कहा कि आक्रामक शॉट खेलने से पहले सिर्फ एक तेज़ सिंगल लें, ताकि शरीर और दिमाग दोनों मैच की लय में आ सकें। गावस्कर के मुताबिक, पहले एक सिंगल लो, फिर खुलकर खेलो। जब तक आप रन बोर्ड पर नहीं लगाते, आत्मविश्वास पूरी तरह नहीं आता। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अच्छे फॉर्म को हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि कई बल्लेबाज़ शानदार फॉर्म के बाद जरूरत से ज्यादा आक्रामक होने की कोशिश में गलती कर बैठते हैं।

क्या टी20 वर्ल्ड कप 2026 में फिर होगा भारत-पाक में महामुकाबला?

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कोलंबो में खेले गए मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की और सुपर-8 में जगह पक्की कर ली। यह टी20 विश्व कप इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की 8वीं जीत रही। इस हार के बाद पाकिस्तान की सुपर-8 में पहुंचने की राह मुश्किल हो गई है।

टूर्नामेंट का पूरा फॉर्मेट

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कुल 20 टीमों को 4 ग्रुप (ए-बी-सी-डी) में बांटा गया है। हर ग्रुप से टॉप-2 टीमें सुपर-8 में पहुंचती हैं। सुपर-8 में 8 टीमों को दो ग्रुप (ग्रुप-1 और ग्रुप-2) में बांटा जाएगा। हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी।

सुपर-8 में भारत-पाक मुकाबला क्यों मुश्किल?

आईसीसी ने टूर्नामेंट से पहले ही प्री-सीडिंग सिस्टम लागू किया था। भारत को एक्स 1 (ग्रुप-1), पाकिस्तान को बाय 3 (ग्रुप-2), यानी सुपर-8 में दोनों टीमें अलग-अलग ग्रुप में रहेंगी। इसलिए सुपर-8 चरण में भारत और पाकिस्तान का दोबारा आमना-सामना संभव नहीं है।

तो फिर कैसे हो सकती है दोबारा भिड़ंत?

सेमीफाइनल में- भारत-पाकिस्तान सेमीफाइनल में तभी भिड़ सकते हैं जब- एक टीम अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहे, दूसरी टीम दूसरे ग्रुप में दूसरे स्थान पर, अगर दोनों टीमें अपने-अपने ग्रुप में टॉप पर रहती हैं या दोनों दूसरे स्थान पर रहती हैं, तो सेमीफाइनल में भी मुकाबला संभव नहीं होगा ह्यह्य

एक ओवर में कूटे 20 रन, 22 गेंद में ठोकी फिफ्टी

इटली के बल्लेबाज बेन मानेंटी ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली तूफानी पारी

कोलकाता (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 29वें मुकाबले में भले ही इटली को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उसके मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज बेन मानेंटी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींच लिया। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए इस मुकाबले में मानेंटी ने इंग्लैंड के गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए सिर्फ 22 गेंदों में अर्धशतक ठोक दिया।

203 रन का पीछा, शुरुआत रही बेहद खराब - 203 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी इटली की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने महज 23 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। ऐसा लग रहा था कि मैच एकतरफा हो जाएगा, लेकिन ओपनर जस्टिन मोस्का और बेन मानेंटी ने पारी को संभाला। मोस्का ने एक छोर थामे रखा, जबकि मानेंटी ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए गेंदबाजों पर दबाव बना दिया।

- 22 गेंद में फिफ्टी, विल जैक्स के ओवर में 20 रन - मानेंटी ने चौके-छक्कों की झड़ी लगाते हुए महज 22 गेंदों में फिफ्टी पूरी की। खास तौर पर विल जैक्स के एक ओवर में उन्होंने दो चौके और दो छक्के जड़ते हुए 20 रन बटोर लिए। 28 वर्षीय इस बल्लेबाज ने 25 गेंदों में 60 रन की पारी खेली, जिसमें चार चौके और तीन छक्के शामिल थे। मोस्का (43) के साथ उनकी 92 रन की साझेदारी ने इंग्लैंड की धड़कनें बढ़ा दीं।
- ओवरटन और करन ने पलटा मैच - हालांकि जेमी ओवरटन ने मानेंटी को आउट कर इंग्लैंड को राहत दिलाई। इसके बाद ग्रांट स्टीवर्ट ने 23 गेंदों में 45 रन की तेज पारी खेलकर इटली की उम्मीदें जिंदा रखीं, लेकिन सैम करन ने उनका विकेट लेकर मैच पर इंग्लैंड की पकड़ मजबूत कर दी।
- मैच का नतीजा- 24 रन से जीता इंग्लैंड - इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 202 रन बनाए। जवाब में इटली की टीम 178 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड ने 24 रन से जीत दर्ज कर सुपर-8 में जगह बना ली।

फ़ीडे फ्रीस्टाइल विश्व चैंपियनशिप फाइनल में कारुआना से होगी कार्लसन की टक्कर

वाइजनहाउस ,जर्मनी (एजेंसी)। फ़ीडे फ्रीस्टाइल शतरंज विश्व चैम्पियनशिप 2026 के फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नॉर्वे के मैगनस कार्लसन का सामना अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो करुआना से होगा। दोनों खिलाड़ियों ने शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। कार्लसन के पास अब अपने करियर का 21वां विश्व खिताब जीतने का मौका है।

कार्लसन ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को 3-1 से पराजित किया। पहले दो मुकाबले ड्रॉ रहे, लेकिन तीसरे गेम में निर्णायक क्षण पर अब्दुसत्तोरोव की एक गलती का फायदा उठाते हुए कार्लसन ने बढ़त बना ली। चौथे गेम में भी नॉर्वेजियन स्टार ने दबाव बनाए रखा और मैच अपने नाम किया।

कार्लसन ने मुकाबले के बाद कहा कि यह बेहद कठिन मैच था और अब्दुसत्तोरोव हर बार उनके खिलाफ और मजबूत होकर खेलते हैं।

दूसरे सेमीफाइनल में कारुआना ने जर्मनी के विंसेंट कीमर को 2-1-2-1-1-2 से मात दी। करुआना ने पहले गेम में काले मोहरों से शानदार जीत दर्ज कर बढ़त बनाई। तीसरे गेम में हार झेलने के बावजूद उन्होंने चौथे मुकाबले में दमदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

2027 के लिए क्वालीफिकेशन तय

फाइनल में पहुंचते ही कार्लसन और कारुआना ने 2027 फिडे फ्रीस्टाइल विश्व चैम्पियनशिप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। तीसरा और अंतिम स्थान तीसरे स्थान के मुकाबले में अब्दुसत्तोरोव और कीमर के बीच तय होगा।

अन्य मुकाबलों के परिणाम

5वें से 8वें स्थान के मुकाबलों में यूएसए के हंस नीमन ने लेवोन अरोनियन को 2-1-2-1-2-2 से हराया, जबकि भारत के अर्जुन एरिगैसी ने विश्व कप विजेता उज्बेकिस्तान के जावोखीर सिंदारोव को 3-1 से पराजित किया। अब नीमन और अर्जुन पांचवें स्थान के लिए भिड़ेंगे, जबकि अरोनियन और सिंदारोव सातवें स्थान के लिए खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के लिए मुश्किल है राह, जिम्बाब्वे के पास सुनहरा मौका, सुपर-8 में पहुँचने के पूरे मौके

कोलंबो (एजेंसी)। क्रिकेट इतिहास की सबसे सफल टीम ऑस्ट्रेलिया पर टी20 विश्व कप 2026 के पहले ही राउंड से बाहर होने का खतरा मंडरा गया है। आयरलैंड को हराने के बाद ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया की टीम जिम्बाब्वे और श्रीलंका से हार गई। हर ग्रुप में 5 टीमें हैं और इसमें से सिर्फ दो को ही सुपर-8 में जगह मिलेगी। ग्रुप बी से श्रीलंका तीन मैचों में तीन जीत के साथ सुपर-8 में जगह बना चुका है। वहीं ओमान की टीम रेस से बाहर हो चुकी है। अब सुपर-8 के एक स्थान के लिए जिम्बाब्वे, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड के बीच टक्कर है। 17 फरवरी को कोलंबो में बारिश हो रही थी इसीलिए अगर आयरलैंड के साथ मैच रद्द होता है तो एक पाइंट जिम्बाब्वे को मिल जाएगा और वह सुपर 8 में पहुँच जाएगी।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 ग्रुप बी के बचे हुए मैच

जिम्बाब्वे -आयरलैंड- 17 फरवरी
श्रीलंका - जिम्बाब्वे- 19 फरवरी
ऑस्ट्रेलिया - ओमान- 20 फरवरी

ऑस्ट्रेलिया को किस्मत का सराहा चाहिए

ऑस्ट्रेलिया को सुपर-8 में जगह बनानी है तो किस्मत का सहारा चाहिए। उसका मैच ग्रुप में सबसे अंत में है। उसे उम्मीद करनी होगी कि जिम्बाब्वे को आयरलैंड के साथ ही श्रीलंका से हार मिल जाए। इस स्थिति में जिम्बाब्वे के 4 पॉइंट ही रह जाएंगे। इसके साथ ही हार से उसका नेट रन रेट भी खराब होगा। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया की टीम ओमान को रौंदकर सुपर-8 में जगह बना सकती है।

जिम्बाब्वे को सिर्फ एक जीत चाहिए

जिम्बाब्वे ने अभी तक खेले अपने दोनों मैच जीते हैं। उसे सुपर-4 में जगह बनाने के लिए सिर्फ एक ही जीत की जरूरत है। 17 फरवरी को अगर आयरलैंड के खिलाफ उसे जीत

मिलती है तो वह सुपर-8 में पहुंच जाएगी। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो जाएगा। जिम्बाब्वे की टीम अभी तक सिर्फ एक ही बार टी20 विश्व कप इतिहास में दूसरे राउंड तक पहुंची है।

आयरलैंड की टीम भी अभी बाहर नहीं हुआ है। अगर उसने जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत हासिल कर ली तो भी ऑस्ट्रेलिया को ओमान के खिताब जीत हासिल करनी पड़ेगी।

ऑस्ट्रेलिया पहले भी ग्रुप राउंड से बाहर हो चुकी

ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 2021 टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। 2009 का टूर्नामेंट एकमात्र टी20 विश्व कप था जब ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप राउंड से बाहर हो गई थी। टीम श्रीलंका और वेस्टइंडीज के साथ ग्रुप में थी। उसे दोनों मैचों में हार मिली और ग्रुप राउंड में ही सफर समाप्त हो जाएगा।

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में मोहम्मद शमी का कहर, चयनकर्ताओं को दिया मजबूत संदेश

बंगाल (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि क्लास कभी पुरानी नहीं होती। रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में बंगाल की ओर से खेलते हुए शमी ने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ आठ विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। 35 वर्षीय अनुभवी पेसर ने कल्याणी में अपनी धारदार गेंदबाज़ी से विपक्षी बल्लेबाज़ों को टिकने का मौका नहीं दिया। उनके इस प्रदर्शन ने टीम इंडिया में संभावित वापसी की चर्चाओं को फिर से तेज़ कर दिया है।

सेमीफाइनल में घातक स्पेल

कल्याणी के बंगाल क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे मुकाबले में शमी ने पहली पारी में कहर बरपाया। उन्होंने 59वें ओवर में पांच विकेट पूरे किए और जम्मू-कश्मीर की बल्लेबाज़ी को पूरी तरह झकझोर दिया। शमी की रफ्तार, लाइन-लेंथ और अनुभव ने बल्लेबाज़ों को लगातार दबाव में रखा। विकेटकीपर-बल्लेबाज़ कन्हैया वधावन का विकेट उनके स्पेल का अहम मोड़ रहा, जिसके बाद बंगाल ने मैच पर पूरी पकड़ बना ली।

इस सीजन में शानदार लय

यह प्रदर्शन कोई एक दिन का चमत्कार नहीं है। शमी इस रणजी सीजन में लगातार प्रभावी रहे हैं। अब तक सात मैचों में वह 38 विकेट झटक चुके हैं, जिसमें तीन बार पांच विकेट हॉल भी शामिल है। पिछले महीने सर्विसेज़ के खिलाफ उन्होंने दूसरी पारी में 5/51 का शानदार आंकड़ा दर्ज किया था। उनकी गेंदबाज़ी में पुरानी धार साफ दिख रही है, जो बताती

है कि फिटनेस और फॉर्म दोनों उनके साथ हैं।

चयनकर्ताओं के लिए बड़ा संकेत

हालिया समय में भारत की तेज़ गेंदबाज़ी आक्रमण को लेकर चर्चा होती रही है। ऐसे में शमी का घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन चयनकर्ताओं के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्हें न्यूज़ीलैंड के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज़ में मौका नहीं मिला और 2026 टी20 विश्व कप की टीम में भी जगह नहीं मिली। चोट के कारण बदलाव में मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया। बावजूद इसके, शमी ने हिम्मत नहीं हारी और अपने खेल से जवाब देने का रास्ता चुना।

सीमित ओवरों में भी प्रभाव

रेड-बॉल क्रिकेट के अलावा शमी ने विजय हजारे ट्रॉफी में भी शानदार प्रदर्शन किया। सात मैचों में 15 विकेट लेने के साथ उनकी इकॉनमी 6.09 रही, जो सीमित ओवरों के प्रारूप में उनकी उपयोगिता दर्शाती है। हालांकि उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान था, लेकिन तब से वह घरेलू स्तर पर लगातार प्रभाव छोड़ रहे हैं।

बंगाल की मजबूत स्थिति

बल्लेबाजी में सुदीप कुमार घरामी ने 146 रन की शानदार पारी खेलकर बंगाल को पहली पारी में 328 रन तक पहुंचाया। इसके बाद शमी की अगुवाई में गेंदबाज़ों ने जम्मू-कश्मीर को दबाव में रखा, जिससे सेमीफाइनल में बंगाल की स्थिति मजबूत हो गई।

वर्ल्डकप में युवराज समरा की ऐतिहासिक उपलब्धि

चेन्नई (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 में कनाडा के युवा बल्लेबाज युवराज समरा ने ऐसी पारी खेली, जिसने एसोसिएट देशों के क्रिकेट इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ चेन्नई में खेली गई उनकी 110 रन की धमाकेदार पारी अब टी20 विश्व कप में किसी भी एसोसिएट टीम के बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बन चुकी है। इस शतक ने न केवल समरा को अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में ला खड़ा किया, बल्कि यह भी साबित किया कि उभरती टीमें अब बड़े मंच पर मुकाबला करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

110 रन की रिकॉर्डतोड़ पारी

युवराज समरा ने 65 गेंदों पर 110 रन बनाकर इतिहास रच दिया। उनकी पारी में 11 चौके और 6 छक्के शामिल रहे, जो उनकी आक्रामक मानसिकता और बेहतरीन टाइमिंग को दर्शाते हैं। उन्होंने शुरुआत से ही सकारात्मक क्रिकेट खेला और न्यूजीलैंड जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। यह पारी

सिर्फ एक शतक नहीं थी, बल्कि एसोसिएट क्रिकेट की बढ़ती ताकत का प्रतीक भी थी।

टी20 विश्व कप में इससे पहले एसोसिएट देशों के बल्लेबाजों ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किए हैं, लेकिन समरा का 110 रन का आंकड़ा सबसे ऊपर पहुंच गया है। अमेरिका के एरॉन जोन्स ने 2024 में 94* रन बनाए थे, जो लंबे समय तक शीर्ष स्कोर रहा। स्कॉटलैंड के माइकल जोन्स (86) और जॉर्ज मुनसे (84) ने भी यादगार पारियां खेली थीं। वहीं अमेरिका के एंड्रीज़ गौस ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 80* रन बनाकर अपनी छाप छोड़ी थी। इन सभी पारियों के बीच युवराज समरा का शतक अब नया बेंचमार्क बन चुका है।

बड़े मंच पर परिपक्व बल्लेबाजी

समरा की पारी की खास बात उनका संयम और मैच की परिस्थितियों को समझने की क्षमता रही। उन्होंने पावरप्ले में तेज शुरुआत की, फिर बीच के ओवरों में स्ट्राइक रोटेट करते हुए पारी को संभाला और अंत में आक्रामक अंदाज में रन गति बढ़ाई। 19 साल की उम्र में इतनी परिपक्व बल्लेबाजी दर्शाती है कि वे लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रभाव छोड़ सकते हैं।झकनाडा क्रिकेट लंबे समय से वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। युवराज समरा की यह पारी टीम के लिए प्रेरणास्रोत साबित हो सकती है।

रचिन और फिलिप्स के अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने भी मारी सुपर 8 में एंट्री

चेन्नई में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप मुकाबले में न्यूजीलैंड ने कनाडा को 8 विकेट से हराकर सुपर-8 में अपनी जगह पक्की कर ली। 174 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कीवी टीम ने 15.1 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 175 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। टीम ने 29 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

न्यूजीलैंड को शुरुआत में कुछ झटके जरूर लगे, लेकिन इसके बाद रचिन रविंद्र और ग्लेन फिलिप्स ने पारी को संभाल लिया।दोनों बल्लेबाजों ने संयम और आक्रामकता का शानदार मिश्रण दिखाते हुए कनाडाई गेंदबाजों को दबाव में रखा। रचिन रविंद्र ने 38 गेंदों में 55 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 3 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उन्होंने अपना अर्धशतक छक्के के साथ पूरा किया। शिवम शर्मा की गेंद पर मिडविकेट के ऊपर लगाया गया उनका छक्का मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। विजयी चौका जस्करनदीप सिंह की गेंद पर पुल शॉट लगाकर आया, जिसके साथ ही कीवी कैंप में जश्न शुरू हो गया। ग्लेन फिलिप्स ने भी जिम्मेदारी से बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक जमाया और रविंद्र के साथ मैच को आसानी से खत्म किया।दोनों के बीच मजबूत साझेदारी ने कनाडा की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

आईआईएफएल फाईनेंस ने 9 प्रतिशत सालाना रिटर्न के साथ 2000 करोड़ के बॉन्ड जारी किए

मुंबई, एजेंसी। देश की प्रमुख नॉन-बैंकिंग फाईनेंशियल कंपनियों (एनबीएफसी) में से एक, आईआईएफएल फाईनेंस लिमिटेड ने रिडीमेबल नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) के पब्लिक इश्यू जारी किए हैं, जो मंगलवार, 17 फरवरी, 2026 से मिलना शुरू होंगे। इनका इश्यू साईज़ 500 करोड़ रुपये है, और 1,500 करोड़ रुपये तक का ओवरसब्सक्रिप्शन बनाए रखने के लिए ग्रीन-शू विकल्प है। इस प्रकार कुल इश्यू साईज़ 2,000 करोड़ रुपये का होगा। इस फंड का उद्देश्य कंपनी के व्यवसाय में वृद्धि करना और पूंजी बढ़ाना है।

श्री निर्मल जैन, फाउंडर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, आईआईएफएल फाईनेंस ने कहा कि, ''आईआईएफएल फाईनेंस भारत के प्रमुख एनबीएफसी में से एक है। यह पूरे देश में मजबूत स्थिति रखता है। इसका डाईवर्सिफाईड रिटेल पोर्टफोलियो 4.6 मिलियन से अधिक वंचित ग्राहकों को क्रेडिट प्रदान करता है। इस प्रस्तावित फंड के माध्यम से हम क्रेडिट की उपलब्धता और अधिक बढ़ाएंगे तथा अपने फंडिंग स्रोतों का विस्तार करेंगे। पिछले कुछ सालों में आईआईएफएल फाईनेंस ने बॉन्ड के माध्यम से फंड एकत्रित करने का एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है तथा मूल राशि एवं ब्याज का समय पर भुगतान किया है।''

इस एनसीडी द्वारा 9 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक का प्रभावी रिटर्न मिलेगा और यह 24 महीनों, 36 महीनों, और 60 महीनों की अवधियों के लिए उपलब्ध होगा। ब्याज का पे-आउट मासिक, वार्षिक या मैच्योरिटी के बाद लिया जा सकता है।

इस इश्यू को क्राईसिल रेटिंग्स ने क्राईसिल एए/स्टेबल रेटिंग दी है। ब्रिकवर्क रेटिंग्स द्वारा इसे बीडब्लूआर एए+ (स्टेबल) रेटिंग दी गई है, जिससे प्रदर्शित होता है कि इनमें बहुत कम क्रेडिट रिस्क है और ये फाईनेंशियल दायित्वों को समय पर पूरा करने के लिए बहुत ज्यादा सुरक्षित हैं।

31 दिसंबर, 2025 को आईआईएफएल फाईनेंस के पास 98,336 करोड़ रुपये के कंसोलिडेटेड लोन एस्सेट्स अंडर मैनेजमेंट (ए.यू.एम) थे। कंपनी लगातार मजबूत एस्सेट क्वालिटी बनाकर रखती है। 31 दिसंबर, 2025 को कंपनी की कंसोलिडेटेड लोन बुक के प्रतिशत हिस्से में कंपनी के पास 1.60 प्रतिशत ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एस्सेट (एनपीए) और 0.75 प्रतिशत नेट एनपीए हैं।

लोन बुक को पर्याप्त कोलेटरल द्वारा सुरक्षित कर लिया गया था

इसके अलावा, 31 दिसंबर, 2025 को कंपनी की 83.61 प्रतिशत कंसोलिडेटेड लोन बुक को पर्याप्त कोलेटरल द्वारा सुरक्षित कर लिया गया था, ताकि जोखिम और कम हो जाए। वित्तवर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में आईआईएफएल फाईनेंस ने 501.3 करोड़ रुपये का प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पीएटी) दर्ज किया, जो सालाना 514 प्रतिशत अधिक है। वहीं वित्तवर्ष 2026 के नौ महीनों के लिए पीएटी 1,193.5 करोड़ रुपये रहा, जो सालाना 265 प्रतिशत अधिक है। विभिन्न बैंकों और फाईनेंशियल संस्थानों के साथ कंपनी के मजबूत संबंध हैं, जिससे फंडिंग की रणनीति में मदद मिलती है। 31 दिसंबर, 2025 को कंपनी के पास कंसोलिडेटेड आधार पर 4,761 शाखाओं का नेटवर्क था, जो देश के कोने-कोने में फैला था।

IIFL फाइनेंस लिमिटेड
द्वारा सुरक्षित, रेटेड, सूचीबद्ध, रिडीमेबल NCDs का पब्लिक इश्यू
कई अवधी | 24/36/60 | मासिक ब्याज*

प्रभावी यील्ड 9.00% प्रति वर्ष तक
क्रेडिट रेटिंग: Crisil AA/स्टेबल, BWR AA+/स्टेबल
ट्रांच I इश्यू अब खुला है

डिफेंस कंपनी को रक्षा मंत्रालय से मिला 5000 करोड़ रुपये का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। डिफेंस कंपनी कोचिन शिपयार्ड (को 5000 करोड़ रुपये का काम मिला है। यह खबर शेयर बाजार के बंद होने के बाद सामने आई। कंपनी को यह काम डिफेंस मिनिस्ट्री से मिला है। आज सोमवार को डिफेंस कंपनी कोचिन शिपयार्ड के शेयर बीएसई में 0.39 प्रतिशत की गिरावट के बाद 1468.20 रुपये के लेवल पर बंद हुआ है। क्या है वर्क ऑर्डर डीटेल्स स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि रक्षा मंत्रालय ने पांच नेवसट जनरेशन सर्वे वेसल्स के लिए बोली मंगाई थी। कोचिन शिपयार्ड इस प्रोजेक्ट के लिए सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी के तौर पर उभरी है। इस प्रोजेक्ट के तहत कोचिन शिपयार्ड को शिपबिल्डिंग्स के साथ-साथ मेंटनेंस का भी काम देखना है। कोचिन शिपयार्ड ने तीसरी तिमाही में कैसा प्रदर्शन किया है डिफेंस कंपनी की तरफ से दी जानकारी के अनुसार दिसंबर तिमाही में कुल नेट प्रॉफिट 144.60 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 18.30 प्रतिशत कम है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 177 करोड़ रुपये रहा था। डिफेंस कंपनी का रेवन्यू 1350.40 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 17.70 प्रतिशत अधिक है। कोचिन शिपयार्ड की तरफ से दी जानकारी के अनुसार दिसंबर तिमाही में ईबीआईटीडीए 21.50 प्रतिशत की गिरावट के बाद 186.60 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में यह 237.60 करोड़ रुपये रहा था। बीते तीन महीने के दौरान कोचिन शिपयार्ड के शेयरों की कीमतों में करीब 15 प्रतिशत की गिरावट आई है।

चुनौतियों के बीच भारत को निर्यात में बढ़त, जनवरी में 0.61 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के निर्यात में जनवरी महीने में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि जनवरी में देश का निर्यात 0.61 प्रतिशत बढ़कर 36.56 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। यह बढ़ोतरी वैश्विक चुनौतियों के बीच सकारात्मक संकेत मानी जा रही है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से जनवरी तक कुल निर्यात 2.22 प्रतिशत बढ़कर 366.63 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंच गया है। सरकार का कहना है कि लगातार बढ़ता निर्यात देश की

अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहा है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की स्थिति बेहतर हो रही है। भारत की एक टीम जाएगी अमेरिका इसके साथ ही वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि भारत की एक टीम अगले हफ्ते अमेरिका जाएगी ताकि मार्च में होने वाले अंतरिम व्यापार समझौते के लिए कानूनी दस्तावेज को अंतिम रूप दिया जा सके। यह यात्रा 23 फरवरी से शुरू होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इस महीने भारत और अमेरिका ने एक संयुक्त बयान जारी कर अंतरिम व्यापार समझौते के ढांचे को अंतिम रूप दिया था। अब इस ढांचे को कानूनी समझौते में बदलना बाकी है, जिसे दोनों पक्षों के बीच हस्ताक्षरित किया जाएगा। वाणिज्य सचिव ने यह भी बताया कि दोनों देश इस कानूनी समझौते को अंतिम रूप देने में लगे हैं और इसके लिए आभासी बातचीत भी हो रही है। अगले हफ्ते भारत के मुख्य वार्ता प्रतिनिधि दर्पण जैन अमेरिका का दौरा करेंगे।

टैरिफ का दिखा असर, अमेरिका को भारत के निर्यात में 22 प्रतिशत गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ का इम्पैक्ट दिखाई दिया है। जनवरी में अमेरिका को भारत के वस्तु निर्यात में भारी गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, कुल एक्सपोर्ट में बढ़ोतरी हुई है। इसकी सबसे बड़ी वजह डायवर्सिफिकेशन है। जनवरी में भारत का वस्तु निर्यात 0.61 प्रतिशत बढ़कर 36.56 अरब डॉलर हो गया। वहीं, आयात 19.2 प्रतिशत की बढ़त के साथ 71.24 अरब डॉलर पर पहुंचा। इससे देश के व्यापार घाटे में बढ़ोतरी हुई। यह बढ़कर 34.68 अरब डॉलर हो गया। यह बढ़ोतरी वस्तुओं और सेवाओं दोनों में देखी गई। अमेरिका की ओर से लगाए गए ऊंचे टैरिफ के बीच जनवरी में अमेरिका को भारत का वस्तु निर्यात 21.77 फीसदी घटकर 6.6 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। चालू वित्तीय वर्ष में कुल निर्यात 860 अरब डॉलर को पार करने की उम्मीद है। अप्रैल से जनवरी की अवधि में निर्यात 2.22 प्रतिशत बढ़कर 366.63 अरब डॉलर हो गया।

अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। 7 फरवरी से अमेरिका ने 25 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ हटा दिए हैं। रेसिप्रोकल टैरिफ 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किए जाने हैं।

चीन ने दिया सहारा

इससे भारत के निर्यात क्षेत्रीय साथियों के बीच प्रतिस्पर्धी स्थिति में आ गए हैं। पिछले साल सितंबर, अक्टूबर और दिसंबर में भी निर्यात में गिरावट आई थी। हालांकि नवंबर में 22.61 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई थी। इसी अवधि में अमेरिका से आयात 23.71 प्रतिशत बढ़कर 4.5 अरब डॉलर हो गया। चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से जनवरी के दौरान अमेरिका को भारत का निर्यात 5.85 प्रतिशत बढ़कर 72.46 अरब डॉलर हो गया। वहीं, आयात 13.87 प्रतिशत बढ़कर 43.92 अरब डॉलर पहुंच गया।

चीन को एक्सपोर्ट में बढ़ोतरी

चीन को निर्यात जनवरी में 55.65 प्रतिशत बढ़कर 1.63 अरब डॉलर हो गया, जबकि चीन से आयात 16.67 प्रतिशत बढ़कर 12.23 अरब डॉलर हो गया। अप्रैल-जनवरी अवधि में चीन को निर्यात 38.37 प्रतिशत बढ़कर 15.88 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 13.82 प्रतिशत बढ़कर 108.18 अरब डॉलर हो गया। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), नीदरलैंड, जर्मनी, सऊदी अरब, इटली, हांगकांग, स्पेन, बेल्जियम, मलेशिया और वियतनाम सहित कई देशों को निर्यात में सकारात्मक बढ़ोतरी दर्ज की गई। इसके उलट ब्रिटेन, बांग्लादेश, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और ब्राजील को शिपमेंट में गिरावट आई।

आंकड़ों से क्या मिलता है संकेत

आयात पक्ष पर रूस, इराक, कोरिया, जर्मनी, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से इनफ्लो में गिरावट आई। वहीं, यूएई, सऊदी अरब, स्विट्जरलैंड, सिंगापुर, जापान और इंडोनेशिया से आयात बढ़ा। भारत मुख्य रूप से स्विट्जरलैंड से सोना आयात करता है। इस देश से खरीद जनवरी में 836.85 प्रतिशत बढ़कर 3.95 अरब डॉलर हो गई। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के अनुसार, जनवरी 2026 के ताजा व्यापार आंकड़े भारत के निर्यात प्रदर्शन पर अमेरिकी टैरिफ के असर को दिखाते हैं। साथ ही अन्य बाजारों में डायवर्सिफिकेशन के शुरुआती संकेत भी देते हैं।

अमेरिका ने कहा- भारत ने रूसी तेल न खरीदने का दिया भरोसा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब कुछ दिनों पहले ही नई दिल्ली ने दोहराया था कि ऊर्जा खरीद में राष्ट्रीय हित ही मार्गदर्शक कारक होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फरवरी की शुरुआत में भारत के साथ ट्रेड डील की घोषणा करते हुए कहा था कि भारत रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदने पर सहमत हो गया है। तब से अमेरिका ने यह दावा कई बार दोहराया है। म्यूनिख सिक्योरिटी कांफ्रेंस में बोलते हुए रुबियो ने कहा, भारत के साथ हमारी बातचीत में, हमें अतिरिक्त रूसी तेल न खरीदने की उनकी प्रतिबद्धता मिली है। वह रूस-यूक्रेन युद्ध और मास्को पर लगाए गए प्रतिबंधों पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। इसी सम्मेलन में इस सवाल के जवाब में कि क्या अमेरिका के साथ ट्रेड डील रूस के साथ ऊर्जा संबंधों को प्रभावित करेगा, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहले कहा था कि भारत रणनीतिक स्वायत्तता के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, यह हमारे इतिहास और हमारे विकास का एक हिस्सा है। यह बहुत गहराई से जुड़ा हुआ है और यह पूरे राजनीतिक दलों में भी फैला हुआ है।

विदेश मंत्री ने वैश्विक तेल बाजार को जटिल और गतिशील बताया। जयशंकर ने कहा, भारत में तेल कंपनियां, यूरोप की तरह और संभवतः दुनिया के अन्य हिस्सों की तरह, उपलब्धता, लागत और जोखिमों को देखती हैं और अपने सर्वोत्तम हित में निर्णय लेती हैं। गौरतलब है कि ट्रेड डील की घोषणा के बाद, ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से भारत पर लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ को वापस ले लिया था। ये टैरिफ अगस्त में रूस से कच्चा तेल खरीदने के कारण लगाए गए थे। दूसरी ओर एक अन्य खबर में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल-जनवरी के दौरान क्रमशः चीन, यूएई, रूस, अमेरिका और सऊदी अरब से सबसे अधिक आयात किया गया।

सोना-चांदी ने बढ़ा दिया भारत का व्यापार घाटा

अमेरिका से भारत का आयात 23.7 प्रतिशत बढ़कर 4.5 अरब डॉलर हो गया

नई दिल्ली, एजेंसी। जनवरी में भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 34.6 अरब डॉलर हो गया है। यह तीन महीने का सबसे बड़ा आंकड़ा है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि सोने और चांदी के आयात में भारी बढ़ोतरी हुई, जिससे आयात बिल बढ़ गया। वहीं, अमेरिका को होने वाले निर्यात में बड़ी गिरावट के कारण कुल निर्यात लगभग स्थिर रहा। जनवरी में भारत का आयात 19.1 प्रतिशत बढ़कर 71.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह पिछले अप्रैल के बाद सबसे बड़ी बढ़ोतरी है और किसी भी महीने के लिए दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। सोने का आयात 4.5 गुना बढ़कर 12 अरब डॉलर हो गया, जबकि चांदी का आयात 2.3 गुना बढ़कर 2 अरब डॉलर तक पहुंच गया। जनवरी के दौरान र प्रतिशत और आभूषण और कपड़ा निर्यात में गिरावट आई। हालांकि इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मा सेक्टर

में थोड़ी वृद्धि देखी गई। इन सबके बावजूद कुल निर्यात 0.8 प्रतिशत बढ़कर 36.6 अरब डॉलर रहा। सरकार को इस साल रिकॉर्ड निर्यात होने का भरोसा है। इस भरोसे का एक कारण अमेरिका की मांग में आई तेजी भी है। फरवरी की शुरुआत में अमेरिका द्वारा लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ को हटा दिए जाने के बाद र प्रतिशत और आभूषण और कपड़ा जैसे क्षेत्रों में मांग बढ़ी है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत का निर्यात, चाहे वह सामान का हो या सेवाओं का, ऊपर की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले दो महीनों में भी यह इसी गति से जारी रहेगा। राजेश अग्रवाल ने कहा, इस साल हम लगभग 860 अरब डॉलर के निर्यात के करीब पहुंच सकते हैं। साथ ही सेवाओं का निर्यात पहली बार 410 अरब डॉलर को पार करने की उम्मीद है। जनवरी में अमेरिका को भारत का निर्यात 22 प्रतिशत घटकर 6.6 अरब डॉलर रह गया। इससे अमेरिका के साथ व्यापार घाटा घटकर 2.1 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल के 4.8 अरब डॉलर के मुकाबले आधे से भी कम है। अग्रवाल ने आगे कहा, वित्तीय वर्ष 2025-26 व्यापार के लिए काफी व्यस्त रहा है और कई सकारात्मक विकासों ने भारत को समग्र व्यापार वृद्धि बनाए रखने में मदद की है। अगले वित्तीय वर्ष में कुछ प्रमुख मुक्त व्यापार समझौते लागू होने के साथ हम वित्त वर्ष 2026-27 में भी इस सकारात्मक गति को जारी रखने की उम्मीद करते हैं।

अब 14 करोड़ की कमाई से हर कोई दंग

कॉलेज में जब दूसरे लड़के ढूंढ रहे थे जॉब, तब शुरू किया एक्सपेरिमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। वरुण रहेजा इंदौर के रहने वाले हैं। वह रहेजा सोलर फूड प्रोसेसिंग के संस्थापक हैं। उन्होंने 2018 में मेडिकैप्स यूनिवर्सिटी, इंदौर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया। कॉलेज के सालों में जब कई छात्र प्लेसमेंट पर फोकस कर रहे थे, वरुण ने कंपोस्टिंग और सोलर ड्राइंग (सौर सुखाने की प्रक्रिया) के साथ प्रयोग करना शुरू कर दिया। आज वह फसल कटने के बाद (पोस्ट-हार्वेस्ट) होने वाले नुकसान से निपटने के लिए अपने सोलर ड्रायर बेचते हैं। इससे किसानों की आय में बढ़ोतरी हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में उन्होंने 14 करोड़ रुपये की कमाई की है। वरुण ने शार्क टैंक इंडिया में भी हिस्सा लिया। जजों से 1.75 करोड़ रुपये की डील हासिल की। कंपनी ने भारत के 26 राज्यों में 8,000 से अधिक सोलर ड्रायर स्थापित किए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह केन्या, मलावी, इंडोनेशिया और भूटान जैसे देशों में फैल चुकी है। आइए, यहां वरुण की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। इस

आइडिया से बनाया ड्रायर सोलर ड्राइंग यानी सूरज की रोशनी में सुखाने का कॉन्सेप्ट भारत में नया नहीं है। यह किसानों और घरों के लिए मुफ्त है। भारतीय घरों में पापड़ और अचार को धूप में सुखाना एक प्राचीन परंपरा है जो आज भी जारी है। इंदौर के वरुण रहेजा ने इसी सिद्धांत का इस्तेमाल करके सोलर ड्रायर बनाए हैं। इससे किसानों की आय में बढ़ोतरी हुई है। ये किसानों को हर साल होने वाले पोस्ट-हार्वेस्ट नुकसान को कम करने में मदद करते हैं। आंकड़ों के अनुसार, किसानों को पोस्ट-हार्वेस्ट नुकसान के कारण हर साल 1.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान होता है।वरुण राहेजा ने 2018 में बीटेक पूरा किया। कॉलेज के सालों में जब कई छात्र प्लेसमेंट पर फोकस कर रहे थे, वरुण कंपोस्टिंग और सोलर ड्राइंग पर प्रयोग करने में जुटे थे। वरुण का सोलर ड्राइंग में पहला एक्सपेरिमेंट 2017-18 में कॉलेज में रहते हुए शुरू हुआ। उन्होंने अपनी सेविंग से लगभग 25,000-30,000 रुपये के निवेश से पहला सौर ड्रायर बनाया। 2018 में अपनी फर्म रजिस्टर की। बाद में 2019 में इसे रहेजा सोलर फूड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड में बदल दिया। उनकी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उन्होंने पद्म श्री डॉ. जनक पालटा मैकगिलिगन के सानिध्य में इंटर्नशिप की। उनके मार्गदर्शन में वरुण ने सोलर ड्राइंग की प्रैक्टिकल नॉलेज हासिल की। ये समझा कि कैसे स्थायी तकनीक सीधे किसानों की आय में सुधार कर सकती है। मॉडर्न रिटेल और क्रिक कॉमर्स दिग्गज भी ऐसे उत्पाद की डिमांड करते हैं जो एक समान आकार और रंग वाले हों।

23 से ओपन हो रहा यह आईपीओ, ग्रे मार्केट में अभी से ही तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। मोबिलाइज ऐप लैब अपना आईपीओ 23 से 25 फरवरी 2026 के बीच लेकर आ रही है। कंपनी कुल 25,12,000 नए शेयरों का फ्रेश इश्यू जारी कर रही है, जबकि इसमें कोई ऑफर फॉर सेल शामिल नहीं है। प्री-इश्यू शेयर कैपिटल 70,00,000 शेयर है और प्रति शेयर फेस वैल्यू 10 तय की गई है। इश्यू प्राइस और लॉट साइज की घोषणा जल्द की जाएगी। निवेशकों के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा क्यूआईबी, 15 प्रतिशत एनआईआई (एचएनआई) और 35 प्रतिशत रिटेल श्रेणी के लिए आरक्षित रहेगा। ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 11 प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। मोबिलाइज ऐप लैब एक भारतीय आधारित आईटी सॉल्यूशंस कंपनी है, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से एंटरप्राइज ऑपरेशंस को आसान और व्यवस्थित बनाने पर काम करती है। कंपनी हेल्थकेयर, फूड एंड बेवरेज और फैसिलिटी मेंटेनेंस जैसे सेक्टरों के लिए कस्टमाइज्ड और मैनेजमेंट सॉल्यूशंस उपलब्ध कराती है। इसका प्रमुख उत्पाद एक उन्नत कंप्यूटरीकृत मेंटेनेंस

मैनेजमेंट सिस्टम है, जो कंपनियों को अपने फिजिकल एसेट्स मैनेज करने, उपकरणों का रिकॉर्ड ट्रैक करने और प्रिवेंटिव मेंटेनेंस शेड्यूल करने में मदद करता है। कंपनी के अन्य प्रोडक्ट्स में एडुप्रो ईआरपी शामिल है, जो शैक्षणिक संस्थानों के एडमिशन, अकादमिक गतिविधियों और परिवहन प्रबंधन को संभालता है। एससीएमप्रो ईआरपी सप्लाई चेन मैनेजमेंट में स्रोत-से-अनुबंध (एस2सी) और खरीद-से-भुगतान प्रक्रियाओं को एकीकृत करता है।

60 करोड़ की विरासत और मौत का रहस्य

डॉ. हेमलता का निधन, पुलिस के साये में अंतिम संस्कार, अब किसका होगा जमीन का टुकड़ा

जबलपुर, प्रात: किरण, संवाददाता

जबलपुर की जानी-मानी नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमलता श्रीवास्तव के निधन के साथ ही उनकी 60 करोड़ रुपये की वसीयत और संपत्ति को लेकर कानूनी और प्रशासनिक खींचतान तेज हो गई है। रविवार शाम हुए उनके निधन के बाद पुलिस और प्रशासन की कड़ी निगरानी में उनका अंतिम संस्कार किया गया, लेकिन पीछे छूट गया है उनकी बेशकीमती जमीन और दावों का एक जटिल जाल। जनता के मन में अब सबसे बड़ा सवाल यही है आखिर बेशकीमती जमीन का टुकड़ा किसे मिलेगा।

सुरक्षा घेरे में 60 करोड़ की संपत्ति

डॉ. हेमलता के निधन के बाद जबलपुर प्रशासन ने किसी भी संभावित विवाद या कब्जे को रोकने के लिए उनके राइट टाउन स्थित निवास पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है। तहसीलदार संदीप जायसवाल के मुताबिक, फिलहाल घर की सुरक्षा सर्वोपरि है। डॉ. श्रीवास्तव का बेटा और पति पहले ही दुनिया छोड़ चुके हैं, जिसके कारण उनका कोई सीधा वारिस नहीं है। प्रशासन अब एसडीएम स्तर पर तथ्यों की जांच कर रहा है कि इस विशाल संपत्ति का असली हकदार कौन होगा। फिलहाल मौके पर बाउंसरों की मौजूदगी ने भी कई सवाल खड़े किए हैं, जिनकी जांच जारी है।

फर्जी दान-पत्र और रजिस्ट्री का विवाद

विवाद की जड़ डॉ. सुमित जैन और उनके परिवार पर लगे आरोप हैं। आरोप है कि जब डॉ. हेमलता शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ थीं, तब धोखाधड़ी से 11 हजार वर्गफीट जमीन का दान-पत्र लिखवा लिया गया। डॉ. सुमित जैन का दावा है कि डॉ. हेमलता ने अपनी मर्जी से यह जमीन उनके ससुर और बेटे के नाम पर मेमोरियल अस्पताल बनाने के लिए दान की थी। डॉ. हेमलता ने अस्पताल में भर्ती होने के बाद प्रशासन को दिए बयान में स्पष्ट किया था कि उनसे गलत जानकारी देकर कागजात दस्तखत कराए गए। इसी आधार पर डॉक्टर दंपती और रजिस्ट्रार के खिलाफ जांच चल रही है।

कलेक्टर का खुलासा: जमीन नगर निगम की

इस मामले में सबसे बड़ा मोड़ तब आया जब कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने खुलासा किया कि प्रारंभिक जांच में यह कीमती जमीन नगर निगम की पाई गई है। यह जमीन मूल रूप से लीज (पट्टे) पर दी गई थी। जांच में पाया गया कि लीज की शर्तों का उल्लंघन कर जमीन का कुछ हिस्सा गिफ्ट और दान किया गया है। प्रशासन अब इस पट्टे को निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर रहा है। ?भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ ने भी मांग की है कि चूंकि डॉ. हेमलता का कोई वारिस नहीं है, इसलिए इस पूरी संपत्ति को सरकार या नगर निगम के संरक्षण में लिया जाना चाहिए।

गायत्री परिवार और आईएमए का हस्तक्षेप

संपत्ति पर केवल डॉक्टरों का ही नहीं, बल्कि गायत्री मंदिर ट्रस्ट का भी दावा सामने आया है। ट्रस्ट का कहना है कि डॉ. हेमलता ने अपनी बहन की मौजूदगी में पूरी संपत्ति ट्रस्ट को सौंपने की इच्छा जताई थी। वहीं, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने इस पूरे प्रकरण को बुजुर्ग डॉक्टर के उत्पीड़न का मामला बताया है। आईएमए का आरोप है कि 12 जनवरी तक स्वस्थ रहने वाली डॉक्टर की तबीयत अचानक कैसे बिगड़ी और उन्हें उचित इलाज के बजाय संपत्ति के दस्तावेजों के लिए क्यों प्रताड़ित किया गया। फिलहाल, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और प्रशासनिक जांच ही इस 60 करोड़ की गुत्थी को सुलझा पाएगी।

डॉ. हेमलता के विवादित प्लॉट पर नोटिस चस्पा

राइट टाउन एक्सटेंशन स्थित प्लॉट नंबर 51 को लेकर नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। लगभग 25,047 वर्गफुट के इस विशाल भूखंड पर डॉ. महेश कुमार श्रीवास्तव और उनके परिवार का नाम बतौर पट्टेधारी दर्ज है। जांच में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि निगम के स्वामित्व वाली इस बेशकीमती जमीन को पट्टेधारियों ने बिना किसी पूर्व अनुमति के दान कर दिया। इसके अलावा, लीज शर्तों का उल्लंघन करते हुए यहां अवैध रूप से व्यावसायिक गतिविधियां भी संचालित की जा रही थीं। ये वही विवादित प्लॉट है, जिसका विवाद डॉक्टर हेमलता श्रीवास्तव से जुड़ा था। जिनकी रविवार को मृत्यु हो गयी। निगमायुक्त के निर्देश पर सहायक आयुक्त शिवांगी महाजन ने मौके का निरीक्षण किया। जांच में पाया गया कि वर्ष 2020-21 से भू-भाड़ा (लीज रेंट) भी जमा नहीं किया गया है। निगम अधिकारियों के अनुसार, पट्टेधारियों ने लीज की शर्त क्रमांक 3, 6, 7 और 8 का स्पष्ट उल्लंघन किया है, जिसके तहत नगर निगम को जमीन वापस लेने (पुन: प्रवेश) का पूर्ण अधिकार है। प्रशासन ने मौके पर नोटिस चस्पा कर संबंधितों को 24 घंटे के भीतर वैधानिक दस्तावेज पेश करने की मोहलत दी है, अन्यथा कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

खितौला में दिनदहाड़े चाकूबाजी

जबलपुर। खितौला थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते एक दुकान संचालक पर जानलेवा हमला कर दिया गया। रेलवे फाटक के पास मोटरसाइकिल रिपेयरिंग की दुकान चलाने वाले युवक के सीने और पेट में चाकू से ताबड़तोड़ वार किए गए। गंभीर रूप से घायल युवक की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार वार्ड नंबर 15 निवासी रमाकांत पटेल (23) सोमवार सुबह करीब 11 बजे अपनी दुकान के पीछे बबूल के पेड़ के पास गया था। इसी दौरान प्रिंस यादव और कृष्णा गोटिया वहां पहुंचे। बताया जा रहा है कि पिछले दिन हुए किसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते गाली-गलौज में बदल गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर कृष्णा गोटिया ने प्रिंस यादव को चाकू थमाते हुए रमाकांत पर हमला करने के लिए उकसाया। इसके बाद प्रिंस ने कथित तौर पर रमाकांत के सीने और पेट के ऊपरी हिस्से पर कई वार किए। अचानक हुए हमले से रमाकांत लहूलुहान होकर गिर पड़ा। हमले के दौरान रमाकांत की चीख सुनकर दुकान पर मौजूद लखन पटेल और सोनू पटेल मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव की कोशिश की। घायल रमाकांत किसी तरह अपनी जान बचाकर ब्रिज की ओर भागा। आरोप है कि हमलावरों ने उसका पीछा भी किया और दोबारा मिलने पर जान से मारने की धमकी दी। दहशत में रमाकांत कुछ समय तक घर में छिपा रहा, इसके बाद उसने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। खितौला पुलिस ने प्रिंस यादव और कृष्णा गोटिया के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रेलवे फाटक के पास दुकान संचालक पर ताबड़तोड़ वार, हालत नाजुक

दिनदहाड़े हुई इस वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से इलाके में सख्त गश्त और असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई की मांग की है।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया पुरस्कृत

जबलपुर। श्री पारसनाथ दिगंबर तीर्थ, पिसनहारी की मढ़िया में चेलना संभाग का संभागीय अधिवेशन आयोजित हुआ। कार्य म में लगभग 120 महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी शाखाओं को उनके कार्यों के आधार पर अवार्ड प्रदान किए गए। कार्य म के प्रमुख अतिथि कैलाशचंद जैन एवं पूर्व राज्यमंत्री शरद जैन रहे। वरिष्ठ महिला पदाधिकारियों में विमला चौधरी, डॉ. कुसुम जैन, रानी जैन एवं विजयलक्ष्मी जैन उपस्थित रहीं। ध्वजारोहण राकेश जैन एडवोकेट एवं चंद्र कुमार सिघई ने किया। मढ़िया की कमेटी के अध्यक्ष रज्जन मामा, सचिव संजय अरिहंत, कोषाध्यक्ष सुबोध कामरेड का विशेष सहयोग रहा। अधिवेशन में आछार सजाओ, एल्बम एवं स्ेपबुक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही कार्य म में लकी ड्रा के अंतर्गत 10 गिफ्ट प्रदान किए गए एवं चेलना संभाग की संभागीय [ीन का पुरस्कार भी प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त 10 सरप्राइज गिफ्ट भी दिए गए। सामाजिक कार्य एवं दान के अंतर्गत दयोदय तीर्थ तिलवारा में वॉटर कूलर लगाया गया। संभागाध्यक्षसविता जैन एवं सचिव रेशमा चौधरी की उपस्थिति में महिला स्वरोजगार हेतु सिलाई मशीन भी प्रदान की गई। शाखा के वरिष्ठ पदाधिकारियों में अर्चना मलैया, इंदिरा, लता, मधु, संगीता सिंघई, अर्चना रजनीश, संगीता पारस, आकांक्षा, मनीषा एवं प्रियंका के साथ ही वर्तमान अध्यक्ष रंजना, नम्रता, बिमला, मनीषा, पूजा, छाया, मोदी, सीमा, पारस, शैली, सीमा, अंजुला, सोनम की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

विद्यार्थियों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने किया भावविभोर

जबलपुर। महर्षि विद्या मंदिर 1 में महाशिवरात्रि का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, उल्लास एवं आध्यात्मिक गरिमा के साथ मनाया गया। कार्य म विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश नरूला के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अपने प्रेरक उद्बोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को भगवान शिव के आदर्श-शांति, संयम, करुणा एवं त्याग को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। कक्षा प्रथम से पंचम तक के विद्यार्थियों ने भावपूर्ण प्रस्तुतियों द्वारा वातावरण को भक्ति मय बना दिया। कार्य म का शुभारंभ पवित्र महामृत्युंजय मंत्र के सामूहिक जप से हुआ, जिससे परिसर सकारात्मक ऊर्जा से आलोकित हो उठा। विद्यार्थियों ने शिव परिवार का परिचय देते हुए भगवान शिव, माता पार्वती, श्री गणेश एवं कार्तिकेय के जीवन मूल्यों का सुंदर वर्णन किया।

अधिकारी का तबादला, सूची से हटा बीमार खिलाड़ी का नाम

जबलपुर, प्रात: किरण, संवाददाता

83वीं ऑल इंडिया रेलवे हॉकी प्रतियोगिता से पहले चयन प्रक्रिया को लेकर उठा विवाद आखिरकार कार्रवाई तक पहुंच गया। बीमार खिलाड़ी के चयन की खबर सामने आने के बाद रेलवे प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारी का तबादला कर दिया है। साथ ही टीम सूची में शामिल बीमार खिलाड़ी का नाम भी हटा दिया गया है। इस घटनाक्रम को खेल जगत में पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

83वीं ऑल इंडिया रेलवे हॉकी में बीमार खिलाड़ियों के चयन का मामला

यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 18 फरवरी 2026 से 23 फरवरी 2026 तक हटिया में आयोजित की जानी है। इसका आयोजन साउथ ईस्टर्न रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा किया जा रहा है। टूर्नामेंट से पूर्व भोपाल में कोचिंग कैंप आयोजित किया गया है, जहां खिलाड़ियों को अंतिम तैयारी कराई जा रही है। कैंप के बाद टीम जबलपुर होते हुए हटिया के लिए रवाना होगी। ऐसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय स्तर के आयोजन से ठीक पहले बीमार खिलाड़ी के चयन की खबर ने रेलवे खेल मंडलों में हलचल मचा दी थी।

सूत्रों के मुताबिक चयन सूची में एक ऐसे खिलाड़ी का नाम शामिल किया गया था, जो स्वास्थ्य कारणों से पूरी तरह फिट नहीं था। खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने सवाल उठाया कि जब प्रतियोगिता राष्ट्रीय स्तर की है और अन्य मंडलों से भी कड़ी प्रतिस्पर्धा रहती है, तो फिटनेस मानकों से समझौता क्यों किया गया। मामला सार्वजनिक होते ही रेलवे प्रशासन ने जांच शुरू की और प्रारंभिक जांच में लापरवाही सामने आने पर संबंधित अधिकारी का तबादला कर दिया गया।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में चयन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाया जाएगा। खिलाड़ियों की फिटनेस जांच को अनिवार्य रूप से दस्तावेजी प्रमाण के साथ जोड़ा जाएगा, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता की गुंजाइश न रहे। साथ ही यह भी संकेत दिए गए हैं कि चयन से जुड़ी जिम्मेदारियों की नियमित समीक्षा की जाएगी।खेल प्रेमियों का मानना है कि समय रहते की गई इस कार्रवाई से टीम का मनोबल मजबूत होगा और प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद बढ़ेगी। अब निगाहें हटिया में होने वाली इस चैम्पियनशिप पर टिकी हैं, जहां रेलवे की टीमें खिताब के लिए जोर आजमाइश करेंगी।

संशोधित चयन सूची के अनुसार जबलपुर मंडल से सावन रामचंद्र, परमीत, अमित राजभर, रिंकू यादव, नवदीप सिंह और सर्वश्रेष्ठ प्रजापति को टीम में शामिल किया गया है। कोटा मंडल से मोहित का चयन हुआ है। वहीं भोपाल मंडल से अमित कुमार, मुबीन उर रहमान, आकाश पाल, मोहम्मद ताज, मोहम्मद नदीम, ओसाफ उर रहमान, अमान उल्लाह, मयंक जेम्स, फैजल अजीज, मोहित, मोहम्मद सादिक, अमनदीप, सैयद इमरान अली (कोच सह खिलाड़ी) और मेहराजुद्दीन (कोच) को टीम में जगह दी गई है।

घमापुर पुलिस ने युवक को देशी पिस्टल, कारतूस और चाकू सहित दबोचा

जबलपुर। थाना घमापुर पुलिस ने देर रात पेट्रोलिंग के दौरान एक युवक को देशी पिस्टल, कारतूस और चाकू सहित रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी श्रीमती इंद्रा सिंह ने बताया कि पुलिस टीम देर रात क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान चुंगी क्षेत्र में शनि पान टपरा के पास एक युवक संदिग्ध अवस्था में खड़ा दिखाई दिया।

माढ़ोताल में रफ्तार का कहर: श्री राम कॉलेज के पास तेज रफ्तार कार ने सब्जी ठेले को मारी टक्कर, वृद्ध गंभीर

जबलपुर। शहर में तेज रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार रात करीब 10 बजे माढ़ोताल थाना क्षेत्र में श्री राम कॉलेज के पास एक तेज रफ्तार डस्टर कार ने सड़क किनारे लगे सब्जी ठेले को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि ठेला कई फीट दूर जा फेंका गया और उस पर रखी सब्जियां सड़क पर बिखर गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार तेज गति से आ रही थी और चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। टक्कर की चपेट में एक वृद्ध व्यक्ति भी आ गए, जो ठेले के पास मौजूद थे। हादसे में वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें उठाकर इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। राहगीरों और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। कुछ लोगों ने कार चालक को पकड़ने की कोशिश की, जबकि अन्य घायल की मदद में जुट गए। बताया जा रहा है कि कार का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही माढ़ोताल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है और चालक से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि घायल वृद्ध की हालत गंभीर बताई जा रही है और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भानतलैया में संदिग्ध मौत से सनसनी, परिजनों का आरोप, दहेज के लिए हत्या, ससुराल पक्ष बता रहा आत्महत्या

जबलपुर, प्रात: किरण, संवाददाता

शहर के भानतलैया (हनुमानताल) क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। मृतका की पहचान शालिनी सोनकर के रूप में हुई है, जिसकी ससुराल बेलबाग इलाके में थी। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन कर ससुराल पक्ष पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ससुराल में हुई मौत, मायके पक्ष ने लगाए गंभीर आरोप- जानकारी के अनुसार शालिनी की मौत उसके ससुराल में हुई। ससुराल पक्ष का कहना है कि विवाहिता ने आत्महत्या की है, लेकिन मायके वालों ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया। परिजनों का आरोप है कि शालिनी को दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था और उसकी साजिशन हत्या की गई है। घटना की सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। आक्रोशित परिजनों ने न्याय की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। तनावपूर्ण माहौल के बीच पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दहेज प्रताड़ना का आरोप- परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही शालिनी पर अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर दबाव बनाया जा रहा था। उन्होंने कहा कि कई बार समझौते की कोशिश की गई, लेकिन प्रताड़ना बंद नहीं हुई। परिजन ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

जांच जारी- पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। यदि जांच में दहेज प्रताड़ना या हत्या के साक्ष्य मिलते हैं, तो संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।फिलहाल इस घटना ने एक बार फिर दहेज प्रथा और घरेलू हिंसा जैसे गंभीर मुद्दों को उजागर कर दिया है। परिजन न्याय की उम्मीद में कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

मंडी मदार टेकरी

देनदारों का घर में घुसकर हमला

हनुमानताल में पैसे मांगना पड़ा भारी

जबलपुर, प्रात: किरण, संवाददाता

जबलपुर। शहर में उधार दिए गए पैसे वापस मांगना एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया। मामला हनुमानताल थाना क्षेत्र के मंडी मदार टेकरी का है, जहां रुपए के लेन-देन को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने पीड़ित के घर में घुसकर उस पर हमला कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

दो लाख रुपये एडवांस दिए थे

पीड़ित व्यक्ति के अनुसार उसने आरोपियों को किसी सौदे के तहत करीब 2 लाख रुपये एडवांस के रूप में दिए थे। तय समय बीतने के बाद जब उसने अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपी टालमटोल करने लगे। कई बार आग्रह करने के बावजूद रकम वापस नहीं की गई।आरोप है कि जब पीड़ित ने सख्ती से अपने पैसे लौटाने की बात कही, तो आरोपी भड़क गए और विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।

घर में घुसकर किया हमला

पीड़ित का कहना है कि आरोपी उसके घर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने आए परिजनों को भी धमकाया गया। हमले में पीड़ित को चोटें आईं, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई।

पुलिस जांच में जुटी

हनुमानताल थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के बयान लिए जा रहे हैं और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि जांच के आधार पर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बढ़ते लेन-देन विवाद

शहर में निजी लेन-देन के मामलों में विवाद और मारपीट की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पुलिस का कहना है कि किसी भी आर्थिक विवाद की स्थिति में कानूनी प्रक्रिया अपनानी चाहिए, न कि हिंसा का रास्ता।फिलहाल पीड़ित न्याय की मांग कर रहा है और आरोपियों की गिरफ्तारी की कार्रवाई का इंतजार किया जा रहा है।

ऋचा की मौत का राज़ खोलेगा साहू से जुड़ा विवाद

जबलपुर, प्रात: किरण, संवाददाता

गोराबजार थाना अंतर्गत एसकेआर रेसीडेंसी की चौथी मंजिल से संदिग्ध परिस्थितियों में गिरकर हुई महिला की मौत के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। इस मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और वहां से महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस अब इस गुत्थी को सुलझाने में जुटी है कि यह हादसा है, आत्महत्या है या फिर हत्या।

फॉरेंसिक टीम ने खंगाला घटना स्थल, गोराबजार के चर्चित मामले पुलिस के हाथ लगे नए फैक्ट

प्रेम विवाह और आपसी विवाद की कहानी

विदित हो कि गोराबजार निवासी आशीष कुशवाहा (38 वर्ष) ने साल 2018 में ऋचा राजानी (35 वर्ष) से प्रेम विवाह किया था। दोनों की पांच साल की एक मासूम बेटी भी है। आशीष मनेरी की एक फैक्ट्री में काम करता है। मंगलवार को हुई इस दर्दनाक घटना के बाद आशीष ने पुलिस को सूचना दी थी कि ऋचा की उसके दोस्त वैभव साहू से इंस्टाग्राम पर बातचीत होती थी। इसी बात को लेकर मंगलवार सुबह लगभग 8 बजे पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हुआ। आशीष के अनुसार, बहस इतनी बढ़ गई कि ऋचा गुस्से में दौड़कर किचन की बालकनी की ओर गई और वहां से नीचे कूद गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस की हर एंगल पर पैनी नजर

मामले की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को सीएसपी केंट उदयभान बागरी और टीआई संजीव त्रिपाठी पुलिस बल के साथ सोसाइटी पहुंचे। अधिकारियों ने न केवल घटना स्थल का मुआयना किया, बल्कि कॉलोनी के अन्य निवासियों से भी चर्चा की। पुलिस का कहना है कि वे किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले हर पहलू की बारीकी से जांच कर रहे हैं।

परिजनों के बयानों से खुलेंगे नए राज

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में अभी मृतका के परिजनों के बयान दर्ज किए जाने बाकी हैं। फॉरेंसिक टीम द्वारा जुटाए गए साक्ष्यों और परिजनों के बयानों के मिलान के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी। पुलिस का मानना है कि इन बयानों से मामले में कुछ नए और चौंकाने वाले राज खुल सकते हैं। फिलहाल जांच जारी है और जल्द ही इस संदिग्ध मौत का सच सामने आने की उम्मीद है।

प्रकाशक एवं मुद्रक विशाखा अवस्थी द्वारा श्री हनुमत कृपा पब्लिकेशन से मुद्रित एवं ब्लॉक -7, हॉल ए-7 स्कीम-18, जेडीए ऑफिस के बाजू, सिविक सेंटर से प्रकाशित। RNI NO. MPHIN/25/A1541
सलाहकार संपादक अरविंद शीले, प्रबंध संपादक श्रवण मिश्रा, संपादक मदन मोहन अवस्थी* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार दूरभाष -9827007217, 9425856600, 0761-3515636, सतना कार्यालय-07672-292110